www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 04 अक्टूबर 2024 • आश्विन शुक्ल 02, संवत 2081 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 • वर्ष : 2, अंक : 176 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

शारदीय नवरात्र

द्वितीयं ब्रह्मचारिणी

दधाना करपद्माभ्यामक्षमाला-कमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

धैर्य, संयम और तप की मूर्ति हैं भगवती ब्रह्मचारिणी. ये जगदंबा दुर्गा के दूसरे विग्रह के रूप में जानी जाती हैं. शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन 4 अक्टूबर को माता ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की जाएगी. ब्रह्मचारिणी के ब्रह्म शब्द का अर्थ तपस्या और चारिणी का अर्थ है आचरण करनेवाली. इस प्रकार ब्रह्चारिणी का अर्थ है तप का आचरण करनेवाली. मां ब्रह्चारिणी श्वेत वस्त्र धारण करती हैं. उनके एक हाथ में कमंडल है तो दूसरे में अक्षमाला. मान्यता के अनुसार मां ब्रह्मचारिणी देवी की कृपा से सर्वसिद्धि प्राप्त होती है. आदिशक्ति ने पर्वतराज हिमालय की पुत्री के रूप में अवतार लिया था, जिसे पार्वती कहा गया. पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के उद्देश्य से कठिन तपस्या की थी, जिससे उन्हें तपश्चारिणी या ब्रह्मचारिणी की संज्ञा मिली. वे निराहार रह कर शिव की आराधना करती रहीं. इस क्रम में उन्होंने पत्ते तक खाना छोड़ दिया था, तब उन्हें अपर्णा कहा गया. भगवती दुर्गा के इस विग्रह का संदेश स्पष्ट है कि जीवन के कठिन संघर्षों में भी मन विचलित नहीं होना चाहिए.

-डॉ. विनय कुमार पांडेय

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.2	25.6
जमशेदपुर	35.6	25.6
डालटनगंज	33.4	25.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,500
चांदी (किलो)	94,000

ब्रीफ खबरें

मोदी कैबिनेट का फैसला: रेलवे कर्मियों को 78 दिन का बोनस

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी सरकार ने त्यौहारी सीजन में रेलवे के कर्मचारियों को बड़ा गिफ्ट दिया है. गुरुवार को कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 11,72,240 रेलवे कर्मियों को 2028.57 करोड़ के 78 दिनों के बोनस के भुगतान को मंजूरी दी गई है. यह राशि विभिन्न श्रेणियों के रेलकर्मियों जैसे ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, गार्ड, स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप एक्ससी कर्मचारियों को दी जाएगी. केंद्र के इस फैसले से कुल 11,72,240 कर्मचारियों को फायदा होगा, जबकि रेलवे में 58,642 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया फिलहाल चल रही है.

हरियाणा में भाजपा को झटका अशोक तंवर कांग्रेस में शामिल

सोनीपत। विधानसभा चुनाव से पहले हरियाणा में भाजपा को गुरुवार को बड़ा झटका लगा. पूर्व सांसद अशोक तंवर ने महेंद्रगढ़ के गांव बवानिया में कांग्रेस ज्वाइन कर ली. राहुल गांधी ने उन्हें कांग्रेस पार्टी का पटका पहना कर स्वागत किया. अशोक तंवर हिसार से लोकसभा सांसद और हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं. उन्होंने 5 अक्तूबर 2019 को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था. इसके बाद वे आप में शामिल हो गए थे. वे आप के हरियाणा चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष थे. फिर उन्होंने आप भी छोड़ दी थी. आप से इस्तीफा देने के पीछे का कारण कांग्रेस-आप के गठबंधन को बताया था. इसके बाद जनवरी 2024 में तंवर भाजपा में शामिल हो गए थे. भाजपा ने लोकसभा चुनाव में उन्हें सिरसा से टिकट दिया था. वे हार गए थे.

10 लाख करोड़ रुपये स्वाहा

सेंसेक्स एक दिन में 1700 से ज्यादा और निफ्टी भी 500 अंक गिरा

एजेंसियां। मुंबई

गुरुवार को शेयर मार्केट में फिर से हाहाकार मच गया. निवेशकों के एक दिन में करीब 10 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गया. सेंसेक्स में 1700 अंक से ज्यादा की गिरावट आई. वहीं निफ्टी भी 500 से ज्यादा अंक दिया. ऐसे में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में एक दिन में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई. इस गिरावट का सबसे बड़ा कारण ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव है. इस तनाव के चलते दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट आई. इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा.

गुरुवार को शेयर मार्केट की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स करीब 800 अंकों की गिरावट के साथ खुला. बाजार बंद होने तक सेंसेक्स 1769.19 अंक गिरकर 82,497.10 पर बंद हुआ. वहीं निफ्टी 546.80 अंक गिरकर 25,250.10 पर बंद हुआ. इस हफ्ते यह तीसरा दिन है जब शेयर मार्केट में गिरावट आई. सोमवार को सेंसेक्स में 1200 से ज्यादा अंकों की गिरावट आई थी. मंगलवार को भी इसमें थोड़ी सी गिरावट आई. बुधवार को गांधी जयंती के कारण मार्केट बंद थी. गुरुवार को फिर से गिरावट आ गई. गुरुवार को जेएसडब्ल्यू स्टील को छोड़ सभी स्टॉक नुकसान में रहे. सबसे ज्यादा नुकसान एलएंडटी, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स के शेयरों में दिखाई दिया. इनमें 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई. वहीं रिलायंस, मारुति और एशियन पेंट्स ऐसे रहें जिनमें गिरावट 4 फीसदी से कुछ ही नीचे रही. जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर में गुरुवार को एक फीसदी से कुछ ज्यादा की तेजी देखने को मिली.

शेयर मार्केट में गिरावट के 5 कारण

1. ईरान-इजराइल के बीच तनाव : *ईरान और इजराइल के बीच बढ़ रहा तनाव दुनियाभर के शेयर मार्केट पर भारी पड़ रहा है. इजराइल पर ईरान बैलिस्टिक मिसाइल से हमला कर रहा है. वहीं इजराइल ने लेबनान में भी हमला बढ़ा दिया है. इस हमले के कारण बाजार में डर का माहौल है.*

2. कच्चे तेल की बढ़ती कीमत : मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते इसका असर कच्चे तेल की कीमत पर पड़ा है. कच्चे तेल की कीमत बढ़कर करीब 75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है. जानकारों के मुताबिक इजराइल अपने जवाबी हमले में ईरान के ऑयल फील्ड्स को निशाना बना सकता है. अगर ऐसा होता है तो भारत समेत दुनिया के कई देशों में ऑइल की सप्लाई का असर पड़ेगा. इससे महंगाई बढ़ने का डर है.

3. चीन का प्रोत्साहन पैकेज : भारत में निवेशक चीनी शेयरों के फिर से उभरने को लेकर चिंतित हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में खराब प्रदर्शन किया है. पिछले हफ्ते चीनी सरकार ने आर्थिक प्रोत्साहन के बारे में कहा था. चीन सरकार की इस घोषणा के बाद विश्लेषकों ने चीनी शेयरों में निरंतर तेजी की भविष्यवाणी की है. इससे विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल कर चीनी मार्केट में लगा रहे हैं.

4. एफ एंड ओ पर सेबी की ओर से उठाए कदम : मार्केट रेगुलेटर सेबी ने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस को लेकर नियमों में बदलाव किया है. सेबी के मुताबिक 20 नवंबर से कॉन्ट्रैक्ट साइज के नियम लागू होंगे. हर एक्सचेंज में एक हफ्ते में सिर्फ एक ही वीकली एक्सपायरी होगी. वहीं, 1 फरवरी से ऑप्शंस बायर्स के लिए अपफ्रंट प्रीमियम और कैलेंडर स्प्रेड जैसे बेनिफिट को खत्म कर दिया जाएगा. इन नए नियमों का असर भी मार्केट में पर दिखाई दिया.

5. शेयर मार्केट का ऊंचा वैल्यूएशन : *शेयर मार्केट के काफी जानकारों का मानना है कि शेयर मार्केट का इस समय वैल्यूएशन काफी ऊंचा है। मार्केट में काफी समय में बहुत तेजी आ रही है जो अच्छी नहीं है। जानकारों के मुताबिक भारतीय शेयर मार्केट की वैल्यूएशन ज्यादा होने से इसमें बड़ी गिरावट की आंशका हमेशा बनी हुई है। यह गिरावट भी इसी का हिस्सा है। जानकारों के मुताबिक ऐसी गिरावट बहुत जल्दी कवर भी हो जाती है।*

सीएम हेमंत ने राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर का किया उद्घाटन, फेज दो की रखी आधारशिला, कहा

विकास में यह मील का पत्थर साबित होगा

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड गठन के बाद पहली बार राज्य के बहुप्रतीक्षित ट्रांसपोर्ट नगर की बड़ी सौगात दी. मुख्यमंत्री ने गुरुवार को कांके सुकुरहुटू रिंग रोड के निकट 113.24 करोड़ और 40.68 एकड़ भूमि में निर्मित ट्रांसपोर्ट नगर फेज वन का उद्घाटन रिंग रोड आईटीबीपी कैंप सुकुरहुटू में किया. इसके शुरू हो जाने से अब शहर में बड़े एवं छोटे माल वाहक वाहनों का प्रवेश नहीं होगा और जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी. रिंग रोड से आकर यहां ठहराव होगा और फिर रिंग रोड के सहारे सभी वाहन अपने गंतव्य स्थान की ओर निकल जाएंगे. नया ट्रासंपोर्ट नगर अपनी तय अवधि 24 माह में बन कर तैयार हो गया. इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने अगले 18 महीने में तैयार होने वाले ट्रांसपोर्ट नगर फेज दो की भी भूमि पूजन के साथ आधारशिला रखी. जिसकी कुल लागत 57.82 करोड़ रुपए है. यह कुल 9.12 एकड़ भूमि पर बनेगा. इस मौके पर नगर विकास एवं भवन निर्माण विभाग के मंत्री हफीजुल हसन, सांसद डॉ. महुआ माजी, विभागीय सचिव सुनील कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे.

- **मुख्यमंत्री ने** दी राजधानीवासियों को सौगात, शहर में प्रवेश नहीं करेंगे अब बड़े वाहन

मेन रोड की तरह सुकुरहुटू का भी विकास होगा : इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रांसपोर्ट विकास की एक कड़ी है. आने वाले दिनों में यहां और कई चीजें होगी. कई और आयाम जुड़ेंगे. अब झारखंड में ट्रांसपोर्ट से जुड़े लोगों का ये स्थाई ठिकाना हो गया. कई बड़े वाहन संकरी सड़कों पर जाते हैं. जिससे जाम की समस्या होती है. दुघर्टानाएं होती हैं. अब न आम लोगों को दिक्कत होगी न ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लोगों को दिक्क्त होगी. बहुत जल्द हम प्रयास करेंगे कि जैसे कचहरी और मेन रोड को देखते हैं, उसी तरह से सुकुरहुटू का भी विकास हो जाए. शहर के विस्तार के लिए यह ट्रासंपोर्ट नगर मील का पत्थर साबित होगा. यहां से छोटी-छोटी गाड़ियों में सामान लादकर शहर के अंदर लाद कर ले जाया जाएगा. मैंने यह अनुभव किया है कि अक्सर दूसरे राज्यों से जो ट्रक आते है, वो शहर में रास्ता भटक जाते हैं. मगर ये स्थान न रांची के लोग भूलेंगे न ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लोग. इस क्षेत्र में रहने वाले सभी नागरिकों और ट्रांसपोर्ट क्षेत्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई और जोहार करते हैं.

ट्रांसपोर्ट नगर की विशेषता

- ट्रांसपोर्ट नगर में कहीं भी सीमेंट का इस्तेमाल नहीं किया गया है.
- **पत्थर की इको फ्रेंडली गैबियन वॉल से ट्रांसपोर्ट नगर बनाया.**
- जुडको की देखरेख में हैदराबाद की केएमवी प्रोजेक्ट्स ने ट्रांसपोर्ट नगर में एकीकृत भवन व दो वेयर हाउस का निर्माण किया है.
- **तीन तल्लों में छोटे से लेकर बड़े वाहनों की पार्किंग के लिए तीन स्तर का प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है.**
- जी प्लस 3 भवन में 16 ऑफिस बने हैं. बाहर से आने वाले वाहनों के माल की अनलोडिंग के लिए दो लेवल का वेयर हाउस है.

- शेष पेज 07 पर

आज सीएम हेमंत 3264 करोड़ की देंगे राज्य को सौगात

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य में रोड कनेक्टिविटी बढ़ाने और जाम की समस्या से मुक्ति के लिए एक साथ कई योजनाओं पर काम कर रहे हैं. इसी दिशा में मुख्यमंत्री शुक्रवार को राज्य को 3264 करोड़ रुपए की बड़ी सौगात देने जा रहे हैं. जिसके तहत तीन कनेक्टिंग एलिवेटेड फ्लाईओवर सहित कई फोर लेन सड़कें और पुल, आरओबी की 31 योजनाओं की आधारशिला रखेंगे. वहीं मुख्यमंत्री सोरेन चार अक्टूबर को रांची के बहुप्रतीक्षित कांटा टोली फ्लाईओवर रांची की जनता को सौपेंगे. इसके अतिरिक्त कई सड़कों का भी उद्घाटन होगा. जिसकी कुल लागत 792.10 करोड़ की होगी.

आज उद्घाटन होने वाले फ्लाईओवर और सड़क

- कांटा टोली फ्लाईओवर
- **बिरसा चौक-धुर्वा गोल चक्कर फोन लेन स्मार्ट पथ**
- कांके चौक-विनोद बिहारी चौक-गोल बिल्डिंग आठ लेन पथ धनबाद
- **अनगड़ा-हाहे, राहे पथ का पुनर्निर्माण**

आज आधारशिला रखे जाने वाले फ्लाईओवर और सड़क

- सहजानंद चौक से जज कॉलानी तक फोर लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर का निर्माण (लागत 430 .75 करोड़)
- बहु बाजार से पटेल चौक कनेक्टिंग फ्लाईओवर का निर्माण (लागत 213 .35करोड़)

- शेष पेज 07 पर

निम्न जातियों से सफाई सवर्णों से रसोई का काम

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: यह अनुच्छेद 15 का उल्लंघन, जेलों में तुरंत रोकें जातीय भेदभाव

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जाति आधारित भेदभाव से जुड़ी याचिका पर अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया. अदालत ने कहा कि जेल में निचली जातियों को सफाई और झाड़ू लगाने का काम सौंप कर और उच्च जाति को खाना पकाने का काम सौंप कर सीधे तौर पर भेदभाव किया जाता है और यह अनुच्छेद 15 का उल्लंघन है. साथ ही शीर्ष अदालत ने कुछ राज्यों के जेल मैनुअल के भेदभावपूर्ण प्रावधानों को खारिज कर दिया तथा जाति आधारित भेदभाव, कार्य बंटवारे और कैदियों को उनकी जाति के अनुसार अलग वार्डों में रखने की प्रथा की निंदा की. मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने जेलों में जाति आधारित भेदभाव रोकने के लिए कई निर्देश भी जारी किए.

जाति आदि के आधार पर श्रम आवंटन की अनुमति नहीं : चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गुरुवार को कहा कि इस तरह की प्रथाओं से जेलों में श्रम का गलत बंटवारा होता है तथा जाति आदि के आधार पर श्रम आवंटन की अनुमति नहीं दी जा सकती. पीठ ने आगे कहा कि राज्य के नियमावली के अनुसार जेलों में हाशिए पर पड़े वर्गों के कैदियों के साथ भेदभाव के लिए जाति को आधार नहीं बनाया जा सकता. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न राज्यों के जेल नियमावली में जाति-आधारित भेदभाव की प्रथा की निंदा की. अदालत ने कहा कि सभी जातियों के कैदियों के साथ मानवीय तरीके से और समान व्यवहार किया जाना चाहिए. कुछ वर्ग के कैदियों को जेलों में काम का सही बंटवारा मिलना अधिकार है.

सीवर टैंकों की सफाई की अनुमति पर कोर्ट ने क्या कहा : सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि कैदियों को खतरनाक परिस्थितियों में सीवर टैंकों की सफाई करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. पीठ ने जाति के आधार पर भेदभाव के मामलों से निपटने के लिए पुलिस को ईमानदारी से काम करने का आदेश दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य जेल मैनुअल के आपत्तिजनक नियमों को खारिज कर दिया. साथ ही राज्यों से तीन महीने के भीतर इनमें संशोधन करने का आदेश दिया. अदालत ने कहा कि किसी विशेष जाति से सफाईकर्मियों का चयन करना पूरी तरह से मौलिक समानता के विरुद्ध है.

क्या है मामला

बता दें, शीर्ष अदालत में दायर इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि देश के कुछ राज्यों के जेल मैनुअल जाति आधारित भेदभाव को बढ़ावा देते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत 17 राज्यों से जेल के अंदर जातिगत भेदभाव और जेलों में कैदियों को जाति के आधार पर काम दिए जाने पर जवाब मांगा था. सर्वोच्च न्यायालय ने इस साल जनवरी में कई राज्यों से जवाब मांगा था. हालांकि छह महीने बीतने के बाद भी केवल उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने ही अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया.

जनवरी में इस दलील पर दिया था गौर : अदालत ने इस साल जनवरी में महाराष्ट्र के कल्याण की निवासी सुकन्या शांता की याचिका पर केंद्र और उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल सहित 11 राज्यों से जवाब मांगा था. न्यायालय ने इस दलील पर गौर किया था कि इन राज्यों के जेल नियमावली उनकी जेलों के अंदर काम के आवंटन में भेदभाव करते हैं और कैदियों की जाति से ही उनके रहने की जगह तय होती है. याचिका में केरल जेल नियमों का हवाला दिया गया था और कहा गया कि वे आदतन और फिर से दोषी ठहराए गए दोषी के बीच अंतर करते हैं. याचिका में दावा किया गया कि पश्चिम बंगाल जेल संहिता में यह प्रावधान है कि जेल में काम जाति के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए, जैसे खाना पकाने का काम प्रभावशाली जातियों द्वारा किया जाएगा और झाड़ू लगाने का काम विशेष जातियों के लोगों द्वारा किया जाएगा.

हंगामा है क्यों बरपा चर्चा ही तो छेड़ी है

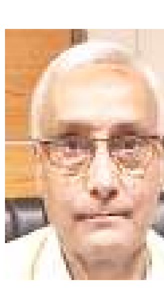

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

लोस और विस के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान में संशोधन करना पड़ेगा और इसके लिए आवश्यक समर्थन जुटाना आसान नहीं होगा.

प्रसंगवश

इस समय एक देश एक चुनाव को लेकर चर्चा तेज है. इस पर विशेषज्ञ, राजनीतिक दल, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी अभिमत व्यक्त कर रहे हैं. यह विषय चर्चा में तब आया था जब 1982-83 में निर्वाचन आयोग ने लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का सुझाव दिया था. नरसिंह राव के कार्यकाल में विधि आयोग ने इसकी जरूरत बतायी थी. 2003 में गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस पर विचार करने का आग्रह किया था. लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी. इसकी गंभीर सुगबुगाहट नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में पुनः शुरू हुई. लेकिन जब 2019 में अपने चुनाव घोषणापत्र में भाजपा ने एक देश एक चुनाव का संकल्प शामिल किया, विधि आयोग से सुझाव मांग लिया गया और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति गठित कर दी गई, तब यह साफ हो गया कि केंद्र सरकार इस बाबत गंभीर है. इस समिति ने लोकसभा चुनाव से पहले अपनी संस्तुति राष्ट्रपति को सौंप दी. कहा जा रहा है कि विधि आयोग ने सभी संभावित आशंकाओं और आपत्तियों के मद्देनजर जो रिपोर्ट सरकार को भेजी है, वह सरकार की मुश्किलें आसान कर सकती है. शायद इसी वजह से प्रधानमंत्री ने लाल किले के प्राचीर से एक देश एक चुनाव की घोषणा कर दी और अब कैबिनेट ने भी इस पर मुहर लगा दी है. संभावना व्यक्त की जा रही है कि संसद के शीत सत्र में इस संबंध में विधेयक पेश हो सकता है. राजनीतिक दलों की इस पर जिस लहजे में प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, उससे स्पष्ट है कि संसद में हंगामा होगा और सरकार इसे जेपीसी या प्रवर समिति के पास विचारार्थ भेज देगी. इस विधेयक को पास कराना सरकार के लिए भी आसान नहीं होगा. लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान में संशोधन करना पड़ेगा और इसके लिए आवश्यक समर्थन जुटाना आसान नहीं होगा.

संविधान कहता है कि लोकसभा का चुनाव समय (पांच साल) से पहले तभी हो सकता है जब सरकार बहुमत खो दे या प्रधानमंत्री लोकसभा भंग कर नये चुनाव की सिफारिश कर दें. इसी प्रकार विधानसभाओं के चुनाव भी समय (पांच साल) से पहले तभी होंगे जब सरकारें अल्पमत में आ जायें या मुख्यमंत्री विधानसभा भंग करने की सिफारिश कर दें. लेकिन विधानसभाओं के चुनाव समय पूर्व तब भी कराये गये हैं और कराये जा सकते हैं जब केंद्र राज्य सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगा दे. केंद्र सरकारों ने अपने इस अधिकार (धारा 356) का बेशर्म इस्तेमाल किया है. इस मामले में कांग्रेस का रिकॉर्ड बहुत उम्दा है जो आज संविधान, संघीय ढांचा और लोकतंत्र की दुहाई दे रही है.

बहरहाल 1952 से 1967 तक तो लोकसभा के साथ विधानसभाओं के चुनाव होते ही थे. यदि तब हमारा संघीय ढांचा कमजोर नहीं हुआ तो अब कैसे होगा ? दूसरा सवाल यह है कि यह क्रम टूटा कैसे और इसे कमजोर किसने किया ? इसका पहला जवाब है इंदिरा गांधी ने. कांग्रेस अध्यक्ष बनते ही उन्होंने 1959 में केरल की कामरेड नंबूदिरीपाद की सरकार की गर्दन धारा 356 की तलवार से उतारकर अपने पिता जवाहरलाल नेहरू को भेंट कर दी. इतना ही नहीं, उन्होंने लोकसभा की उम्र एक साल घटाया भी एक साल बढ़ाया भी. हुआ दरअसल यह कि 1962 के चुनाव के बाद 1964 में नेहरू जी और 1966 में शास्त्री जी चल बसे. इसके बाद दिग्गज कांग्रेसियों के होते हुए भी इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बन गयीं. ऐसा क्यों हुआ, इस पर फिर कभी. 1967 में उनके नेतृत्व में कांग्रेस जीती और सरकार बनी. लेकिन 1969 आते-आते कांग्रेस टूट गई. मोरारजी देसाई, विजलिंगप्पा और कामराज आदि ने अलग कांग्रेस (संगठन) बना ली. इंदिरा जी को सरकार चलाने के लिए बाहरी समर्थन पर निर्भर होना पड़ा. इसी दौर में कालाबाजारी, अफसरशाही और कंट्रोल पॉलिसी ने देश को रसातल में पहुंचा दिया. सरकार खुद धन जुटा रही थी. इससे आजिज होकर इंदिरा गांधी ने 1971 में ही चुनाव करा दिया, जबकि नियमतः वह चुनाव 1972 में होना था. उस चुनाव में इंदिरा गांधी की पार्टी जीती.

- शेष पेज 07 पर

देश की विकास परियोजनाएं रोकना चाहते हैं 5 एनजीओ

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

- इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की जांच में मिलीभगत का खुलासा

भारत में कार्यरत पांच एनजीओ (ग़ैर-सरकारी संगठन) के ख़िलाफ़ इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा हाल ही में की गई कार्रवाई से कई सनसनीखेज़ खुलासे हुए हैं, जिनमें से एक जानकारी यह है कि इनमें से दो एनजीओ ने अदालतों में याचिकाएं दाखिल कर देश में जारी आर्थिक और विकास परियोजनाओं में बाधा डालने का प्रयास किया, जिनमें अडानी समूह और जेएसडब्ल्यू के प्रोजेक्ट भी शामिल हैं.

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से चार एनजीओ को पांच साल में 75 फ़ीसदी से ज़्यादा फ़ंडिंग विदेशों से मिली, जिसके चलते भारत में एनजीओ की गतिविधियां प्रभावित हुईं. एक जानकारी यह भी मिली थी कि इनमें से एक एनजीओ के अध्यक्ष अन्य एनजीओ के भी हिस्सेदार हैं. इंडियन एक्सप्रेस द्वारा की गई तफ़्तीश के अनुसार, पांच बड़े एनजीओ के ख़िलाफ़ की गई कार्रवाई के बाद इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने ये अहम आरोप लगाए थे. जिन एनजीओ के ख़िलाफ़ कार्रवाई की गई थी, उनमें देश का प्रमुख थिंकटैंक सेंटर फ़ॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) तथा मल्टीनेशनल कन्फ़ेडरेशन ऑक्सफ़ैम (ऑक्सफैम) भी शामिल हैं.

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 7 सितंबर, 2022 को ऑक्सफ़ैम, सीपीआर, एनवायरॉनिक्स ट्रस्ट (ईटी), लीगल इनिशिएटिव फ़ॉर फ़ॉरेस्ट एंड एनवायरनमेंट (लाइफ) और केयर इंडिया सॉल्यूशन फ़ॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (सीआईएसएसडी) के परिसरों की तलाशी लेने के बाद से जांच शुरू कर दी थी.

-शेष पेज 07 पर

इंडिया गठबंधन के घटक दल इस बात को लेकर चिंतित हैं कि चुनाव के बाद तोड़े जा सकते हैं उनके विधायक

विधानसभा चुनाव ही नहीं, चुनाव के बाद तोड़फोड़ की चिंता

संवाददाता।रांची

इंडिया गठबंधन दलों (झामुमो, कांग्रेस व राजद) के नेता गहरी चिंता में हैं. चिंता विधानसभा चुनाव को लेकर तो है ही. उससे भी बड़ी चिंता चुनाव के बाद की है. गठबंधन के नेताओं को उम्मीद है कि चुनाव में कुल मिलाकर बहुमत आ जाएगा, इस बात को लेकर निश्चिंत भी हैं, लेकिन अंदेशा यह है कि चुनाव के बाद कांग्रेस के विधायकों को तोड़ा जा सकता, ताकि इंडिया गठबंधन को बहुमत से दूर रखा जा सके. यही कारण है कि चुनाव से पहले ही हर दूसरे दिन गठबंधन के किसी ना किसी विधायक के टूटने की खबर सोशल मीडिया पर आ जा रही है. कुछ न्यूज पोर्टल, यूट्यूब चैनल और अखबारों में भी ऐसी खबरें प्रचारित-प्रसारित हो जा रही हैं. इससे गठबंधन के नेता अपने ही विधायकों पर संदेह करने लगे हैं.

सूत्रों के मुताबिक गठबंधन के दलों में इस बात की गंभीर चर्चा हो रही है कि अगर कांग्रेस को पहले (2019) से कम सीटें आयीं, तो उनके विधायकों को तोड़ना आसान होगा. इस विधानसभा के कार्यकाल में भी कम से कम तीन ऐसे मौके आये हैं, जब कांग्रेसी विधायक दिल्ली की रवाना हुए. उनके टूटने की बात चली. हालांकि समय रहते सरकार तक सूचना पहुंच जाने की वजह से एक साथ 11-12 विधायकों को तोड़ना मुमकिन नहीं हो सका.

गठबंधन के नेताओं में सबसे अधिक चर्चा झारखंड विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी व असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा को लेकर है. हिमंता ने जिस तरह चंपाई सोरेन को भाजपा में शामिल कराकर झामुमो को झटका दिया है, उससे यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि उसी तरह चुनाव के बाद कांग्रेसी खेमे में बड़ी टूट को अंजाम दिया जा सकता है. अभी जो कांग्रेस के विधायक हैं, उनमें से भी कई के टूटने की चर्चा और खबरें आती रहती हैं. इस कारण विधायकों के लिए विश्वास का भी संकट गहराता जा रहा है. एक-दूसरे को संदेह की नजर से देखा जाने लगा है. अब गठबंधन के नेता इस कोशिश में जुट गए हैं कि ना सिर्फ चुनाव जीतना है, बल्कि चुनाव बाद विधायकों को टूटने से भी रोकना है.

एक सवाल एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों के बीच भी है. वह है सीट बंटवारे का. दोनों गठबंधन के घटक दल इस मुद्दे को लेकर आधा दर्जन से अधिक बैठकें कर चुके हैं. लेकिन अभी तक सीट शेयरिंग का फार्मूला तय नहीं हो पाया है. जम्मू-कश्मीर और हरियाणा चुनाव के नतीजे आने बाकी है. इन दो राज्यों में चल रहे चुनाव के नतीजे आने के बाद दोनों गठबंधनों के तेवर में और कामकाज में बदलाव आने तय हैं. संभव है चुनाव के लिए नए मुद्दे भी सुर्खियों में आयें. इसके बाद ही सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिये जाने की उम्मीद की जा रही है.

हाथी मानव संघर्ष को रोकने के लिए ग्रामीणों की बसावट का होगा आकलन

मानव बसावट को हाथियों से दूर रखने के लिए उठाए जाएंगे कदम

- झारखंड चिड़ियाघर प्राधिकरण को 12 करोड़ की राशि आवंटित

रवि भारती।रांची

हाथी मानव संघर्ष को रोकने के लिए वन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कार्ययोजना तैयार की है. वन प्रबंधन सुविधाओं के तहत ग्रामीणों की स्थिति का आकलन किया जाएगा. साथ ही मानव बसावट को हाथियों से दूर रखने के ठोस उपाए भी किए जाएंगे. इसके लिए वन विभाग सोलर लाइट की भी खरीदारी करेगा. इस कार्य योजना का सामाजिक अंकेक्षण पूर्व के तीन वर्षों का कराया. प्रतिष्ठित संस्थान से थर्ड पार्टी से मूल्यांकन भी कराया जाएगा. राज्य सरकार इस योजना की मॉनिटिरिंग के लिए भारत सरकार के पैटर्न को भी अपनाएगी. योजना के निरीक्षण का प्रतिवेदन और भौतिक प्रगति हर माह की पांच तारीख को कार्यालय में समर्पित किया जाएगा.

हाथियों को रोकने के लिए बांस का होगा पौधरोपण : वन विभाग के अनुसार हाथियों के उत्पात को रोकने के लिए बांस के पौधे लगाए जाएंगे. विभाग इस योजना पर भी काम कर रहा है. वन विभाग ने तर्क दिया है कि हाथियों को बांस के पौधे पसंद है. इस कारण हाथियों के नेचुरल कॉरिडोर के दोनों ओर बांस के पौधे लगाए जाएंगे. क्योंकि हाथियों के कॉरिडोर से छेड़छाड़ करने पर हाथियों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता है. वहीं सोलर इलेक्ट्रिक फेंसिंग से हाथियों का स्वभाविक रास्ता भी डिस्टर्ब हुआ है.

व्याघ्र-हाथी परियोजना के तहत खर्च किए जाएंगे दो करोड़

वित्तीय वर्ष 2024-25 में "व्याघ्र एवं हाथी परियोजना" के तहत 10 सेंचुरी के विकास और रखरखाव के लिए दो करोड़ 23 लाख 1500 रुपए खर्च किए जाएंगे. वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में झारखंड चिड़ियाघर प्राधिकरण को अनुदान योजना के तहत 12 करोड़ रुपए दिए जाने की स्वीकृति दी गई है. इसका भी सोशल ऑडिट पूर्व तीन वर्षों का कराया जाएगा. वित्तीय वर्ष 2024-25 से नियमित रूप से सोशल ऑडिट कराया जाएगा. थर्ड पार्टी इसका मूल्यांकन करेगी. साथ ही योजना के शत-प्रतिशत निर्धारित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य को प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाएगा.

पिछले पांच साल में हाथियों ने 480 लोगों की जान ली

झारखंड में पिछले पांच साल में हाथियों ने 480 लोगों की जान ले ली. केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार ओडिशा में सबसे अधिक 499, असम में 385 और पश्चिम बंगाल में 358 लोगों ने हाथियों के हमले में जान गंवाई है.

सतीघाट मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा

अध्यात्म और पर्यटन का अद्भुत संगम होगा महातीर्थ सतीघाट मंदिर : सुदेश

संवाददाता।रांची

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा है कि महातीर्थ सतीघाट मंदिर की पहचान को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित किया जाएगा. सतीघाट मंदिर हमारी आस्था का बड़ा केंद्र है. आने वाले दिनों में महातीर्थ सतीघाट मंदिर अध्यात्म और पर्यटन का अद्भुत संगम होगा. वे गुरुवार को सोनाहातु के पांडुडीह गांव में स्थित महातीर्थ सतीघाट मंदिर निर्माण के लिए आयोजित भूमि व शिला पूजन कार्यक्रम में बोल रहे थे. इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में स्नान घाट निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास भी किया.

महातीर्थ सतीघाट मंदिर का निर्माण सैंड स्टोन से होगा

महातीर्थ सतीघाट मंदिर का निर्माण सैंड स्टोन से होगा. यह खास सैंड स्टोन मिर्जापुर से मंगाए जाएंगे. 3.94 एकड़ में फैले मंदिर परिसर में दो तोरण द्वार, स्नान घाट, मेला के लिए मैदान, सेंट्रल प्लाजा, एमपी थियेटर, विभिन्न तरह की दुकानें, हॉल, पार्किंग, पार्क, सड़कें, पानी, बिजली, शौचालय आदि की व्यवस्था की जाएगी.

मैं भी कुश, वाह भाई वाह... ए भाई जरा देख के चलो, आगे-पीछे ही नहीं ऊपर-नीचे भी

संजय सिंह

जी हां ई पलामू की धरती है, जो दूसरो देने यानि केनियो रहेवाला लोगन के सीने से लगाईके सिर-आंखों पर बइठा लेती है. पहिले आरा जिला घर बा, कवन बात के डर बा वाला नया-नवेला नेताजी के सीने से लगाईक ऊपरे छानी पर चढ़ा दीहिस. अब छानिया पर चढ़ाती कइसे नहीं भाई, पुलिस अफसर थे, नेतई में उतरे तो गले लगाइबे न करेगी. ऊपरे से दामाद जी भी हैं. ससुरारी वालों ने तो नेताजी के अईसन गिफ्ट दीहिस कि पूछिए मत, सीधे दिल्लीए पहुंचा दीहिस. दामाद बाबू भी गदगद. ससुरारीवाले लोग दु-तीन बेर से दामाद बाबू परे तिनाका बेसिए ध्यान देले रहे, तो भला दामाद बाबू भी काहे न ससुरारी पर प्यार लुटाएंगे. वईसे पलामू के लोगबाग कहे लगीस है कि भाई दामाद बाबू के हमनी घरजमाई बना ले ली है. जमाई बाबू के मंत्री पद जरूर मिले के चाही. जनता-जनार्दन दांत निपोरले है, लेकिन ना जाने दामाद जी के किस्मतवा रुठ के केने घुसिया गईस है कि उनको न बुजा रहल है. ओने ऊनके अपने निजी ससुरारी वाले ऑरिजनल साला साहिब के किस्मतवा तो पहिले एकदम से चमचमाईल रहलई. खूबे सत्ता सुख भोगले हथीन, लेकिन बाद में दलबदलू के ठप्पा लगाईले जेने-तेने छिछायावे लगलथीन तो जनता जनार्दन भी मुंह फेर लीहिन. लेकिन अबकिर भाई लोग बता रहीन है कि खुद के टिकट ला ज्यादा परेशान ना हथुन, अब तो छुन्नी भइयाजी बेटवा लगी जेने-तेने छिथिया रहलथुन है. अब इहे पलामूआ में कोल्हान देने से एगो नेताजी तीर-धनुष लेले जबरियां पिछला चुनाउवा में टपक गईन. चलावे लगलथुन ठकुराई. ईहा के जनता-जनार्दन ठाकुर साहिब के आगे बढ़ के लोक लीहिन. ठाकुर सेहाबि के सीने से लगाईके भेज दीहिन विधानसभा. पहिला दफा भाई कोई पलामू से तीर-धनुष लेके सटीक निशाना साध दीहिस, तो मंत्री रूपी पुरस्कारो ठाकुर साहिब के भेंटा गईस. मंत्री पद मिले के बाद नेताजी के साथे साथ उनके लग्गू-भग्गू में बउरईनी ढुक गईस. फिरो का हलई, जनता-जनार्दन के अब खटकईत है. लेकिन ठाकुर साहिब पूरा जोर लगाईले हैं. बाबू-भइया, नाना-मुन्ना, चचा-चाची, दादा-दाही बोलले गोड़ परिया कईले घूम रहिन हैं. ठाकुर साहिब के तनिका आभास हो गईस है कि पासा पलटियो सकईत हे, तो तनिका ज्यादा हांफे पड़ रहलई हे. लेकिन ई हे पलामू में एगो अईसन इलाका भी हई, जहां के पांकी में अभी कमल खिलल हई. अब देखिए, ईहां के एगो कुशवाहा जी पहिले से ही सीटिंग हथीन, लेकिन उनका धकियावे लगी एगो कोल्हान ब्रांड नेताजी आचानके अवतरित हो गेलथून है. जेने-तेने घूम-घूम के पहिलका वाले शिक्षा के दुकान चलावे नेताजी के टेंशन दे रहलथून हे. शिक्षा दुकान वाले कमल ब्रांड नेताजी जी के तनिका ज्यादा ही भाग-दौड़ करे पड़ रहलई हे. अब कोल्हान ब्रांड नेताजी के जवानी में पंजा लड़वईया पार्टिया के छात्र विंगवा में धमा-चौकड़ी मचावे के अनुभव तो था हीं, तो सोच लीहिन कि काहे न खुदे राजनीति में किस्मतवा आजमाईल जाए. वईसे पंजा छाप की राजनीति के बाद अचानके लुप्त हो गईन. फिर मधु के मजा लेवे लगे, तो कुछ उनके करीबी के रूप में खूबे ख्याति पाए. केस-मुकदमा भी झेले पड़ गिया. लेकिन का कहल जाए, साहिब गीत गईले फिरे लगे, जो है नामवाला वहीं तो बदनाम है. के्र ऊ सब से उबरे, लेकिन कोड़ा दंपत्ती का करीबी होवे का लेवल लगाईले घूमे लगे. दंपत्ती ला फील्ड सजाईते -सजाईते साहिब के दिमगवा में बइठ गईस कि जब ऊ लोग के पील्डवा सजाईए लेते हैं,. तो काहे न अपनेहुं लगी कुछ कईल जाए. बस पहिले मुफीद जगह तलाश लीहिन, अपन लग्गू-भग्गू लोगन के सहारे फील्ड भी तैयार कर लीहिन और पिछला दु महीना से पूरा इलाके के गींजे लगस हैं. वइसे ई नव अवतरित कुशवाहा महोदय चप्पा-चप्पा छान रहिन हैं. जेने-तेने छिछिया रहीन हैं. लोग के खूबे मददो कर रहीन हैं. पइसो पानी जईसन बहा रहीन हैं. खाद-बीच भी बंटवावे लगीन हैं. नेताजी अब कुशवाहा...फलाना जीके नाम से इलाका में वायरल हो रहे हैं. पोस्टर-बैनर से पूरा इलाके के पाट दीहिन हैं. खुद के कमल ब्रांड नेता घोषित करके पहिलका वाले कुशवाहा साहिब अउर शिक्षा के दुकान चालेवाला के पूरा टेंशन दे दीहिन हैं. अब देखिए आगे-आगे होता है क्या. ईहां तो दु गो कुशवाहा के टक्कर में कहीं सियारवन के चांदी न हो जाए. वईसे आवे वाला समय ही बताएगा कि किस कुशवाहा के अंटी में कितना ह दम. काहे कि ईहां टिकट हथियावे से लेकर चुनाव तक में अंटी ढीला करे पडेग़ी, ई तो तय है. वईसे ई कोल्हान ब्रांड कुशवाहा साहिब के लग्गू भग्गू लोगन गीत गईले है, ए भाई जरा देख के चलो, आगे-पीछे ही नहीं, ऊपर-नीचे भी देख के चलो.

चुनावी चकल्लस

चुनाव की तैयारियों को लेकर पुलिस अफसरों का प्रशिक्षण आज

वरीय संवाददाता।रांची

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड पुलिस को चुनावी मोड में लाने की तैयारी शुरू हो गयी है. झारखंड में आचार संहिता जल्द ही लग सकती हैं. इसे देखते हुए चार अक्टूबर (शुक्रवार) को सभी रेंज के डीआईजी और जिलों के एसपी के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. चुनाव आयोग के निर्देश पर धुर्वा स्थित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम दिन के 11 बजे से शाम के 5.15 बजे तक चलेगा. निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार और आईजी अभियान एवी होमकर पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे.

आयोग के मैनुअल के तहत प्रशिक्षण : विधानसभा चुनाव स्वच्छ, निष्पक्ष, भयमुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाना है. इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग नयी दिल्ली से जारी मैनुअल के तहत ही प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है. प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों को मतदानकर्मियों की सुरक्षा से लेकर बूथ की निगरानी तक की रणनीति से अवगत कराया जायेगा. उन्हें मतदान सामग्री की सुरक्षा, असामाजिक तत्वों, उपद्रवियों से निपटने के तरीके भी बताये जायेंगे. मतदाताओं को असुविधा न हो, उन्हें कोई मतदान से वंचित न कर पाये और कोई उन्हें अपने पक्ष में मतदान के लिए कोई दबाव बनाये, तो वैसे लोगों से कैसे निपटना है, इससे संबंधित बातों की जानकारी पुलिस अफसरों को दी जायेगी.

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने वाले पुलिस अधिकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईजी एवी होमकर, डीआईजी धनंजय सिंह इंद्रजीत महथा, अश्विनी कुमार सिन्हा, अनूप बिरथरे, सुनील भास्कर, संजीव कुमार, सुरेंद्र कुमार झा, चौथे मनोज रतन, वाईएस रमेश सहित सभी जिलों के एसपी, एसएसपी शामिल होंगे.

कोर्ट की खबरें

हाईकोर्ट का निर्देश- पूजा के दौरान अतिरिक्त महिला सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए

विधि संवाददाता।रांची

झारखंड के अलग-अलग जिलों में महिलाओं और स्कूली बच्चों समेत नाबालिग लड़कियों के साथ बढ़ते अपराध पर रोक के लिए दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. गुरुवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि प्रमुख जगहों पर सीसीटीवी कैमरा से मॉनिटरिंग की जाए, महिलाओं की आपातकाल में मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर का स्थानीय टीवी चैनल और अखबारों में विज्ञापन के जरिए प्रचार प्रसार किया जाए और सभी जगहों पर स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त किया जाए. वहीं अदालत ने दुर्गा पूजा को लेकर सरकार को पूजा पंडाल के आसपास अतिरिक्त महिला सुरक्षा बल की नियुक्ति करने और पिंक बसों के संचालन के समय को विस्तार देने का निर्देश दिया है. अब इस जनहित याचिका पर हाईकोर्ट 18 नवंबर को सुनवाई करेगा. हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता भारती कौशल ने इस संबंध में जनहित याचिका दायर की है. राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता गौरव कुमार ने इस मामले में पक्ष रखा. हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है.

पीएमएलए कोर्ट ने स्वीकार की पूजा सिंघल की याचिका

रांची। पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लांड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने मनरेगा घोटाले के जरिए अवैध कमाई करने और उन पैसों की मनी लांड्रिंग करने की आरोपी निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की याचिका स्वीकार कर ली है. दरअसल, पूजा सिंगल की ओर से याचिका दाखिल कर कहा गया था कि ईडी के पास कई ऐसे दस्तावेज हैं, जो अनुसंधान के क्रम में जब्त किए गए हैं. लेकिन न्यायालय में दाखिल चार्जशीट में उन दस्तावेजों का जिक्र नहीं किया गया था. पूजा सिंघल की ओर से इन दस्तावेजों का अवलोकन करने की अनुमति मांगी गई थी. जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है.

सुनील तिवारी के खिलाफ केस में हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के करीबी और उनके प्रेस सलाहकार रहे सुनील तिवारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न के केस में ट्रायल कोर्ट द्वारा चार्जफ्रेम किए जाने के आदेश पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. इसके बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. सुनील तिवारी की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में सुनवाई हुई. उनकी ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव और पार्थ जालान ने पक्ष रखा. गुरुवार को इस केस में दोनों पक्षों की ओर से अंतिम बहस हुई. बता दें कि खूंटी की एक युवती ने सुनील तिवारी पर दुष्कर्म करने और जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करते हुए गाली देने का आरोप लगाया है.

झारखंड व महाराष्ट्र के आरओ एवं एआरओ का जुटान

दो दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग का हुआ आयोजन

ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु व ट्रेनर.

संवाददाता।रांची

भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा उनके लिए ऑनलाइन माध्यम से दो दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग का आयोजन निर्वाचन सदन में किया गया. इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में झारखंड के साथ-साथ महाराष्ट्र के भी निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों को आयोग के प्रशिक्षकों ने चुनाव कराने संबंधी विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के मार्गदर्शन में राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्र के वैसे पदाधिकारी जिनके द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव हेतु विगत माह में ही प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया था परंतु, प्रशिक्षण के क्रम में आयोजित परीक्षा में काम अंक प्राप्त हुए थे.

इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों ने ऑनलाइन माध्यम से निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों को निर्वाचन के दौरान उनके कर्तव्यों एवं अधिकारों के विषय में बिंदुवार प्रशिक्षण दिया. साथ ही शांतिपूर्ण एवं त्रुटि रहित निर्वाचन कराने में आयोग के दिशा निर्देशों के अनुपालन संबंधित जानकारियां उपलब्ध कराई.

प्रशिक्षण सत्र में विगत में कम अंक प्राप्त करने वाले सभी पदाधिकारी उपस्थित रहें. वहीं मुख्य निर्वाचन कार्यालय से पदाधिकारियों के प्रशिक्षण में सहायता हेतु सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार, सिस्टम एनालिस्ट एस. एन. जमील सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे.

तैयारी पूरी पांच-छह अक्टूबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन गैस्ट्रोकॉन-24 का आयोजन

देशभर के 200 से अधिक पेट व लीवर रोग विशेषज्ञों का होगा महाजुटान

- इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी ने किया है राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन
- पेट, लीवर, आंत से संबंधित बीमारियों के इलाज की एडवांस तकनीक पर होगी चर्चा

संवाददाता।रांची

सम्मेलन के संबंध में जानकारी देते आयोजन समिति के सदस्य.

डोरंडा स्थित जैप-1 ऑडिटोरियम (शौर्य सभागार) में पांच-छह अक्टूबर को इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन गैस्ट्रोकॉन-24 का आयोजन किया जा रहा है. सम्मेलन में झारखंड के अलावा देश भर के प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट भाग लेंगे.अलग-अलग राज्यों से 200 से ज्यादा एक्सपर्ट इसमें शिरकत करेंगे. गुरुवार को प्रेस क्लब में ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. मनोहर लाल प्रसाद और ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. प्रणव मंडल, को-चेयरमैन डॉ. जयंत घोष ने बताया कि गैस्ट्रोकॉन-24 में पेट, लीवर, आंत जैसे रोगों के बारे विस्तार से चर्चा की जाएगी. किस बीमारी के इलाज में क्या-क्या नई एडवांस तकनीक आयी है, हम चिकित्सक मरीजों को कैसे और बेहतर चिकित्सा सुविधा दे सकें, इस पर आपस में जानकारी साझा करेंगे. कौन सी चिकित्सा पद्धति का इस्तेमाल दूसरे राज्यों में एक्सपर्ट डॉक्टर कर रहे हैं, झारखंड में किन एडवांसमेंट को एडॉप्ट कर यहां के मरीजों का अच्छा इलाज किया जा सके, इस पर हमारा फोकस होगा. डॉ. मनोहर लाल ने बताया कि मोटर डिस्फेजिया (खाना घोटने में दिक्कत), पैनक्रियाटाइटिस, लीवर ट्रांसप्लांट, पेट में पानी भर जाने पर नया इलाज क्या है, हेपेटाइटिस बी के बारे में नए इलाज आदि की जानकारी आपस में साझा की जाएगी. मौके पर डॉ. प्रणव कुमार मंडल, डॉ. मनोहर लाल प्रसाद, डॉ. जयंत घोष, डॉ. रवीश रंजन, डॉ. चंदन यादव, डॉ. संगीत सौरभ, डॉ. सतीश मिड्ढा, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. अनिकेत अग्रवाल और डॉ. अंतरिक्ष कुमार मौजूद थे.

सम्मेलन में देश भर के एक्सपर्ट डॉक्टर्स लेंगे हिस्सा

सम्मेलन में दिल्ली से डॉ. अनिल अरोड़ा, डॉ. पीयूष रंजन, डॉ. विकास सिंघला, चंडीगढ़ से डॉ. एसके सिन्हा, कोलकाता के डॉ. संदीप पाल, आईएलबीएस नई दिल्ली के डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. अमर मुकुंद, हैदराबाद के डॉ. जीवी राव, डॉ. कपिल शर्मा समेत अन्य एक्सपर्ट डॉक्टर बतौर वक्ता हिस्सा लेंगे. कांफ्रेस के दौरान लाइव सर्जरी के साथ-साथ बिहार-झारखंड के चिकित्सक पेट, आंत-लीवर की बीमारियों पर अपनी महत्वपूर्ण केस स्टडी और विशेष शोध प्रस्तुत करेंगे. कांफ्रेस में पहली बार लाइव वर्कशॉप का आयोजन होगा, जिसमें बिना चीर-फाड़ के एंडोस्कोपिक पद्धति द्वारा खाने में होनेवाली दिक्कत से संबंधित बीमारी, एक्लासिया कार्डिया का ऑपरेशन, पैंक्रियाज से संबंधित बीमारी, पैंक्रिएटिक सिंडोसिस्ट का ड्रेनज, ईआरसीपी द्वारा पित्त की नली के बड़े-बड़े स्टोन का स्पाई ग्लास द्वारा ऑपरेशन किया जाएगा. साथ ही पीजी स्टूडेंट्स की बेहतर भागीदारी व ज्ञानवर्धन के लिए गैस्ट्रोक्विज और पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन किया जा रहा है.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, शुक्रवार 04 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल 02, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 176 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

कोयला चोरी के आरोपों की जाँच करे सीबीआई : हाईकोर्ट

रांची: धनबाद में कोयला चोरी और इसमें पुलिस संलिप्तता की सीबीआई जांच का आदेश झारखंड हाईकोर्ट ने दिया है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने गुरुवार को फैसला सुनाया और इस मामले में प्रतिवादी बने सभी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ जांच करने का निर्देश सीबीआई को दिया है. इस मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद अदालत ने 27 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था.

टुंडी में मजदूर की संदेहास्पद हालत में मौत

टुंडी: टुंडी थाना क्षेत्र के बहेड़ा गांव के एक प्रवासी मजदूर की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई है. मौत की खबर से गांव में मातम पसरा हुआ है. बहेड़ा गांव के विकास महतो उम्र 26 वर्ष 12 सितंबर को टेंट बनाने के काम के लिए गांव के ही फागु मंडल ने लेकर गुजरात के सूरत शहर लेकर गया था. एक सप्ताह पहले उसकी तबीयत बिगड़ी थी. जिसे अस्पताल में इलाज के बाद उसे डेरा लेकर आया था लेकिन अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी व रात को उसकी मौत हो गई. मृतक के स्वजनों ने संदेहास्पद मौत की बात कर रहे हैं. मृतक की लाश शुक्रवार को टुंडी बेहड़ा गांव लाया जाएगा व अंतिम संस्कार किया जाएगा.

वृद्धा के साथ मारपीट थाने में प्राथमिकी

टुंडी : मनियाडीह थाना अंतर्गत जीतपुर पंचायत के परसबनी गांव निवासी पर्वत महतो अपने छोटे बेटे दुलाल महतो के साथ मिलकर अपने बड़े बेटे स्व.अमित महतो की विधवा पत्नी उषा देवी, उनकी मां लुखरी महताइन समधीन पर जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर देने का मामला सामने आया है. बताया जाता है कि लुखरी महताइन अपने समधी से पूछने गई थी कि उसकी बेटी को प्रताड़ित क्यों किया जाता है. उसके पति के हिस्से का जायदाद से भी बेदखल किया जा रहा है जो गलत है. इसी बात पर वृद्ध महिला 70 वर्षीय लुखरी महताइन पर जानलेवा हमला कर दिया गया.

बाउरी समाज ने निकाला कैंडल मार्च

निरसा बाजार। निरसा पुलिस के खिलाफ गुरुवार की शाम पंडरा गांव के ग्रामीणों ने हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कैंडल मार्च निकाला. ग्रामीणों का आरोप है कि एक माह पूर्व पांडरा के बाउरी टोला निवासी रोहित बाउरी नामक युवक की हत्या की गई थी. हत्या का आरोप सोमनाथ कुंभकार और दयामय कुंभकार पर लगाया गया था. घटना के एक माह बीत जाने के बावजूद पुलिस अभी तक दोनों आरोपियों को पकड़ नही पायी है. आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं. ग्रामीण पंडरा गांव से कैंडल मार्च निकाल कर निरसा चौक पहुंचे और आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर जमकर नारेबाजी की. कैंडल मार्च में सुमन्तो बाउरी, रंजीत बाउरी, वंदना बाउरी, शंकर बाउरी समेत बाउरी समाज के दर्जनों लोग शामिल हुए.

ग्रामीणों की लिखित शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं, विधानसभा चुनाव में मतदान बहिष्कार का एलान

ओबी डंप से दामोदर नदी किनारे लगे 3900 पौधे खत्म

- नदी के अस्तित्व पर संकट
- वन विभाग ने लगाए थे 12 लाख के पौधे

रनजीत कुमारसिंह

धनबाद। बीसीसीएल के भौरा इजे एरिया अंतर्गत चल रहे 4 ए पेच आउट सोर्सिंग द्वारा लगातार नदी किनारे ओबी डंप करने से दामोदर नदी का अस्तित्व खतरे में है. पर्यावरण व नदी के संरक्षण के मकसद से वन विभाग द्वारा लगाए गए करीब चार पौधे भी नष्ट हो गए. मामले की लिखित शिकायत जहाजटांड़ के ग्रामीणों ने बीसीसीएल प्रबंधन, जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी व जनप्रतिनिधियों को लिखित तौर पर दी बावजूद इसके आज तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई. इससे जहाजटांड़ के ग्रामीणों में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के प्रति काफी आक्रोश है. ग्रामीणों ने यहां तक कह दिया है अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो विधानसभा चुनाव में वोट का बहिष्कार करेंगे.

राजेश महतो

स्थानीय ग्रामीण राजेश महतो ने बताया कि आउट सोर्सिंग प्रबंधन द्वारा नदी से सटे इलाके में ओबी डंप करने के कारण बड़े- बड़े चट्टान व धूलकण आदि सीधे नदी में गिर रहा है. प्रबंधन की इस मनमानी के कारण दामोदर नदी का पानी पूरी तरह प्रदूषित हो गया है. नदी का अस्तित्व पर भी खतरा मंडराता दिख रहा है. यही नहीं वन विभाग द्वारा लगभग 12 लाख की लागत से लगाए गए 3900 पौधे भी पूरी तरह नष्ट हो गया है. उन्होंने कहा कि ओबी डंप से मानव जीवन को भी खतरा है क्योंकि जिस जगह ओबी डंप किया जा रहा है. वहां घाट होने के कारण प्रतिदिन ग्रामीणों का आना-जाना होता है. जिससे कभी भी कोई अनहोनी घटना घट सकती है.जिसकी जवाबदेही बीसीसीएल प्रबंधन,जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधियों की होगी.

मुंशी तुरी

वहीं मुंशी तुरी ने कहा कि आउट सोर्सिंग प्रबंधन की मनमानी का नतीजा जीव जंतु के साथ साथ जहाजटांड़ के ग्रामीणों को भी भुगतना पड़ेगा .क्योंकि नदी का पानी पूरी तरह दूषित हो गया है. इसे पीने से लोगों को गम्भीर बीमारियां भी हो सकती है .उन्होंने कहा अगर जल्द ओबी डंप नही रोका गया तो जहाजटांड़ के ग्रामीण विधानसभा चुनाव में वोट का बहिष्कार करेंगे.

किसके दबाव पर झमाडा ने कराया मुकदमा : यादव

झरिया। झरिया धर्मशाला रोड स्थित पुराना अग्रवाल धर्मशाला में गुरुवार को झरिया विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेताओं द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। भाजपा नेता उमेश यादव ने कहा, पुराने पाइपलाइन और मोटर को बदलवाने की बात करने वाली झरिया विधायक द्वारा पूरे पांच सालों तक जनता को पानी के लिए जद्दोजहद कराया। यादव ने आगे कहा, ?पिछले कुछ दिनों पूर्व भौरा के दो युवकों को वॉल्ब में छेड़-छाड़ करने के आरोप में कुछ लोगों ने पकड़ा था, जिसे भौरा पुलिस ने जांच पड़ताल कर छोड़ दिया था। बावजूद इसके झामड़ा के अधिकारी ने दूसरे दिन फिर से जोड़ापोखर में मामले की शिकायत दर्ज कराई। जब इस बात की जानकारी झमाड़ा के अधिकारी से ली गई, उन्होंने कहा कि उपर से दबाव है। अब तो झमाड़ा के अधिकारी ही बताएंगे कि किस उपर वाले के इशारे पर मामला दर्ज कराया गया था।

जयराम ने की डुमरी से चुनाव लड़ने की घोषणा

छह विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशी भी घोषित

खास बातें
- दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे जयराम
- घुसपैठियों से झारखंड के जनजातियों को खतरा

संवाददाता। धनबाद

जहां एक तरफ भाजपा, कांग्रेस, झामुमो जैसी बड़ी पार्टियां उम्मीदवारों के नाम को लेकर मंथन ही कर रही हैं, वहीं झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो जयराम महतो ने डुमरी विधानसभा से खुद चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी. धनबाद परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में जयराम ने झारखंड की छह विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी की घोषणा की. जिसमें डुमरी से जयराम महतो, जमुआ से रोहित कुमार दास, राजमहल से मोतीलाल सरकार, तमाड़ से दयमंती मुंडा, सरायकेला से प्रेम मार्डी एवं छतरपुर से प्रीति राज के नाम हैं. इसके साथ ही जयराम ने कहा कि वह दो विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे. दूसरे क्षेत्र की घोषणा आचार संहिता लागू होने से पहले कर दी जाएगी. डुमरी के अलावा बेरमो, मांडू, टुंडी एवं बाघमारा उनकी पसंद है. इन चार में से किसी एक विधानसभा से भी जयराम चुनाव लड़ेंगे. जयराम ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अबतक 69 आवेदन मिले हैं. पार्टी की कोशिश है कि झारखंड की 81 सीटों पर चुनाव लड़े. फिलहाल उन्होंने कहा कि उत्तरी छोटानागपुर की सभी 25 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे. इसके लिए सभी विधानसभा क्षेत्र में रायशुमारी की जा रही हैं. वर्तमान में 11 सदस्यों की टीम कोल्हान की सभी सीटों के लिए रायशुमारी कर रही है.

राज्य के मुद्दों पर चुनाव लड़ेगा मोर्चा

जेएलकेएम सुप्रीमो जयराम महतो ने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी राज्य के मुद्दों पर चुनाव लड़ेगी. खतियान के आधार पर स्थानीय नीति बनाने से लेकर, स्थानीय नियोजन नीति, विस्थापन आदि मुख्य मुद्दे रहेंगे. इसके साथ ही बांग्लादेशी घुसपैठिए भी चुनाव में मुख्य मुद्दा रहेगा. उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों से झारखंड की जनजातियों को खतरा है. जयराम ने कहा कि राज्य के पिछड़ों, दबे कुचले वर्ग के लोगों के लिए उन्होंने जो लड़ाई शुरू की थी, वह आगे भी जारी रहेगी. जाति समीकरण को लेकर उन्होंने कहा कि वह हर जाति को साथ लेकर चलेंगे. उनकी सात सदस्यीय संसदीय बोर्ड में सवर्ण, ओबीसी, अल्पसंख्यक सहित सभी वर्गों के लोग मौजूद हैं. बड़ी पार्टियों के साथ जाने के सवाल पर जयराम ने कहा कि उनसे सभी बड़ी पार्टियों ने संपर्क किया है लेकिन इस विधानसभा चुनाव में वह अकेले ही चुनाव लड़ेंगे. चुनाव के नतीजे आने के बाद आगे की रणनीति पर विचार होगा.

निरसा, सिन्दरी के झामुमो नेता भी संपर्क में

निरसा और सिन्दरी विधानसभा के कुछ झामुमो नेता ने जयराम महतो से टिकट के लिए संपर्क किया है. यह बात प्रेस वार्ता के दौरान जयराम ने कही. झामुमो नेताओं के जेएलकेएम का फॉर्म खरीदने का खुलासा सबसे पहले शुभम संदेश अखबार ने किया था, जिसपर जयराम ने खुद मुहर लगा दिया. मासस के भाकपा माले में विलय के बाद निरसा और सिन्दरी विधानसभा सीट पर माले की दावेदारी मजबूत हो गई है. ऐसे में चुनाव लड़ने की मंशा रखने वाले झामुमो नेता अपनी जमीन खिसकती हुई भांप कर जेएलकेएम का फॉर्म खरीद कर चुप्पी साधे हुए हैं.

बाबूलाल मरांडी ने कराया तीन विधानसभा में सर्वे

सेफ सीट की तलाश में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता। धनबाद

विधानसभा चुनाव 2024 का बिगुल दुर्गापूजा के बाद बजने की पूरी संभावना है. ऐसे में भाजपा और उसके नेता अपनी जीत में कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रहे हैं. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी अपने लिए इस बार सेफ सीट की तलाश कर रहे हैं. भाजपा सूत्रों के अनुसार उन्होंने दिल्ली की एक एजेंसी से तीन विधानसभा क्षेत्र में सर्वे कराया है. अपनी जीत सुनिश्चित देख कर ही वह उस सीट से चुनाव लड़ने के लिए पार्टी को प्रस्ताव भेजेंगे. सूत्रों के अनुसार उन्होंने मनिका, राजधनवार के साथ तमाड़ विधानसभा में सर्वे कराया है. एजेंसी द्वारा दिये रिपोर्ट का खुलासा तो नहीं हो सका लेकिन तमाड़ सीट पर उन्हें हार बताई गई है. ऐसी हालत में बाबूलाल मरांडी मनिका या राजधनवार में से एक सीट से चुनाव लड़ेंगे.

34 विस सीट की सूची केंद्र को भेजी गई

34 विधानसभा सीटों के लिए संभावित उम्मीदवारों की सूची प्रदेश प्रभारी सह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संसदीय बोर्ड को भेज दी है. भाजपा सूत्रों के अनुसार शिवराज सिंह ने झारखंड के 34 विधानसभा सीटों से संभावित उम्मीदवारों की सूची भाजपा संसदीय बोर्ड को भेज दिया है. जिसपर अंतिम मुहर बोर्ड की बैठक के बाद लगेगी. इन 38 सीटों में से कुछ सीटों के लिए संभावित एक नाम तो कई सीटों के लिए दो नाम सुझाए गए हैं. जिनमें से एक पर संसदीय बोर्ड को फैसला लेना है. सूत्र बताते हैं कि भाजपा अपनी पहली सूची दुर्गापूजा के दौरान ही जारी कर देगी. जिससे प्रत्याशियों को जनसंपर्क के लिए ज्यादा से ज्यादा समय मिल सके. जानकारी के अनुसार जिन विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों की सूची भेजी गई है. उनमें मनिका, दुमका, शिकारीपाड़ा, जामताड़ा, जामा, बेरमो, टुंडी, झरिया, धनबाद, बाघमारा, खूंटी, सरायकेला, जगन्नाथपुर, सिसई, घाटशिला, गुमला, राजमहल, गोड्डा, भवनाथपुर, गिरिडीह, बोकारो, चंदनकियारी, बरही, बरकट्ठा, नाला, पोड़ैयाहाट, सिन्दरी, लातेहार, मधुपुर, देवघर, गांडेय, जमुआ, सारठ एवं निरसा शामिल हैं.

धनबाद जिले में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं

भाजपा सूत्रों के अनुसार धनबाद जिले के छह विधानसभा सीटों पर ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है. सूत्रों की माने तो केंद्र को भेजी गई सूची में धनबाद विधानसभा से वर्तमान विधायक राज सिन्हा एवं पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल का नाम शामिल हैं. वहीं झरिया से रागिनी सिंह, सिन्दरी से तारा देवी एवं धर्मजीत सिंह, निरसा से अपर्णा सेनगुप्ता एवं गणेश मिश्रा, बाघमारा से शेखर सिंह एवं शत्रुघ्न महतो के नाम शामिल हैं.

गुलगुलिया विद्यालय की शाखा खोली जाएगी: अनिल पांडेय

धनबाद: प्रत्येक झोपड़ीनुमा घर में गुलगुलिया विद्यालय की शाखा योजना का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर गुलगुलिया विद्यालय के संस्थापक अनिल पाण्डेय ने कहा कि गुलगुलिया समुदाय के वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करने वाले स्कूल गुलगुलिया विद्यालय को असामाजिक तत्वों ने ध्वस्त कर दिया है । यह विद्यालय झरिया गुलगुलिया बस्ती में स्थित है। गुलगुलिया समुदाय के प्रत्येक घर में गुलगुलिया विद्यालय की शाखा खोली जाएगी। आज गुलगुलिया बस्ती झरिया में प्रथम शाखा खोली गई। इस योजना के तहत संबंधित बच्चों को शिक्षा संबंधित सारी सुविधाएं गुलगुलिया विद्यालय द्वारा प्रदान किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश डीजीपी वर्मा ने जवानों को दिया मोबाइल टॉयलेट

- ओपन जिम बनाने की घोषणा

संवाददाता। धनबाद

हिमाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक डॉ अतुल वर्मा ने गुरुवार को धनबाद पुलिस केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के तहत डॉ पीएन वर्मा फाउंडेशन के सौजन्य से मोबाइल टॉयलेट उपलब्ध कराया. उन्होंने जवानों की कठिनाईयों को देखते हुए एक मोबाइल टॉयलेट सहयोग के रूप में दिया ताकि विशेष परिस्थिति में बाहर ड्यूटी के दौरान किसी जवान को कठिनाई का सामना न करना पड़े. कहा कि जरूरत के मद्देनजर जल्द ही कई और मोबाइल टॉयलेट जवानों के लिए उपलब्ध कराये जाएंगे. डॉ अतुल वर्मा ने पुलिस जवानों को सेहतमंद रहने को कहा ताकि सभी जवान तत्परता के साथ जनता की सुरक्षा व सेवा कर सके. जवानों की सेहत को बेहतर बनाने की दिशा में पहल करते हुए ने डॉ पीएन वर्मा फाउंडेशन के सौजन्य पुलिस केंद्र में एक ओपन जिम बनाने की भी घोषणा की ताकि सभी जवान व्यायाम के जरिए खुद को फिट रख सके.मौके पर मौजूद एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन ने डॉ अतुल वर्मा का इस सहयोग के लिए आभार प्रकट किया और कहा कि पुलिस जवानों की समस्याओं को देखते हुए सुविधा के लिए भविष्य में और भी बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी.

खनन टास्क फोर्स ने गोविंदपुर के 2 हार्ड कोक भट्ठों में की औचक जांच

- भट्ठों में मिला 3500 टन कच्चा कोयला व 400 टन हार्ड कोक

धनबाद । जिला खनन टास्क फोर्स ने अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को गोविंदपुर थाना क्षेत्र के कापासरा, रतनपुर स्थित अलका इस्पात प्राइवेट लिमिटेड तथा देवली, जंगलपुर स्थित केशव कोक इंडस्ट्रीज में औचक जांच की. इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि उपरोक्त दोनों हार्ड कोक भट्ठों में औचक जांच की गई. जांच के क्रम में गणेश कुमार अग्रवाल के अलका इस्पात प्राइवेट लिमिटेड में लगभग 1500 टन कच्चा कोयला मिला. टीम ने उसके मुंशी सोनू अग्रवाल को कोयले से संबंधित परिवहन चालान, लाइसेंस, सीटीओ तथा अन्य कागजातों की मांग की. परंतु मुंशी कागजात दिखाने में असमर्थ रहा. दूसरी कड़ी में टीम ने गोविंदपुर थाना क्षेत्र के देवली, जंगलपुर में उमंग कुमार गुप्ता, पिता हेमंत गुप्ता के केशव कोक इंडस्ट्रीज में औचक जांच की. जांच के क्रम में यहां लगभग 2000 टन कच्चा कोयला एवं 400 टन हार्ड कोक मिला.

समारोह प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत विकास के प्रमुख संकेतकों में एक : प्रो. सुकुमार मिश्रा

आईआईटी आईएसएम में आईडीसी के छात्र चैप्टर का उद्घाटन

खास बातें
- ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और स्थायी विकास को बढ़ावा
- आईएडीसी के इतिहास और गतिविधियों पर भी हुई चर्चा

संवाददाता। धनबाद

आईएडीसी के साथ मिलकर ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और स्थायी विकास पर चर्चा

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में गुरुवार को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ड्रिलिंग कॉन्ट्रैक्टर्स (आईएडीसी) के छात्र चैप्टर का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया. इस अवसर पर देश और विदेश के विशेषज्ञों ने प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत में वृद्धि और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के बीच संतुलन पर चर्चा की.आईआईटी आईएसएम के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने कहा कि प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत विकास के प्रमुख संकेतकों में से एक है. हमें इसे स्थाई तरीके से करना होगा ताकि यह हमारी अगली पीढ़ी को प्रभावित न करे. हमें ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और स्थाई विकास पर ध्यान देना होगा. इस समारोह में आईएडीसी के इतिहास और गतिविधियों पर भी चर्चा हुई. यह आयोजन ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और स्थाई विकास पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करता है. आईआईटी आईएसएम के छात्रों को आईएडीसी के साथ जुड़ने का अवसर मिलेगा, जिससे वे ऊर्जा क्षेत्र में अपने करियर को आगे बढ़ा सकें. समारोह के अंत में आईआईटी आईएसएम के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने धन्यवाद दिया और कहा कि हमें उम्मीद है कि आईएडीसी के साथ यह सहयोग ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और स्थायी विकास को बढ़ावा देगा. वहीं डेनमार्क के आईएडीसी क्षेत्रीय निदेशक लार्स जॉर्जेनसन ने बताया कि आईएडीसी दुनिया भर में ड्रिलिंग उद्योग के लिए एक व्यापार संगठन है, जिसमें 800 कंपनियां हैं. आईएडीसी का उद्देश्य ड्रिलिंग उद्योग में नवाचार और सुरक्षा को बढ़ावा देना है. इस अवसर पर ओपी सिंह, नीलाद्री मित्रा और अरुण कार्ले ने भी अपने विचार व्यक्त किए. उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की.

शहाबुद्दीन हत्याकांड में प्रिंस-गोपी समेत चार के खिलाफ शिकायत

प्रिंस के पिता नासिर व बहनोई चिंकू के खिलाफ साजिश का आरोप

- शहाबुद्दीन के मोबाइल में कॉल कर रंगदारी मांगने की बात कही

संवाददाता। धनबाद

वासेपुर के जमीन कारोबारी शहाबुद्दीन हत्याकांड में प्रिंस खान, उसके भाई गोपी खान समेत चार के खिलाफ धनबाद थाने में शिकायत की है. इस मामले में प्रिंस के पिता नासिर खान और बहनोई चिंकू खान के खिलाफ भी आरोप लगाया गया है. मामले की शिकायत करते हुए शहाबुद्दीन सिद्दीकी के भाई मोइनुद्दीन अहमद ने कहा है कि भाई शहाबुद्दीन झरिया अपनी कार से गया था. उनके साथ उनका चालक सह भतीजा शेख गुलाब था. वापस लौटने के बाद नवाडीह में कार्यालय के समीप बाइक सवार तीन अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी. वारदात को अंजाम देकर तीनों अपराधी वहां से भाग गए. आरोप लगाया है कि इस वारदात के पीछे प्रिंस खान, उसके भाई गोपी खान ने फोन कर रंगदारी मांगी थी. वाट्सअप कॉल भी किया था. उन्होंने इस वारदात में प्रिंस खान के पिता नासिर खान और बहनोई चिंकू खान को भी साजिशकर्ता बताया है. पुलिस शिकायत के बाद अग्रेतर कार्रवाई में जुटी है.

चालक को साथ लेकर झरिया से लेकर घटनास्थल तक का निरीक्षण : शहाबुददीन हत्याकांड में पुलिस ने अनुसंधान के दौरान गुरुवार को वारदात के दिन की पूरी डिटेल जानकारी ली. यहां तक कि शहाबुद्दीन के भतीजे सह चालक गुलाब को पांडरपाला से लेकर झरिया गई. इसके बाद शहाबुद्दीन की हर गतिविधि को दुबारा से करने को कहा गया. यहां तक कि फिर उसे पुलिस घटनास्थल तक भी ले आकर पहुंची. हत्या की वारदात कैसे हुई, शूटर किधर से आए, किधर गए और अन्य सारी बातों को देखा गया. इसके बाद पुलिस ने उससे कई अन्य जानकारी भी ली है.

चालक का कॉल लॉग था डिलीट: वारदात के दिन शहाबुद्दीन के साथ मौजूद उनके चालक सह भतीजे के मोबाइल की भी पुलिस ने जांच पड़ताल की है. सूत्रों की मानें तो वारदात के दिन का मोबाइल का कॉल लॉग यानि आने-जाने सारे कॉल डिलीट थे. इस बारे में पुलिस गुलाग से पूछताछ कर रही है.

ब्रीफ खबरें

जिप सदस्य ने किया चाहरदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास

निरसा। एग्यारकुण्ड प्रखंड अंतर्गत वृंदावनपुर पंचायत के वृंदावनपुर गांव मे गुरुवार को जिला परिषद मद से गांव के शिव मंदिर के निकट चाहरदीवारी निर्माण का शिलान्यास जिला परिषद क्षेत्र संख्या 28 के ज़िप सदस्य बादल चन्द्र बाउरी द्वारा किया गया. कार्यक्रम में उप मुखिया बलराम रविदास, वार्ड सदस्य दिनेश हाड़ी, रोशन मिश्रा बादल गोस्वामी, रघु पांडे, अंजु चटर्जी, राजेन्द्र यादव, राजु चटर्जी, डमन गोसाई, हीरा मोदी, करण बाउरी, विनय बाउरी, सनोज रविदास, कृष्णा राय, दिनेश विश्वकर्मा, विश्वनाथ पांडे, सुनील बाउरी कृष्णा गोराई आदि ग्रामीण

तीस टन कोयला जब्त

तेतुलमारी: वेस्ट मोदीडीह कोलियरी में संचालित भूमि आउटसोर्सिंग पैच में गुरूवार की शाम क्यूआरटी की टीम व स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से छापामारी कर करीब तीस टन अवैध कोयला जप्त किया. छापामारी की भनक लगते ही धंधेबाज कोयला को छोड़कर मौके पर से भाग निकले. जप्त कोयले को सीआईएसएफ ने मशीन के माध्यम से उठाकर कतरास प्रबंधन को सौंप दिया. छापामारी में सीआईएसएफ के केके शर्मा,आरजी सिंह के अलावा तेतुलमारी थाना के सअनि बुद्धू उरांव आदि शामिल थे.

फंदे से लटक कर नाई ने की आत्महत्या

धनबाद। धनबाद थाना क्षेत्र के भेलाटांड़ मांझी बस्ती में रह रहे एक नाई ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली. मृतक का नाम रामाशीष शर्मा है, जो बिहार के शेखपुरा जिले के बरौना गांव का रहने वाला था. वह पिछले 25 वर्षों से भेलाटांड़ में किराये के मकान में रह रहा था. मृतक पुलिस लाइन स्थित कुमार हेयर कटिंग सैलून में कार्य करता था. विगत सप्ताह शनिवार को वह अपने गांव से धनबाद लौटा था. वह अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और चार बेटी छोड़ गया है. घटना की जानकारी उसके परिवार को दे दी गई है. पोस्टमार्टम के बाद शव को उसके गांव ले जाया जाएगा. गरीब परिवार होने के कारण उसके परिजन गांव से धनबाद आने में असमर्थता प्रकट किया है. स्थानीय लोग शव उसके गांव ले जाने की तैयारी में जुट गए हैं.

पंडाल के अंदर दिखेगा जंगल, बांग्ला रीति-रिवाज से होगी मां दुर्गा की पूजा, हलवा-खिचड़ी का भोग

भूली डी के पूजा पंडाल में उड़ती तितली का दीदार करेंगे श्रद्धालु

संवाददाता । भूली

भूली डी ब्लॉक (हॉस्पिटल ग्राउंड) पूजा पंडाल में इस वर्ष उड़ती हुई तितली की थीम पर बनाए जा रहे पूजा पंडाल में मां दुर्गा विराजमान होंगी. पंडाल में आकर्षक लाइट देखकर ऐसा लगेगा जैसे सचुमच तितलियां उड़ रही हो. पूरा पंडाल फाइबर का होगा. 50 फीट चौड़े एवं 45 फीट ऊंचे इस पंडाल के भीतर बनाई जानेवाली कलाकृति श्रद्धालुओं को अपनी और आकर्षित करेगी. पंडाल के भीतर जंगल दिखेगा. जंगल में हरे-भरे पेड़-पौधे होंगे, जिसमें तितलियां उड़ती नजर आएगी.

पंडाल का निर्माण 2.60 लाख की लागत से किया जा रहा है. पंडाल में विद्युत सज्जा और मां की प्रतिमा आकर्षक होगी.

यहां पूजा की शुरुआत वर्ष 1978 में सकलदेव सिंह, रामलखन कुशवाहा, विश्वनाथ सोनार, आनंद पाल, हीरालाल मुखर्जी, सनातन बाउरी ने की थी.

पूजा समिति के अध्यक्ष प्रिंस कुमार पासवान ने बताया कि यहां बांग्ला रीति-रिवाज से मां की पूजा होती है. पूजा के दौरान सप्तमी से दशमी तक हलवा और खिचड़ी का भोग मां को लगाया जाता है. मां का दर्शन करने वाले हर श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाता है. अष्टमी के दिन महाप्रसाद ग्रहण करने दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं.

खास बातें

- 2.60 लाख की लागत से बनेगा पूजा पंडाल
- विद्युत सज्जा और मां की प्रतिमा होगी आकर्षक

प्रिंस कुमार पासवान ने बताया कि पूजा का कुल बजट पांच लाख रुपए है. प्रतिमा निर्माण पर 25 हजार रुपए खर्च किया जा रहा है. विद्युत सज्जा पर 61 हजार की लागत आएगी.

पूजा कमेटी में ये हैं शामिल- अध्यक्ष प्रिंस पासवान, सचिव वासुदेव कुमार, कोषाध्यक्ष कपिल कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष दुलाल चंद डे, उपाध्यक्ष राजा कुमार, सावन कुमार, अशोक कुमार, उप-सचिव अभय कुमार, किशोर कुमार, उप कोषाध्यक्ष रोहित कुमार, लोबिन कुमार, संगठन मंत्री राजू दत्ता, राजू शुक्ला, अनिल प्रसाद, सुरेश कुशवाहा, प्रभाषचंद्र सिंह, गुरुपद बाउरी समेत अन्य.

मैथन में महिला सम्मेलन, महिलाओं के उत्थान का संकल्प

मैथन। मैथन के कालीपहाड़ी पंचायत भवन में गुरुवार को एनजीओ महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन मैथन ओपी प्रभारी आकृष्ट अमन एवं मुखिया बबलू चौधरी ने संयुक्त रूप से किया. सम्मेलन में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं. सम्मेलन में शामिल महिलाओं ने संगठित होकर महिलाओं के उत्थान करने और सामाजिक कार्यों में भाग लेने का संकल्प लिया. ओपी प्रभारी आकृष्ट अमन ने कहा कि महिलाएं यदि जागरूक होंगी तो घर परिवार के साथ-साथ समाज और देश का विकास होगा. इसलिए महिलाओं का शिक्षित होना जरूरी है. सम्मेलन में महिलाओं ने संगठित होकर महिलाओं के उत्थान का संकल्प लिया है, जो काबिले तारीफ है. उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में मुकाम हासिल कर रही हैं, जिस पर सभी को नाज है.

दुर्गा पूजा में विशेष गश्ती दल की रहेगी तैनाती

निरसा एसडीपीओ ने थाना-ओपी प्रभारियों को दिया निर्देश

खास बातें

- बैंकों के आसपास विशेष चौकसी बरती जाएगी
- भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र में पुलिस की होगी पेट्रोलिंग

संवाददाता । मैथन

निरसा अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना एवं ओपी प्रभारियों के साथ गुरुवार को एसडीपीओ रजत माणिक बाखला ने क्राइम मीटिंग की. इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों को दुर्गा पूजा से संबंधित कई दिशा निर्देश दिए गए. डीएसपी बाखला ने पत्रकारों को बताया कि निरसा अनुमंडल क्षेत्रों में दुर्गापूजा के दौरान विशेष गश्तीदल एवं बाइक गश्तीदल के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था कायम रखा जाएगा. इसके अलावा बैंकों के आसपास विशेष चौकसी बरती जाएगी.भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र में भी पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी हर समय गश्त लगाकर सुरक्षा का पूरा ख्याल रखेगी.जिससे शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण महौल में पूजा सम्पन्न कराया जा सके. एसडीपीओ ने बताया कि चोरी, डकैती, लूट सहित अन्य लंबित मामलों का निष्पादन के साथ-साथ दुर्गा पूजा एवं काली पूजा के दौरान शांतिपूर्ण तरीके से पर्व को संपन्न कराने एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने पर चर्चा की गई. उन्होंने कहा कि डीजे पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा. पूजा के दौरान अभद्र गाना का प्रयोग नहीं करने दिया जाएगा. बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मौजूद थे.

दुर्गा पूजा में उपद्रवियों पर पुलिस की रहेगी कड़ी नजर

पूजा समितियों को पंडालों में सीसीटीवी लगाने का आदेश

कतरास। दुर्गा पूजा को लेकर कतरास थाना परिसर में बुधवार को शांति समिति की बैठक हुई. थाना प्रभारी असित कुमार सिंह ने कहा कि पूजा के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगह-जगह पुलिस जवान तैनात किए जाएंगे. उन्होंने पूजा समितियों के पदाधिकारियों को अपने-अपने पंडालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने कहा कि विधि व्यवस्था बनाए रखने में मचार टावर कारगर रहेगा. पूजा के दौरान सोशल मीडिया पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी. लोगों से उन्होंने अफवाहों से बचने की अपील की. जो लोग अफवाह फैलाएंगे उनके खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी. पूजा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें. मेला में उपद्रवियों पर नजर रखने के लिए पुलिस सादे लिबास में तैनात रहेगी. डीजे बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा. बैठक का संचालन मो. शहाबुद्दीन ने किया. मौके पर बिजली विभाग के एसडीओ राकेश कुमार, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष अशोक प्रकाश लाल, मुन्ना सिद्दीकी, एतराम कुरैशी, जिप सदस्य जितेश रजवार, महेश पासवान, हरि अग्रवाल, प्रिंस शर्मा, मुकेश भट्ट, श्याम किशोर कल्लू, मानसिंह, बबलू बर्मन, एनुल हक, रघुनाथ हजारी, बिल्लू चटर्जी, विजय महाजन ,सुरेन्द्र प्रसाद, रामवचन पासवान, मो. अफसर आदि उपस्थित थे.

जनशक्ति दल प्रधान कार्यालय के समीप झाड़ियों में बम मिलने से सनसनी

खास बातें

- जमीन विवाद के बाद बढ़ा तनाव, खूनी संघर्ष की आशंका
- जन शक्ति दल और जदयू के बीच बढ़ रहा विवाद

संवाददाता । कतरास

जन शक्ति दल व जदयू समर्थकों में जमीन विवाद के बाद रामकनाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत 8 लाइन सड़क के किनारे जन शक्ति दल प्रधान कार्यालय जाने वाले मार्ग के झाड़ियों में गुरुवार को एक जिंदा बम मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई बम मिलने की खबर देखते ही देखते जंगल की आग की तरह फैल गई . मामले को लेकर लोग तरह तरह की चर्चा कर रहे हैं.खबर पाकर रामकनाली ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर मौके पर पहुंचे और बम को डिफ्यूज कर दिया. इसके बाद लोगों ने राहत की सांसें ली . बताया जाता है कि आठ लेन सड़क के किनारे दल के प्रधान कार्यालय जाने वाले मार्ग की झाड़ियों की साफ-सफाई दल के सुप्रीमो सूरज महतो के भाई के द्वारा करवाई जा रही थी. तभी साफ सफाई कर रहे मजदूरों झाड़ियों में बम देख कर लोगों को जानकारी दी. देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ लग गई. मालूम हो कि बीते दिनों ओपी इलाके के उदलबनी मौजा की जमीन को लेकर जदयू प्रदेश महासचिव दीपनारायण सिंह व जन शक्ति दल के सुप्रीमो सूरज महतो के समर्थकों के बीच मारपीट की घटना हुई थी. इस दौरान गोली चालन की बात कही जा रही थी. घटना के बाद एक ओर जहां दल के सुप्रीमो सूरज महतो ने जदयू प्रदेश महासचिव दीपनारायण सिंह उनके भतीजे सूरज सिंह, प्रिंस सिंह सहित अन्य पर हत्या के नियत से गोली चलने का आरोप लगाया था. वहीं दीप नारायण सिंह के भतीजे सूरज सिंह ने दल ने सूरज महतो को विशुद्ध रूप से क्रिमिनल बताते हुए कहा था कि खमारगोडा की जमीन के एवज में सूरज महतो उन लोगों से 50 लाख की रंगदारी मांगा रहे थे, नहीं देने पर जमीन का बाउंड्री वॉल तोड़ने व मारपीट की गई. बहरहाल मामला धीरे-धीरे धूल पकड़ता जा रहा है. दोनों पक्षों में एक दूसरे के खिलाफ तनाव कायम है. कभी भी दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष हो सकता है. इधर जिंदा बम मिलने के मामले में ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने कहां की जिंदा को जप्त किया गया है, तहकीकात पुलिस कर रही है.

जमीन विवाद को लेकर जदयू व जनशक्ति दल के समर्थकों में हुई थी भिड़ंत

बम मिलना हत्या की साजिश को पुष्ट कर रही है : सूरज महतो

जन शक्ति दल के सुप्रीमो सूरज महतो ने कहा कि हमने पहले ही अपनी हत्या की साज़िश होने की लिखित आवेदन पुलिस को दिया. अब मेरे कार्यालय के रास्ते में बम मिलना इस बात को पुष्ट कर रही है कि विरोधी मेरी हत्या की तैयारी में लग चुके हैं. कभी भी हमारी हत्या हो सकती है. पुलिस प्रशासन हमारी नहीं सुन रहा है लेकिन हम डरने वाले नहीं पूरे मजबूती के साथ जनता के साथ खड़े हैं. चाहे हमारी हत्या ही क्यों नहीं हो जाए.

झरिया में महाराजा अग्रसेन की जयंती धूमधाम से मनाई गई

संवाददाता। झरिया

झरिया मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गुरुवार को महाराजा अग्रसेन की जयंती धूमधाम से मनाई गई. अग्रसेन भवन झरिया में आयोजित जयंती समारोह में मारवाड़ी समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए. विधि-विधान से महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के बाद आरती की गई. इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया. यजमान की भूमिका में मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल थे. उन्होंने कहा कि महाराज अग्रसेन जी ने विश्व को न सिर्फ समाजवाद का संदेश दिया, बल्कि उसे जीवन में चरितार्थ करके भी दिखाया. वे अपने राज्य के हर प्रजा को व्यापार करने के लिए एक रुपये और घर बनाने के लिए एक ईट देते थे. प्रजा से वे कहा करते थे कि अपनी चिंता नहीं कर दूसरों की चिंता किया करें. दूसरों की चिंता करने से अपनी समस्याओं का समाधान खुद हो जाता है. उन्होंने कहा कि महाराज अग्रसेन जी की जयंती पर कई दिनों तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा. 5 अक्टूबर को मातृ सदन अस्पताल झरिया में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाएगा.

गोविंदपुर में महाराजा अग्रसेन की जयंती मनी

गोविंदपुर : मारवाड़ी सम्मेलन गोविंदपुर में श्री अग्रसेन स्मृति भवन में महाराजा अग्रसेन की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समाज के वरिष्ठ लोगों ने दीप प्रज्वलित कर और पुष्पांजलि अर्पित करते हुए महाराजा अग्रसेन जी की आरती की। समाज के प्रबुद्ध जनों ने महाराज अग्रसेन की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आगामी 2 नवंबर को दीपावली मिलन का कार्यक्रम धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। रामप्रसाद अग्रवाल को भाजपा किसान मोर्चा का प्रदेश सह कोषाध्यक्ष बनाए जाने का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी शंभूनाथ अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद सरिया, शरत दुदानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

खरखरी कोलियरी में 109 मजदूरों का धरना समाप्त

पूर्व विधायक अरुप ने की सीएमडी से वार्ता, मांगों पर बनी सहमति

- एक माह का बकाया वेतन दुर्गापूजा से पहले देने का आश्वासन

संवाददाता । मधुबन

गोविन्दपूर एरिया तीन के खरखरी कोलियरी में 109 मजदूरों के तबादले को लेकर चल रहे संयुक्तमोर्चा का आंदोलन गुरुवार को बीसीकेयू के केंद्रीय महासचिव सह जेबीसीसीआइ सदस्य अरूप चटर्जी की सीएमडी समीरण दत्ता के साथ हुई वार्ता के बाद समाप्त हो गया. पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को खरखरी कोलियरी पीट पर भूख हड़ताल पर बैठे मजदूरों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे बिहार कोलियरी कामगर यूनियन के केंद्रीय उपाध्यक्ष शेख रहीम को गोबिंदपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक जीसी साहा ने जूस पिलाकर भूख हड़ताल समाप्त करवाया. कहा जा रहा है कि अरूप चटर्जी के साथ सीएमडी की हुई वार्ता में 109 मजदूरों को तत्काल प्रभाव से महेशपुर कोलियरी में योगदान देने तथा योगदान देने के उपरांत मजदूरों के एक माह का बकाया वेतन का दुर्गापूजा से पहले भुगतान करने पर सहमति के बाद आंदोलन को समाप्त किया गया. मालूम हो कि बीते एक माह से मजदूर संयुक्तमोर्चा के नेतृत्व में इन्हीं उपरोक्त मांगो को लेकर कोलियरी पीट पर धरना के माध्यम से आंदोलन पर बैठे हुए थे.इस मौके पर महाप्रबंधक जीसी साहा ने कहा कि कोयला उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने के लिये खरखरी कोलियरी को एमडीओ मोड में देना कंपनी की वाध्यता थी,इसलिये मजदूरों का तबादला महेशपुर किया गया है.बाकी बचे 112 मजदूरों को आवश्यक सेवाओं के लिये फिलहाल खरखरी में रखा गया है1मौके पर कोलियरी पीओ,बिजय कुमार,प्रबंधक सोमेश देवाशी,मानस चटर्जी, हलधर महतो,हरि प्रसाद पप्पू आदि लोग शामिल थे.

30वीं जूनियर राष्ट्रीय थांग-ता चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे 14 सदस्य

झारखंड की थांग-ता टीम ग्वालियर के लिए रवाना

संवाददाता । धनबाद

झारखंड की 14 सदस्यीय थांग-ता टीम चंबल एक्सप्रेस से ग्वालियर के लिए रवाना हो गई. यह टीम आगामी 4 अक्टूबर से लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन ग्वालियर में आयोजित होने वाली 4 दिवसीय 30 वीं जूनियर राष्ट्रीय थांग-ता चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेगी. टीम में धनबाद के ऐश्वर्या प्रसाद, संचिता मुखर्जी, ज्योति कुमारी, प्रगति प्रिया, श्रेया प्रसाद रजक, आदित्या दास, युवराज कश्यप, रवि कुमार साव, साहिल सिंह, अमन कुमार, जनार्दन कुमार, रवि कुमार और पलामू के सोनम कुमारी तथा रेहान कादरी शामिल हैं. महिला कोच ममता कुमारी पांडे, सोनामोती कुमारी तथा कृष्णा कुमार साव टीम का नेतृत्व करेंगे. झारखंड थांग-ता संघ के अध्यक्ष रंजीत केशरी ने टीम को शुभकामनाएं दीं. यह चैंपियनशिप में झारखंड के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा और राज्य के लिए पदक जीतने की उम्मीद है.

राजकमल विद्यालय के 6 गतका खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर दिखाएंगे प्रतिभा

धनबाद। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वावधान में खेलो झारखंड के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय स्कूली एसजीएफआई खुली चयन ट्रायल प्रतियोगिता 2024-25 में राजकमल विद्यालय के 6 गतका खिलाड़ी ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए हैं. विद्यालय के प्राचार्य सुमन्त कुमार मिश्रा ने कहा कि हमारे विद्यालय के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया है. हमें उम्मीद है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे. चयनित खिलाड़ियों में पलक वर्मा, रणवीर ठाकुर, मिनमय दास, संजीव कुमार भारती, शुभम कुमार यादव और राजवीर ठाकुर शामिल हैं. ये खिलाड़ी दिसंबर में दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे. विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अधिकारी, सदस्य, प्राचार्य सुमन्त कुमार मिश्रा, उप प्राचार्या उमा मिश्रा, उप प्राचार्य मनोज कुमार और प्रभारियों ने छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है.

झारखंड पिकलबॉल टीम पानीपत के लिए रवाना

8वीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप में लेगी भाग

संवाददाता । धनबाद

झारखंड पिकलबॉल एसोसिएशन के सचिव प्रभात कुमार के नेतृत्व में 15 सदस्यीय टीम 4 से 6 अक्टूबर तक पानीपत में आयोजित होने वाली 8वीं राष्ट्रीय पिकलबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए रांची से रवाना हो गई. टीम में प्रचेता वर्मा, सुचेता वर्मा बालिका वर्ग में खेलेंगी, जबकि बालक वर्ग में जीगर विश्वकर्मा, आदित्य प्रजापति, दीपक कुमार, शशि कुमार, मो. जैद, सोनू कुमार, गौरव कुमार, रेहान अहमद, मो. साहिद, चंद्र देव प्रजापति, चंदन पंडित, अभय शर्मा, प्रिंस विश्वकर्मा और आयुष कुमार अपने अपने आयु वर्ग में खेलेंगे. झारखंड पिकलबॉल संघ के उपाध्यक्ष बी सुधीर ने बताया कि पिछले 21 और 22 सितंबर को गोल्फ ग्राउंड धनबाद में स्टेट चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पानीपत में आठवीं राष्ट्रीय पिकलबॉल प्रतियोगिता के लिए चयनित किया था. झारखंड पिकलबॉल संघ के अधिकारियों ने टीम को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि झारखंड के खिलाड़ी इस चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे.

मिर्जागंज-बदडीहा के भक्तों ने निकाली शोभा यात्रा

संवाददाता। जमुआ (गिरिडीह)

सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति मिर्जागंज बदडीहा के बैनर तले गुरुवार को मां दुर्गा की कलश स्थापना के मौके पर मिर्जागंज बाजार में भव्य नगर शोभायात्रा में हजारों की संख्या में माताएं, बहने, श्रद्धालु, भक्तगण, युवा, बच्चे एवं सभी अभिभावकगण धूमधाम से गाजे बाजे झंडे के साथ शोभायात्रा में भाग लिया. मिर्जागंज जगन्नाथडीह बदडीहा में पडने वाले सभी मंदिरों में जाकर के माथा टेका.

गौरतलब हो कि दुर्गा पूजा समिति मिर्जागंज-बदडीहा शारदीय नवरात्र के सभी दसों दिनों के लिए अलग-अलग दिवस में अलग-अलग कार्यक्रम का आयोजन निर्धारित है. शोभायात्रा का नेतृत्व सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष रंजीत कुमार साहू ने किया तथा पूजा कमेटी के सभी पदाधिकारीगण एवं स्वंय सेवक ने भाग लिया.

जिसमें मुख्य रूप से सचिव सदानंद साव, कोषाध्यक्ष संतोष साव, उपाध्यक्ष रंजन साहा, सुनील वर्मा, अशोक वर्मा, महामंत्री विजय साव, संरक्षक रामदास साव, रामचंद्र साव, भिखन साव, पंकज साव, अजय साव, डमरू साव, कुणाल साव, राजवीर साहा, राजेंद्र राम गुप्ता, प्रीयणशु साहा, मजीत कोठारी, नीरज साव आद मौजूद थे.

कलश स्थापना के साथ नवरात्र अनुष्ठान का हुआ शुभारंभ

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

प्रखंड के विभिन्न स्थानों में कलश स्थापना व ध्वजारोपण के साथ नव रात्र अनुष्ठान का शुभारंभ हो गया. प्रखंड स्थित काली मंडा गावां, दुर्गा मंदिर पिहरा, माल्डा, देवटन, बिरने, नगवां व जमडार में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मन्दिर में कलश स्थापन व ध्वजारोपण किया गया. साथ ही साथ दुर्गापूजन की भी तैयारी जोर शोर से की जाने लगी. मन्दिर परिसर में साफ सफाई व रंग रोगन को भी अंतिम रूप दे दिया गया है.

संध्या के समय मन्दिर में दीप प्रज्वलित के लिए श्रद्धालुओं की भाड़ी भीड़ देखी जा रही है. कुछ लोगों के द्वारा व्यक्तिगत रूप से भी अपने-अपने घरों में नवरात्र अनुष्ठान रखा गया है. गायत्री परिवार के द्वारा चिह्यूटिया व पिहरा में नवरात्र अनुष्ठान का आयोजन किया गया है. नवरात्र को लेकर क्षेत्र में चहल पहल का माहौल व्याप्त है.

शारदीय नवरात्र के पहले दिन निकली भव्य कलश यात्रा

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

शारदीय नवरात्र गुरुवार को शुरू हुआ. भक्त देवी दुर्गा की आराधना-पूजा में लीन हैं. इस विशेष अवसर पर गिरिडीह जिले के तिसरी के दुर्गा मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है. नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की आराधना से पूर्व कलश स्थापना की जाती है. बगैर कलश स्थापित किए मां के नौ रूपों की आराधना अधूरी मानी जाती है. तिसरी प्रखंड मुख्यालय स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंडप से गुरुवार को गाजे-बाजे के साथ भव्य कलशयात्रा निकाली गई. कलशयात्रा में 251 महिलाएं व युवतियां माथे पर कलश लेकर मुख्य सड़क से ब्लॉक मोड़, चौक होते हुए छठ तालाब पहुंची. पंडितों के मंत्र उच्चारण के बीच कलशों में जल भर गया. इसके बाद महिलाएं व अन्य श्रद्धालु जयकारा लगाते हुए वापस दुर्गा मंदिर प्रांगण पहुंचे. मंदिर की परिक्रमा के बाद कलश स्थापन हुआ.

कलश यात्रा में मनोज यादव, किशोरी साव, संजीत सिन्हा, प्रेम अग्रवाल, पंकज साह, राहुल यादव, मुकेश प्रजापति, अजय यादव, शंकर शर्मा, आर्यन सिन्हा, नितेश सिन्हा समेत अन्य श्रद्धालु शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

सड़क हादसे में स्कूटी सवार घायल

साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मदनशाही पेट्रोल पंप के समीप गुरुवार को सड़क हादसा में स्कूटी सवार युवक महाराजपूर निवासी गुड्डु अंसारी उम्र 22 गंभीर रूप से घायल हो गया. आसपास के लागों की मदद से 108 एंबलुंस से घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया. घायल के भाई मुन्ना अंसारी ने बताया कि गुड्डू साहिबगंज से स्कूटी से अपने घर लौट रहा था, तभी मदनशाही स्थित पेट्रोल पंप के पास स्कूटी असंतुलित होकर पलट गया.

ट्रक की चपेट में आने से बच्ची घायल, रेफर

साहिबगंज। गुरुवार को बरहेट थाना क्षेत्र के बरहेट लिट्टीपाड़ा मुख्य सड़क अंतर्गत कदमा लालमाटी स्थित ट्रक की चपेट में आने से 12 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गया. कदमा लालमाटी गांव के हरफान अंसारी के 12 वर्षीय पुत्री नसीमा खातून है. जानकारी के अनुसार उनकी बेटी सड़क किनारे पैदल घर की ओर जा रही थी, इसी दौरान दोनों और से ट्रक आ रहे थे. बरहेट से लिट्टीपाड़ा की ओर जा रहे ट्रक पीछे से ओवर ट्रेक करने के दौरान बच्ची ट्रक की चपेट में आ गया. जिससे बच्ची का दाहिना पैर गंभीर रूप से घायल हो गया. परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट लाया. जहां डॉक्टर चौधरी चंद्रशेखर प्रसाद चंद्र प्राथमिक उपचार किया. वहीं बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया. इधर घटनास्थल से ट्रक भाग गया. पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेठ पहुंच कर मामले की छानबीन में जुड़ गई है.

अवैध माइका खदान संचालन मामले में 3 पर केस दर्ज

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड के बेलाखुट्टा में अवैध माइका खदान संचालन मामले में वन विभाग ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है. गौरतलब है कि बीते मंगलवार को बेलाखुट्टा में अवैध माइका खदान का चाल धंसने से 2 नाबालिग की मौत हो गई थी. घटना के बाद पुलिस ने एक नाबालिग का शव भी बरामद कर लिया था . लेकिन दूसरे नाबालिग का शव बरामद नहीं हो पाया था. इधर, इस मामले में वन विभाग ने खदान संचालक बेलाखुट्टा निवासी रमेश यादव पिता राधे यादव, विकास यादव, पिता राधे यादव एवं बबलू यादव पिता राजकुमार यादव पर भारतीय वन अधिनियम धारा 33 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई है. इसकी पुष्टि वनपाल पवन चौधरी ने की है. कहा कि इसमें संलिप्त बाकी अन्य लोगों को भी चिन्हित कर लिया गया है. उसका भी नाम दर्ज किया जाएगा.

दिवंगत तीरंदाज को दी गई श्रद्धांजलि

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के सुदूरवर्ती चौड़ा गांव में दिवंगत बाल तीरंदाज दीपक कर्मकार के श्राद्धकर्म के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. दीपक कर्मकार राष्ट्रीय तीरंदाज करण कुमार कर्मकार के बड़े पुत्र थे. बीते दिनों अचानक दीपक की मौत कैंसर की चपेट में आने से हो गयी थी. इस दौरान श्रद्धांजलि सभा में गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो, प्रखंड प्रमुख नियोति दे, पूर्व जिप सदस्य विमल जायसवाल, लोकेश दे, शकुर अंसारी, घनश्याम महतो, रणदेव मुर्मू, नेपाल करमाली, सुनील कपरदार, डॉ जीतलाल महतो समेत अन्य दर्जनों लोगों ने दिवंगत तीरंदाज के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया.

रजिस्टर 2 की प्रमाणित प्रतिलिपि नहीं देने से लोग नाराज

तिसरी-गिरिडीह मुख्य सड़क पर धरना दे जताया विरोध

खास बातें

- तिसरी सीओ के खिलाफ की नारेबाजी
- थाना प्रभारी के समझाने के बाद हटा जाम

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

तिसरी अंचल के 32 मौजा के रजिस्टर 2 की प्रमाणित प्रतिलिपि नहीं देने से नाराज़ किसान जनता पार्टी के लोगों ने गुरुवार को तिसरी - गिरिडीह मुख्य सड़क को तिसरी प्रखंड मुख्यालय स्थित एफसीआई गोदाम के पास बीच सड़क पर ही धरने पर बैठ गए. हालांकि तिसरी थाना प्रभारी और सांसद प्रतिनिधि के समझाने पर वे लोग माने और आधे घंटे बाद जाम हटा दिया गया.

दरअसल किसान जनता पार्टी के द्वारा बीते 10 माह से तिसरी अंचल के 32 मौजा के पंजी 2 की प्रतिलिपि की मांग कर रहें हैं. इसको लेकर इनलोगों ने अंचल कार्यालय से नाजीर रशीद कटवाने के लिए शुल्क भी जमा कर दिया है बावजूद उसके विभाग अभी तक उन्हें पंजी 2 की प्रतिलिपि नहीं दे रहा है.

इसको लेकर किजपा की नीलम कुमारी, एकली हांसदा, पानो हेंब्रम, बिना बास्के समेत दर्जनों किसान जनता पार्टी के दर्जनों लोग मांदर व नगाड़े लेकर बीच सड़क पर ही बैठ गए. साथ ही तिसरी सीओ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की.

वहीं इसकी सूचना पर तिसरी के थाना प्रभारी रंजय कुमार और भाजपा जिला मंत्री मनोज यादव ने मौके पर पहुंच कर धरने पर बैठे लोगों को समझाया, जिसके बाद लोग माने और आधे घंटे के बादसड़क जाम हटाया गया. वहीं भाजपा जिला मंत्री मनोज यादव ने भी किजपा के इस मांग को जायज बताया है.उन्होंने कहा कि अंचलाधिकारी को रजिस्टर टू के पंजी दे देनी चाहिए.

वहीं सूत्र बताते हैं कि रजिस्टर टू की पंजी नहीं देने के पीछे भी एक बहुत बड़ा कारण है. सूत्रों का कहना है कि दरअसल जमीन को लेकर इतना घपला हुआ है कि रजिस्टर टू की पंजी सार्वजनिक होने पर कई कर्मचारी व पदाधिकारीयों का भेद खुल जाएगा. हालांकि यह तो जांच का विषय है.

इस बाबत तिसरी के सीओ अखिलेश्वर प्रसाद से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि कई लोगों ने अपनी भूमि संबंधित कागजात नहीं देने के लिए उन्हें लिखित आवेदन दिया है. वरीय पदाधिकारी के निर्देश के बाद पंजी 2 की प्रतिलिपि दे दी जाएगी.

सीजीएल परीक्षा रद्द कराने के लिए सड़क पर उतरे छात्र

साहिबगंज। हाल में ही जेएसएससी की ओर आयोजित सीजीएल की परीक्षा को तत्काल रद्द करने की मांग को लेकर राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत साहिबगंज में भी छात्र संगठनों ने आज बंद का आह्वान किया था. सुबह से ही विभिन्न छात्र संगठनों ने खासकर कॉलेज की कल्याण छात्रावास के छात्र नेताओं की अगुवाई में बड़ी संख्या में छात्र सड़कों पर उतरे और साहिबगंज के विभिन्न दुकानों और प्रतिष्ठानों को बंद करने का प्रयास किया. साहिबगंज कॉलेज के कल्याण छात्रावास से परंपरागत हथियारों एवं ढोल नगाड़ा के साथ छात्र सड़कों पर बंद करने उतरे. कॉलेज रोड, रेलवे स्टेशन परिसर, पटेल चौक और चौक बाजार इलाके में भ्रमण कर आंदोलनकारी छात्र विभिन्न खुले दुकानों और प्रतिष्ठानों को बंद करा दिया. इस दौरान आंदोलनकारी छात्रों ने सरकार के विरोध में नारे भी लगाए गए. छात्र नेताओं का आरोप था कि जेएसएससी के द्वारा हाल में आयोजित सीजीएल की परीक्षा में गड़बड़झाला की गई है. वहीं छात्र आंदोलन को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और चौकन्ना रही. नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता की अगुवाई में पुलिस बल लगातार आंदोलनकारी छात्रों के साथ डटे रहे.

अड़वार जमीन पर अतिक्रमण, ग्रामीणों ने किया विरोध

बिरनी (गिरिडीह)। बिरनी प्रखण्ड के अरारी पंचायत अंतर्गत मरकोडीह में गुरुवार को चमन नायक एवं ग्रामीणों के बीच जमीन विवाद को लेकर नोंकझोंक हो गई . ग्रामीण जागेश्वर साव, विष्णु साव, कैलाश साव, काशी साव, नंदो राम एवं काली राम ने बताया कि मरकोडीह मौजा के खाता न. 22/47 प्लॉट न. 200/807 रकवा 68 डिसमिल ग्रामीणों का अड़वार की जमीन है, जिसमें पूर्वजों के समय से जानवर चरते थे. इसी जमीन में छठ पूजा में पूरे गांव के लोग अपना डलिया रखते हैं, लेकिन चमन नायक फर्जी पट्टा बनाकर अपना जमीन बता रहा रहा है. यह समुदायिक जमीन से जो ग्रामीणों के काम आता है, बच्चे खेलते हैं. चमन नायक रात के अंधेरे में उस ज़मीन पर ट्रक्टर से हल जोत कर कुर्थी बुन दिया. जब ग्रामीण सुबह उधर गए तो देखा उसमें हल जोता हुआ है. देखते ही देखत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जुट गए. ग्रामीणों ने बताया कि उस जमीन पर पूजा अर्चना कर पिंडा बनाया था एवं ध्वज लगया था, उसे भी चमन नायक ने तोड़ दिया, जिससे पूरे ग्रामीणों में रोष है. इधर चमन नायक ने बताया कि यह मेरा अपना जमीन है. जिसमें एसडीएम कोर्ट से मुझे आदेश प्राप्त है. हलांकि घटना की सूचना पर थाना प्रभारी आकाश भारद्वाज मौके पर पहुंचे एवं मामले को शांत करवाया. प्रभारी भारद्वाज ने बताया कि मामला से सीओ को अवगत करवा दिया गया है. उन्हें नोटिस देकर कोई काम करने से मना किया जाएगा.

बेरमो विधायक ने पुल निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

कथारा। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने बेरमो विधानसभा क्षेत्र के पेटरवार प्रखंड अंतर्गत चांपी पंचायत के अम्बाटोला फुटबॉल ग्राउंड और कथारा केप्टिव पावर प्लांट के बीच दामोदर नदी में मुख्यमंत्री ग्राम सेतु मद से उच्च स्तरीय पुल निर्माण का शिलान्यास बुधवार को विधिवत रूप से किया. जहां सर्वप्रथम पूजा अर्चना की गई, उसके उपरांत बेरमो विधायक ने शिलान्यास किया . जहां बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने चांपी पंचायत में अपने द्वारा किए विकास कार्य की उपलब्धियों को गिनाया. साथ ही साथ झारखंड राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विकास कार्य की उपलब्धियों को गिनाया और राज्य की महिलाओं को सशक्त बनाने में किए कार्य और मंईयां सम्मान योजना पर भी हर्ष जताया. जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय पुल 14 करोड 90 लाख की लागत से निर्माण कार्य पूर्ण किया जायेगा. मौके पर चांपी पंचायत की मुखिया रीता देवी, जिला परिषद माला कुमारी, सीताराम मूर्मू, पूर्व मुखिया श्री राम हेम्ब्रम, आनंद मुर्मू सहित गोपीनंद मुर्मू, युवा नेता विजय महतो, वार्ड सदस्य बिंदेश्वर मुर्मू, कांग्रेस पंचायत अध्यक्ष सीताराम मुर्मू, नारायण यादव, बेरमो विधायक प्रतिनिधि विल्सन फ्रांसिस उर्फ बबलू, खेतको पंचायत मुखिया शब्बीर अंसारी सहित अन्य लोग थे.

बीएकेएस ने मौन जुलूस निकाल दिया हड़ताल का नोटिस

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ द्वारा 19 अक्टूबर को आहूत हड़ताल के परिप्रेक्ष्य में गुरुवार को मौन जुलूस निकाल कर हड़ताल का नोटिस दिया. बीएकेएस ने इसके लिए पहले मुँह पर अँगुली रखकर मौन जुलूस निकाला तथा प्रशासनिक भवन के सामने आकर औद्योगिक संबंध विभाग के सहायक महाप्रबंधक मो. आरिफ हुसैन को हड़ताल का नोटिस सौंपा. इसके साथ ही हड़ताल नोटिस की प्रति उप मुख्य श्रम आयुक्त (कें.) धनबाद, सीएलसी, डीसी, एसपी को भी भेजा गया. गौरतलब है कि सेल कर्मियों का बोनस फॉर्मूला शुरु से विवादित रहा है. मात्र तीन यूनियनों के हस्ताक्षर से कठिन गणितिय फॉर्मूला को सेल प्रबंधन द्वारा जबरदस्ती लागू किया गया. जिसके आधार पर अधिकतम 28000 रुपया बोनस राशि ही बन रही थी, चाहे प्रोडक्शन तथा मुनाफा कितना भी हो. बोनस फॉर्मूला निरस्त करने को लेकर बीएकेएस ने कई बार पत्राचार किया था. विगत 28 सितम्बर को विशाल मशाल जुलूस भी निकाला था.

गोड्डा के कई खिलाड़ी रांची रवाना

गोड्डा। खेलो झारखंड राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वॉलीबाल, ताइक्वांडो, तीरंदाजी के खिलाड़ी रांची रवाना हुए. प्रतियोगिता 4 और 5 अक्टूबर को खेलगांव रांची में आयोजित होनी है. ताइक्वांडो में हिमांशु राज, आसिफ इकबाल, पवन कुमार महतो, रौशन ठाकुर को शामिल होना है. कोच अभिमन्यू कुमार ने बताया कि ये चारों खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक के प्रबल दावेदार हैं. तीरंदाजी की कोच नीलम कुमारी ने बताया कि पहली बार गोड्डा से तीरंदाजी स्पर्धा में बच्चे भाग लेने जा रहे हैं, लेकिन बच्चों में आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं है. निश्चित ही अच्छा परिणाम आएगा. वॉलीबाल बालक के अंडर 17 आयु वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय ग्राम विश्वासखानी के बच्चे अपनी दावेदारी पेश करेंगे. दूसरी तरफ अंडर 19 आयु वर्ग में जयनारायण उच्च विद्यालय के बच्चे अपनी दावेदारी पेश करेंगे. खिलाड़ियों के साथ मैनेजर के रूप में शारीरिक शिक्षा शिक्षक सह भारोत्तोलन के राष्ट्रीय खिलाड़ी धर्मेंद्र साह भी हैं. उन्होंने कहा कि निश्चित ही तीनों स्पर्धा में मेडल की उम्मीद है. खिलाड़ियों को शुभकामना देने हेतु शारीरिक शिक्षा शिक्षक सनी भारती, नीरज कुमार सिंह, अनंत कुमार यादव, सुशील सिंह, अजय कुमार राय, महानंद यादव, संजीव रंजन, किशोर ठाकुर, जहीर आलम, गौतम कुमार उपस्थित थे.

दो दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता का समापन

ललमटिया। एएफसी क्लब बडा सिमडा द्वारा आयोजित 40वां दो दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता का फाइनल मैच गुरुवार को खेला गया. बडा सिमडा के फुटबॉल मैदान में आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता का समापन गुरुवार देर संध्या हुई. प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया. प्रतियोगिता का फाइनल मैच जेजेएफसी सुंदरपहाड़ी की टीम व एसएससी महगामा की टीम के बीच खेला गया. जिसमें एसएससी महगामा की टीम ने जेजेएफसी सुंदर पहाड़ीपहाडी की टीम को पराजित कर खिताब पर कब्जा कर लिया. विजेता टीम को पूर्व मंत्री हेमलाल मुर्मू ने एक लाख पचास हजार नगद राशि देकर पुरस्कृत किया. वहीं उप विजेता टीम को राजमहल परियोजना के जीएम ओपी सतीश मुरारी ने एक लाख बीस हजार नगद राशि देकर पुरस्कृत किया. प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहे एफसी बड़हरवा की टीम को सांसद प्रतिनिधि सुबल मंडल ने पच्चीस हजार नगद राशि देकर सम्मानित किया तथा चौथे स्थान पर रहे एफसी रांची की टीम को भाजपा नेत्री अनिता सोरेन ने पच्चीस हजार नगद राशि देकर सम्मानित किया. मैन ऑफ द मैच के खिलाडी को पंसस कंचन देवी तथा मैन ऑफ द सीरीज प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को मुखिया सुशीला भेंगरा तथा वेस्ट गोल कीपर को 20 सूत्री अध्यक्ष सुनील मरांडी ने संत्तावना पुरस्कार देकर सम्मानित किया. फुटबॉल प्रतियोगिता में दर्शकों के मनोरंजन हेतु वेस्ट बंगाल मालदा के कलाकारों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किया.

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने चलाया पौधरोपण अभियान

संवाददाता। बोकारो

वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने अपने सियालजोरी, बोकारो स्थित प्लांट परिसर के अंदर और बाहर स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत विभिन्न पहल की है. वेदांता ईएसएल के 50 कर्मचारियों ने प्राथमिक विद्यालय, अलकुशा में स्वच्छता और पौधरोपण अभियान में स्वेच्छा से भाग लिया. आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छता की शपथ ली तथा पर्यावरण को हरा-भरा बनाने का प्रण लिया. जिसमें मुख्य अतिथि फिलमून बिलुंग , रोहित रजक, बबलू चौबे, श्यामली मिंज, अमल घोष तथा कुणाल दरिपा शामिल थे. इस आयोजन में एक पेड़ माँ के नाम पौधरोपण अभियान के तहत विद्यालय प्रांगण व आसपास 100 से अधिक पौधे लगाए गए. सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा ने संयंत्र और उसके आसपास स्वच्छता ही सेवा अभियान की पहल पर कहा कि हम वेदांता ईएसएल में स्वच्छता में दृढ़ता से विश्वास करते हैं. स्वच्छता अब वेदांता ईएसएल संस्कृति का हिस्सा है और हमें इस पर गर्व है.

डीपीएस की प्रधानाध्यापिका समेत दो शिक्षिकाओं को 'गार्गी मंजु सम्मान'

संवाददाता। बोकारो

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो की प्रधानाध्यापिका डॉ. सरिता गंगवार व प्राथमिक इकाई की वरीय शिक्षिका पिया रानी सेन को प्रतिष्ठित गार्गी मंजु शिक्षक सम्मान-2024 से नवाजा गया है. रांची के टेंडर हार्ट स्कूल में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन, दक्षिणी छोटानागपुर के आईजी अखिलेश कुमार झा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति बीपी सिन्हा व टेंडर हार्ट स्कूल के चेयरमैन सुधीर तिवारी ने दोनों शिक्षिकाओं को सम्मानित किया.

टेंडर हार्ट स्कूल की संस्थापक गार्गी मंजु की स्मृति में आयोजित उक्त समारोह में झारखंड, बिहार, ओडिशा व पश्चिम बंगाल के 110 विद्यालयों के 225 शिक्षकों को सम्मानित किया गया. उन्हें 11 हजार रुपए नकद, स्मृति-चिह्न, प्रशस्ति पत्र व पदक देकर सम्मानित किया गया. अतिथियों ने भारत को विश्वगुरु बनाने में शिक्षकों के योगदान को सर्वोपरि बताया.

डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार ने गुरुवार को स्कूल की उक्त दोनों शिक्षिकाओं को इस विशेष उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं. वहीं, सम्मानित की गईं शिक्षिकाओं ने इस उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए कहा कि इससे उन्हें और बेहतरी के साथ काम करने की प्रेरणा मिलेगी. उल्लेखनीय है कि गत वर्ष विद्यालय की वरीय शिक्षिका फरजाना गजाला नीलू, डॉ. रीमा गुप्ता व शिक्षक अमित कुमार सिंह को उक्त प्रतिष्ठित सम्मान मिला था.

मिर्जागंज की दुर्गापूजा: साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल

129 साल पुरानी परंपरा, मुस्लिम जमींदार ने शुरू की थी पूजा, लगता है भव्य मेला

प्रमोद गुप्ता। जमुआ (गिरिडीह)

साम्प्रदायिक सौहार्द की मिशाल है मिर्जागंज की दुर्गापूजा. यहां पर मुस्लिम जमींदार ने 129 साल पहले पूजा शुरू कराई थी. इस अवसर पर भव्य मेला लगता है.

जानकारी के मुताबिक जमुआ प्रखंड के मिर्जागंज में वर्ष 1895 में ख्वाजा मिरनजान नें अपने क्षेत्र व हिन्दू श्रद्धालुओं के लिए पूजा कराई थी . शुरुआती दौर में मिट्टी का पिंड और खपड़ैल नुमा मंदिर का निर्माण कराया गया था. पूजा में मुस्लिम जमींदार का देख देख और खर्च से किया जाता था. पूजा की जिम्मेवारी बदडीहा के भूमिहार को दी गई थी, तब से आज तक भूमिहार समाज के लोग पूजा में बैठते हैं.

बताया जाता है यहां कलश स्थापना से ही बलि देने की प्रथा रही है. जमींदारी प्रथा समाप्त होने के बाद स्थानीय ग्रामीणों एव आस पास के लोगों के सहयोग से पूजा किया जाने लगा, लेकिन बाद में भव्य रूप से पूजा का आयोजन किया जाने लगा .

यहां मांगी गई हर मन्नतें होती है पूरी

यहां दूर दूर से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं और विधि विधान से पूजा करते हैं. गंगा- जमुनी तहजीब के मुरीद जमींदार ने पूजा के आयोजन में हर संभव सहयोग किया ,लिहाजा आज भी जमींदार की विरासत को मुस्लिम परिवार के लोग पूजा में लगने वाले मेला का शोभा बढ़ाते हैं.

बताया जाता है पहले इस मंदिर में भैसा, भेड़, बकरे की बलि दी थी, पर वर्ष 1952 - 53 में स्थानीय वैश्य समाज ने भैसे की बलि बंद करने का आग्रह ख्वाजा इफ्तिखार जान व ख्वाजा इतरतजान से की, तब से भैसा बलि बंद कर दी गयी.

वर्ष 2009 में मंदिर का भव्य रूप उद्योग पति मोहनलाल साव ने दिया. तब से आज तक उद्योगपति मोहन लाल साव के द्वारा बढ़ चढ़ कर खर्च वहन किया जा रहा है. लोगों की मान्यता है कि यहाँ मांगी गई मन्नतें पूरी होती है. जो प्रखंड ही नहीं पूरे जिला का गौरव है.

दुर्गापूजा समिति गठित

दुर्गापूजा सम्पन्न कराने के लिए समिति का गठन किया गया. जिसमें अध्यक्ष रंजीत कुमार साव, सचिव सदानंद प्रसाद साहू, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार साव, ड्रेस कोड दाता अशोक वर्मा, संदीप वर्मा, उपाध्यक्ष रंजन कुमार साह, व्यवस्थापक राजेश कुमार साहू, संरक्षक राजेन्द्र राम गुप्ता व नीरज कुमार गुप्ता, मीडिया प्रभारी पंकज कुमार साव के अलावे कमिटी में कई सदस्य शामिल हैं.

डाक सज्जा के लिए अग्रिम बुकिंग

आस्था का केंद्र इस मंदिर में दुर्गा जी के डाक सज्जा देने वालों के लिए अग्रिम बुकिंग होती है. इस बाबत समिति के अध्यक्ष रंजीत कुमार साव ने बताया कि वर्ष 2065 तक डाक देने वालों के लिए बुक हो चुका है. बताया कि यहां कलश स्थापन के बाद से ही कार्यक्रम आयोजित की जाती है, जिसमें देश के कई राज्यों के कलाकार आकर यहां कार्यक्रम का शोभा बढ़ाते हैं.

ब्रीफ खबरें

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक

कतरास। दुर्गा पूजा को लेकर कतरास थाना परिसर में बुधवार को शांति समिति की बैठक हुई. थाना प्रभारी असित कुमार सिंह ने कहा कि पूजा के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगह-जगह पुलिस जवान तैनात किए जाएंगे. उन्होंने पूजा समितियों के पदाधिकारियों को अपने-अपने पंडालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया. साथ ही उन्होंने कहा कि विधि व्यवस्था बनाए रखने में मचार टावर कारगर रहेगा. पूजा के दौरान सोशल मीडिया पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी. लोगों से उन्होंने अफवाहों से बचने की अपील की. जो लोग अफवाह फैलाएंगे उनके खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी.

एरिया-7 में बड़ा खाना आयोजित

पुटकी। पुटकी कैंप परिसर एरिया -7 में गुरुवार को बड़ा खाना का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि जियलगोड़ा सेक्टर के कमांडेंट भूपेंद्र सिंह को बुके देकर स्वागत किया गया. सभी अतिथियों का स्वागत एरिया कमांडर भूपेंद्र सिंह और उप कमांडेट ध्रुव प्रताप सिंह ने किया. बड़ा खाना में उप कमांडेंट विवेक आनंद चौधरी, आसूचना प्रभारी सहायक कमांडेंट एल गौतम, सहायक कमांडेंट भरत यादव, सहायक कमांडेंट सी विग्नेश, मैनेजर अभिराज कुमार, मुख्य चिकित्सा प्रभारी और बीसीसीएल के अधिकारी शामिल हुए.

अग्रसेन जयंती पर डांस प्रतियोगिता का आयोजन

चिरकुंडा। चिरकुंडा मारवाड़ी महिला समिति की ओर से गुरुवार को शाखा भवन में अग्रसेन जयंती मनाई गई. इस अवसर पर बच्चों के बीच फैंसी ड्रेस व डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में 25 बच्चों ने भाग लिया. सफल बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया. मौके पर शाखा अध्यक्ष सीमा अग्रवाल, भगवती रुंगटा, ललिता अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, रेणु अग्रवाल, सुमित्रा अग्रवाल, कुसुम खरकिया समेत समिति से जुड़ी अन्य महिलाएं मौजूद थीं.

दो दुकान पर चोरों का हमला लाखों का सामान लेकर भागे

संवाददाता। गोमो

गोमो के सदानंद झा रेलवे मार्केट में बुधवार की रात चोरों ने दो दुकानों पर हमला किया। मंडल रेडीमेड ड्रेसेस नामक कपड़ा की दुकान और उसके बगल अरविंद साव की साइबर दुकान में घुसकर सात हजार नगद और लगभग तीन लाख रुपये के कपड़े चोरी कर लिए गए। गुरुवार की सुबह दुकानदार प्रवीण कुमार मंडल ने दुकान खोली तो चोरी की घटना की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि दुकान के अंदर कपड़े बिखरे हुए थे और पिछवाड़े की दीवार में बड़ा छेद बना था। चोरों ने दीवार की ईंटें निकालकर बड़ा छेद बनाया और दुकान में घुस गए। चोरों ने कीमती कपड़े जैसे पेंट, टी-शर्ट, गंजी, लेडीज सूट, साड़ी, जेकेट आदि चोरी कर लिए। दुकानदार ने बताया कि दुर्गा पूजा के लिए दुकान में कीमती कपड़े लाए गए थे, जो चोरों के हाथ लग गए। उन्होंने अनुमानित बताया कि लगभग चार लाख रुपये की चोरी होने की आशंका है। साइबर संचालक अरविंद कुमार ने बताया कि दुकान के ड्रावर में आठ हजार रुपये नगद रखे थे, जो चोरों के हाथ लग गए। सूचना मिलने पर हरिहरपुर थाना प्रभारी गिरधर गोपाल सदन बोल और उनकी टीम पहुंची और दुकान की पड़ताल कर जायजा लिया। मार्केट के चौकीदार और मार्केट के लोगों से पूछताछ कर जांच में जुटी है।

कतरास में बाइक चोरी, शिकायत दर्ज

कतरास : कतरास थाना क्षेत्र के देवग्राम निवासी छोटेलाल महतो की हीरो स्प्लेंडर बाइक (काले रंग की), जिसका नंबर जेएच10बीजी 3775 है, बदानी स्वीट्स के बगल से चोरी हो गई। यह घटना उस समय हुई जब भुक्तभोगी राजगढ़िया मेडिकल्स के समीप अपनी बाइक खड़ी कर सामान खरीदने गया था। भुक्तभोगी ने कतरास थाने में लिखित शिकायत दी है कि जब वह वापस लौटा, तो उसकी बाइक गायब थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी बाइक को सुबह लगभग 10 बजे खड़ी की थी और जब वह दोपहर लगभग 12 बजे वापस लौटे, तो उनकी बाइक वहां नहीं थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बदानी स्वीट्स के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

ममता कुंज, महुदा में नवरात्रि पर मां दुर्गा की पूजा आरंभ

संवाददाता। महुदा

महुदा, कंचनपुरः झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संस्थापक एवं न्यायपीठ बाल कल्याण समिति बोकारो के चेयरपर्सन शंकर रवानी ने अपने आवास में कलश स्थापना के साथ मां दुर्गा की पूजा प्रारंभ की। पूरे विधि-विधान के साथ पुरोहित कैलाश पाण्डे द्वारा कलश स्थापना की गई। आज से नौ दिनों तक शंकर रवानी और उनकी धर्मपत्नी ममता रवानी मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना करेंगे। महानवमी के दिन कन्या पूजन और हवन के साथ नवरात्रि का समापन किया जाएगा। ममता रवानी ने कहा कि पिछले बीस वर्षों से हम दोनों दंपति नवरात्रि में अपने आवास पर मां दुर्गा की अराधना करते आ रहे हैं। यह परंपरा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इससे हमें आध्यात्मिक शक्ति मिलती है। शंकर रवानी ने कहा कि आदि शक्ति की पूजा से ही बच्चों के हित में काम करने की शक्ति मिलती है। हमारा संगठन बच्चों के कल्याण के लिए काम करता है और मां दुर्गा की कृपा से हमें इस काम में सफलता मिलती है।

मुराईडीह दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना

बरोरा। झारखंड : शारदीय नवरात्रि की शुरुआत गुरुवार, तीन अक्टूबर को हुई। बरोरा क्षेत्र के तमाम पूजा पंडालों, घरों और मंदिरों में कलश स्थापना के साथ माँ दुर्गा की आराधना हो रही है। बरोरा थाना क्षेत्र के मुराईडीह पंचायत में सुबह से ही भक्ति माहौल दिखना शुरू हो गया। पहले दिन मुराईडीह दुर्गा मंदिर में कलश स्थापना के साथ माँ शैलपुत्री की पूजा हुई। नवरात्रि के नौ दिनों तक मुराईडीह और आसपास के ग्रामीण इस मंदिर में विश्वास रखते हुए बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और भक्ति के भाव से पूजा-अर्चना करते हैं। यह पूजा लगातार 40 वर्षों से होती आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जो भी सच्ची श्रद्धा रखते हुए माँ की दरबार आते हैं, कभी खाली नहीं लौटते। पूजा में आचार्य के रूप में गिरिडीह के बद्री पांडेय द्वारा पूजा पाठ का आयोजन किया जा रहा है, जबकि यजमान शास्त्री कृष्णा पांडेय हैं। पूजा प्रभारी भोला झा, गौतम कुमार और संदीप गांधी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

अनाज वितरण में अनियमितता के खिलाफ लाभुकों का प्रदर्शन

संवाददाता। बरोरा

बरोरा। अनाज वितरण में अनियमितता के खिलाफ लाभुकों ने गुरुवार को निचितपुर टू पंचायत सचिवालय के समक्ष जमकर प्रदर्शन किया। लाभुकों का कहना था कि पीडीएस संचालक ने जुलाई और अगस्त माह में पांच से दस किलो तक अनाज दिया, लेकिन पूरे अनाज वितरण का ऑनलाइन रिसीव कर लिया। इस मामले की लिखित शिकायत दिए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। लाभुकों ने सितंबर माह के अनाज वितरण की मांग की और चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो पीडीएस दुकान और बाघमारा ब्लॉक मुख्य द्वार पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। लाभुकों का कहना था कि वे महालक्ष्मी स्वयं सहायता समूह के द्वारा संचालित पीडीएस दुकान के लाभुक हैं। उन्हें जुलाई और अगस्त माह में कम अनाज दिया गया, लेकिन संचालक ने पूरे अनाज वितरण का ऑनलाइन रिसीव कर लिया। बाघमारा बीडीओ सुषमा आनंद ने प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधि से मोबाइल पर बात की और लिखित शिकायत मिलने के दस दिनों के अंदर आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन में पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि देवानंद महतो, ज्योत्सना देवी, पायल देवी, नथु कुमार, लक्ष्मी देवी, उपासी देवी, उमेश कुमार, चुरामन कुम्हार, लखी देवी, खुशबू कुमारी, मोनिका देवी शामिल थीं। लाभुकों ने कहा कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करेंगे और आवश्यक कार्रवाई तक धरना जारी रखेंगे।

खास बातें

- अगस्त माह में दिया कम अनाज, संचालक ने पूरे अनाज का लिया रिसीव

दुर्गा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्रचंडी महायज्ञ को लेकर निकली कलश यात्रा

संवाददाता। महुदा

महुदा। ऊपर देवघरा पहाड़ी शिव मंदिर के प्रांगण में आयोजित नौ दिवसीय रुद्रचंडी महायज्ञ सह नव निर्मित दुर्गा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गुरुवार की सुबह कलश यात्रा निकाली गयी. मंदिर प्रांगण से शुरू कलश यात्रा खोदो नदी के तट पर पहुंची, जहां विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण कर जल भरनी का रस्म पूरा कराया. जल भरने के बाद कलश यात्रा राधानगर, महुदा बाजार, आमाटांड़ होते हुए वापस मंदिर प्रांगण पहुंची. पदुगोड़ा पंचायत के मुखिया महेश कुमार पटवारी ने महुदा बजार में श्रद्धालुओं को शरबत पिलाया. मंदिर प्रांगण पहुंचने के बाद सभी कलश मंदिर परिसर में रखा गया. इसके बाद पूजा-अर्चना शुरू हुई. महायज्ञ के पहले दिन पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, मंडप पूजन और अग्नि स्थानपन किया गया. पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. महायज्ञ के यजमान धीरन रवानी, नारायण रवानी और अन्य श्रद्धालु थे. सभी यजमान सपत्नीक अनुष्ठान में शामिल हुए. कलश यात्रा में जिप अध्यक्ष शारदा सिंह, सांसद प्रतिनिधि शत्रुघ्न महतो, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शेखर सिंह, जेएलकेएम नेता प्रदीप महतो, रुपदेव रवानी भी शामिल हुए. मौके पर पंसस महानंद रवानी, महेश्वर रवानी, रंगलाल रवानी, हुलास रवानी, मथुर रवानी, विकास चन्द्र रवानी, अनूप रवानी, डब्लू रवानी, रमेश रवानी, कपिल रजवार समेत अन्य श्रद्धालु मौजूद थे.

कुमारधुबी में निकली भव्य कलश यात्रा

मैथन। कुमारधुबी के शिवलीबाड़ी मुण्डाधौड़ा स्थित नव निर्मित देवी मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर गुरुवार को गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गयी, जिसमें 551 श्रद्धालु महिलाएं शामिल हुईं. कलश यात्रा में मुखिया अनामिका देवी भी शामिल हुईं .मंदिर परिसर से निकली कलश यात्रा जीटी रोड से कालीमण्डा, मैथन मोड़, कुमारधुबी चौक, तालडांगा होते हुए बराकर नदी घाट पहुंची. आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण कर कलश में जल भराया. इसके बाद कलश को माथे पर रखकर श्रद्धालु महिलाएं पुनः देवी मंदिर पहुंची. पूजा-अर्चना कर कलश की स्थापना की गयी. शुक्रवार को भण्डारे के साथ दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का समापन होगा

आसनसोल

बराकर में रेल पुलिस ने चलाया स्वच्छता अभियान

संवाददाता। बराकर

बराकर । स्वच्छ भारत अभियान के तहत बराकर रेलवे पुलिस ने स्वच्छता अभियान चलाया। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आसनसोल रेल मंडल के बराकर आर पी एफ द्वारा बराकर रेलवे स्टेशन गार्डन में स्वच्छता अभियान चलाया गया। आरपीएफ के एस आई, एस एन मुर्मू ने बताया कि महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर यह स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। हर व्यक्ति को अपने आसपास और अपने कार्यालय में स्वच्छ वातावरण बनाकर रखना चाहिए। इससे कार्य करने में सुगमता आती है और लोगों का स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहता है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश स्वच्छता अभियान में एकजुट है। अगर इसी तरह लोग इस अभियान में लगे रहेंगे, तो स्वच्छता अभियान का सपना जरूर साकार होगा। इस दौरान एस आई श्यामल कुमार, ए एस आई एस के तिवारी, ए एस आई राजेंद्र कुमार सहित अन्य जवान मौजूद थे।

दो सड़क दुर्घटनाओं में एक की मौत, एक घायल

संवाददाता। बराकर

बराकर। बराकर आसनसोल जीटी रोड पर लक्षीपुर के पास दुर्गापुर बराकर एक्सप्रेस बस ने बाइक सवार को टक्कर मारी। घटना में बाइक सवार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वहीं, कुल्टी थाना मोड़ क्लब के पास दो बाइक की जबरदस्त टक्कर में एक युवक की मृत्यु हो गई। घटनास्थल पर स्थानीय लोगों ने बस को घेरकर सड़क जाम कर दी। इसके बाद लगभग एक घंटे तक जीटी रोड पर लोगों ने हंगामा किया। मौके पर स्थानीय नियामतपुर पुलिस प्रशासन ने पहुंचकर घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। घायल व्यक्ति बर्नपुर का बताया जा रहा है। कुल्टी थाना क्लब रोड के सामने दो बाइक की टक्कर की घटना में स्थानीय कुल्टी रानी तालाब निवासी एमडी नसीर खान की मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही एसीपी कुल्टी जावेद हुसैन कुल्टी थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी लेते हुए कुल्टी अस्पताल पहुंचे। जहां बड़ी संख्या में मृतक के परिजन और स्थानीय लोग पहुंचे हुए थे। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए आसनसोल जिला अस्पताल भेजा। स्थानीय लोगों ने इस तरह की घटना दोबारा न होने के लिए प्रशासन से जरूरी नियम और रोड में बंपर बैरियर लगाने का अनुरोध किया है। इसके बाद पुलिस प्रशासन ने बंपर लगाने का कार्य शुरू कर दिया है। स्थानीय नीता बच्चन राय ने कहा है कि लच्छीपुर जीटी रोड चार मुंह वाला मार्ग है और यह मार्ग बहुत ही ज्यादा भीड़भाड़ वाला क्षेत्र है। प्रशासन को बहुत पहले इस पर ध्यान देना चाहिए था। पूजा के समय यह मार्ग और भी ज्यादा भीड़भाड़ वाला हो जाता है। मैं आशा करता हूं कि अब प्रशासन ट्रैफिक नियम के अनुसार इस मार्ग पर भी अपना ध्यान देगी।

पुरुलिया में राशन डीलर का शव बरामद

पुरुलिया। पुरुलिया जिले के पाड़ा थाने के झापड़ा गांव में एक राशन डीलर का शव उसके राशन दुकान में लटकता हुआ पाया गया। मृतक की पहचान अवनि कुमार माजी (61) के रूप में हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुरुवार सुबह जब दुकान खोलने के लिए गए तो अवनि कुमार माजी का शव लटकता हुआ दिखा। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने आशंका व्यक्त की है कि मानसिक अवसाद के कारण उन्होंने आत्महत्या की है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि अवनि कुमार माजी कुछ समय से कर्ज में डूबे हुए थे। इसके अलावा उनकी दुकान की हालत भी खराब थी। हालांकि, इस मामले में परिवार की ओर से कोई शिकायत नहीं की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अवनि कुमार माजी के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं।

बराकर अग्रसेन ट्रस्ट ने मनाई अग्रसेन जयंती

संवाददाता। बराकर

बराकर। बराकर अग्रसेन ट्रस्ट और अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति ने मिलकर अग्रसेन जयंती मनाई। बराकर के कल्याणेश्वरी रोड स्थित श्री अग्रसेन भवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्योगपति कैलाश मंसाराम ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया और अन्य सदस्यों ने दीप जलाकर शुभारंभ किया। महाराज अग्रसेन की तस्वीर के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद, सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से महाराज धीराज श्री अग्रसेन जी की आरती की। महाराज अग्रसेन को अग्रवाल समाज के जनक माना जाता है, जिन्होंने व्यापारियों के राज्य की स्थापना की थी। इसलिए, व्यापारी समुदाय उनके जन्मोत्सव पर विधि-विधान से पूजा करता है। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल, सचिव दिलीप केडिया, और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, साथ ही महिला समिति की ओर से भी कई सदस्य मौजूद थीं।

बीसीसीएल की महिला समिति ने असहायों में किया वस्त्र वितरण

संवाददाता। बराकर

बीसीसीएल की महिला समिति दीक्षा महिला मंडल दृष्टि की ओर से शिधेश्वरी मंदिर में चालीस जरूरतमंद महिलाओं को वस्त्र वितरण किया गया। बराकर में बीसीसीएल की महिला संगठन दीक्षा महिला मंडल के अंतर्गत दृष्टि महिला समिति द्वारा दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में जरूरतमंद महिलाओं को वस्त्र, श्रृंगार के सामान तथा मिठाइयां प्रदान की गईं। प्रत्येक वर्ष पूजा के पहले बीसीसीएल की महिला संगठन सदैव आसपास के क्षेत्र में जरूरत के हिसाब से जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए तत्पर रहती है। इसी क्रम में दुर्गा पूजा को देखते हुए दीक्षा महिला मंडल के अंतर्गत सी वी क्षेत्र बारह दृष्टि महिला समिति द्वारा बराकर शहर के बेगूनिया स्थित प्राचीन सिद्धेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण में आए हुए 40 जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी, श्रृंगार का सामान तथा मिठाइयां प्रदान की गईं। महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती शशि प्रसाद ने बताया कि संगठन द्वारा समय-समय पर इस तरह के सेवा कार्य किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अभी त्योहारों का मौसम चल रहा है, दुर्गा पूजा लगभग आरंभ हो चुका है, लेकिन देखा जाता है कि कई लोग आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण नए वस्त्र तथा श्रृंगार के सामान नहीं खरीद पाते हैं। ऐसे में इन लोगों को थोड़ी सी मदद पहुंचा कर काफी खुशी हुई ताकि ये लोग भी त्योहार को भली भांति हर्षोल्लास से मना सकें। इस अवसर पर संगठन की सचिव श्रीमती समिता चक्रवर्ती, ममता कुंडू, बाना श्री बनर्जी, सुष्मिता गांगुली, श्रावणी भट्टाचार्य, सुमिता सरकार मुख्य रूप से उपस्थित थीं।

खास बातें

- बीसीसीएल की महिला संगठन ने मनाया दुर्गा पूजा

प्रतिबंधित पटाखों के साथ पांच गिरफ्तार

रानीगंज। राज्य सरकार की तरफ से तेज आवाज वाले पटाखों को प्रतिबंधित कर दिया गया है. लेकिन फिर भी कई दुकानदार इन पटाखों की बिक्री कर रहे हैं. आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की तरफ से ऐसे पटाखे बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है. इसी क्रम में महालया की पूर्व संध्या पर रानीगंज थाना प्रभारी विकास दत्त के नेतृत्व में रानीगंज के राजपाड़ा, बड़ाबाजार, शिव मंदिर मोड़, महावीर कोलियरी सहित विभिन्न इलाकों में छापेमारी की गयी और प्रतिबंधित 65 डेसिबल वाले पटाखों को जब्त किया गया. इस सिलसिले में पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार भी किया गया. वहीं महालया की सुबह रानीगंज के विभिन्न इलाकों से प्रतिबंधित पटाखे फोड़ने के मामले में पुलिस ने 26 युवकों को हिरासत में लिया. हालांकि तीन घंटे बाद उन्हें छोड़ दिया गया. पुलिस की छापेमारी में तकरीबन 500 पैकेट प्रतिबंधित पटाखे जब्त किये गये. पुलिस की ओर से बताया गया कि ग्रीन पटाखों पर पाबंदी नहीं है.

आसनसोल नगर निगम में राशन वितरण में अनियमितता की जांच शुरू

संवाददाता। बराकर

आसनसोल नगर निगम के नियामतपुर वार्ड 59 में स्थानीय लोगों ने मदीना खातून के सरकारी राशन दुकान पर राशन न देने का गंभीर आरोप लगाया। लोगों का कहना है कि हर महीने उन्हें राशन का प्रचार अन्य जगह पर दिया जाता है और राशन मांगने पर अगले महीने आने को कहा जाता है। गुरुवार की सुबह कुछ स्थानीय भुक्तभोगियों ने नियामतपुर नबीनगर स्थित मदीना खातून सरकारी राशन दुकान के डीलर पर राशन न देने का आरोप लगाया। इस घटना की जानकारी जब स्थानीय तृणमूल नेता बच्चू राय को मिली, तो उन्होंने जमकर इसका विरोध करते हुए निंदा की। बच्चू राय ने कहा कि राज्य सरकार गरीबों का पेट भरने के लिए डीलरों को रखा है, लेकिन डीलर अपना पेट भरने में लगे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उचित मात्रा में भुक्तभोगियों को राशन नहीं दिया गया, तो वे प्रशासन को इसकी जानकारी देकर ऐसे राशन डीलरों का लाइसेंस रद्द करने की मांग करेंगे। हंगामे के बाद नियामतपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत किया और राशन डीलर को सही समय पर राशन देने को कहा। अन्यथा इसकी सूचना उच्च आलाधिकारी को देकर सरकारी राशन दुकान का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। इस मामले में आसनसोल नगर निगम के मेयर जितेंद्र तिवारी ने कहा कि नगर निगम प्रशासन इस मामले की जांच करेगा और दोषी पाए जाने पर राशन डीलर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने राशन डीलर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है और कहा है कि यदि राशन डीलर के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन करेंगे।'

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष – सप्तम चंद्र शुक्र का योग से जीवनसाथी के साथ खुशी के पल गुजरेंगे. आय के द्वार खुलेंगे. कार्य के लिए समय अनुकूलता देगा. व्यापार के लिए स्थिति सुखद रहेगी. बहन का सहयोग मिलेगा. मंदिर में घी का दीपक जलावें.

वृष – उदर विकार उत्पन्न हो सकता है. आमोद-प्रमोद का अवसर प्राप्त होगा. भागदौड़ रहेगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी. ऋण लेने से बचना चाहिए. माता दुर्गा को लाल फूल अर्पण करें.

मिथुन – सर्दी बुखार से स्वास्थ्य पर असर होगा. संतान के कार्य से लाभ होगा. शिक्षा में लाभ होगा. रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. रिश्तों में मधुरता आएगी. भागदौड़ रहेगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी.

कर्क – किसी से विवाद हो सकता है. पर धन की स्थिति सुखद रहेगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी. भागदौड़ की स्थिति सुखद रहेगी. कोई नुकसान हो ऐसा कार्य नही करे. मिठाई बच्चों को दें.

सिंह – समय शुभ है. आय का अटका मामला ठीक होगा. किसी प्रकार का आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं. कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा प्रभावित हो. किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा. शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाए.

कन्या – शाम में कोई पार्टी हो सकती है, पर खर्च पर नियंत्रण करें. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आय होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. शासन सत्ता का सहयोग रहेगा. गणेश जी का ध्यान पूजन करें.

तुला – कार्य होने से मानसिक संतुष्टि होगी. समय अनुकूल है. जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी. संबंधों में निकटता आएगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी, लेकिन जीवनसाथी से तनाव मिल सकता है. लक्ष्मी माता को लाल फूल अर्पण करें.

वृश्चिक – पैतृक सम्पति से लाभ होगा. आपके व्यवहार से आय और धन बृद्धि होगा.पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी.

धनु – आय के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. कोई अटका कार्य पूर्ण होगा. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. किसी अपने से कोई लाभ होगा. साथ ही उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. अपनों के सहयोग से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

मकर – कोई शुभ कार्य होने से मन खुश होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. रिश्तों में मजबूती आएगी. आलस का त्याग करें. कार्य पर ज्यादा ध्यान दें. दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

कुंभ – समय शुभ है. शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे.आपके अपने का विवाह सम्बंधित शुभ और सुखद समाचार मिलेगा. व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शनि चालीसा और छाया दान करना चाहिए.

मीन – विवाद से अपने आप को दूर रखें. आपके अथक प्रयास से रिश्तों में मधुरता आएगी. राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें. आपके मेहनत से धन आएगा. घी का दीपक माता दुर्गा को दिखावें.

अड़की में पत्थर से कूचकर अधेड़ की हत्या, क्षेत्र में मची सनसनी

खूंटी। अड़की थाना की बाड़ी निजकेल पंचायत के टोला लुपुंगडीह के समीप गुरुवार सुबह एक अधेड़ ग्रामीण का शव बरामद किया गया. शव की पहचान गांव के ही विजय मुंडा (55) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार विजय मुंडा बुधवार को हॉकी मैच देखने सायको थानांतर्गत हितडीह गांव गया था. वहां से रात में वह वापस घर नहीं लौटा. गुरुवार सुबह कुछ ग्रामीणों ने जब लोवा डोभा के किनारे खून से लथपथ उसके शव को देखा, तब उसके स्वजनों एवं गांव वालों को इसकी जानकारी हुई. बाद में इसकी सूचना अड़की थाना की पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक पड़ताल शुरू की. अपराधियों ने उसकी हत्या पत्थर से सिर को कूचकर की है.

दिलीप नामधारी डालटनगंज से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे

मेदिनीनगर। स्थानीय गुरु तेग बहादुर मेमोरियल हॉल में दिलीप सिंह नामधारी ने वरिष्ठ साथियों व कार्यकर्ताओं के साथ डालटनगंज भंडरिया विधानसभा चुनाव से संबंधित विषयों पर विचार विमर्श के लिए बैठक हुई. बैठक में कार्यकर्ताओं ने निर्णय लिया कि दिलीप सिंह नामधारी डालटनगंज भंडरिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे. नामधारी ने जनता के निर्णय को स्वीकार करते हुए चुनाव लड़ने पर सहमति जताई. मालूम हो कि दिलीप सिंह 2009 में भाजपा से चुनाव लड़े थे. लेकिन कांग्रेस नेता केएन त्रिपाठी ने उन्हें लगभग चार हजार मतों से हराया था.

जीत-कुंडो कराटे चैंपियनशिप में जाएंगे संत मरियम के विद्यार्थी

मेदिनीनगर। मुंबई में आयोजित 23 वां नेशनल स्पोर्ट्स जीत-कुन्डो चैंपियनशिप में संत मरियम स्कूल के तीन बाल कराटेकार अयान सिद्दीकी, उज्जवल राज व आर्यन कुमार सिंह भाग लेंगे. चैम्पियनशिप द स्पोर्ट्स जीत कुंडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मुंबई के अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया जा रहा है. इसमें पूरे भारत के विभिन्न राज्यों के मार्शल-आर्ट्स खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. बाल कराटेकार मुख्य मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षक शिहान संतोष कुमार के नेतृत्व में चार अक्टूबर को मुंबई के लिए रवाना होंगे.

कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू, प्रथम दिन हुई मां शैलपुत्री की पूजा -अर्चना

वैदिक मंत्रोच्चार से गूंज रहा छिन्नमस्तिके मंदिर

संवाददाता। रामगढ़

रजरप्पा कोयलांचल सहित आसपास के विभिन्न मंदिरों में विधिवत कलश स्थापना के साथ शारदीय नवरात्र शुरू हो गया. शारदीय नवरात्रा के प्रथम दिन गुरुवार को मां दुर्गे के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई. पूजा अर्चना के दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड देखी गई. इस दौरान वैद्धिक मंत्रोच्चारण से पूरा मंदिर प्रक्षेत्र गूंजयमान रहा. इधर, रजरप्पा स्थित लुगू बाबा आश्रम में भी विधि -विधान के साथ नौ कलशों की स्थापना किया गया. कलश स्थाना से पूर्व अहले सुबह स्नान ध्यान के बाद जलयात्रा निकालकर गंगा पूजा की गयी. तत्पश्चात गंगा को कलश में भरकार आश्रम लाया गया. यहां वैद्धिक विधि से कलश स्थापना पूजन कर मां शैलपुत्री का आह्वान किया गया. साथ हीं यहां मौजूद साधकों द्वारा मां दुर्गा सप्तशती का पाठ प्रारंभ किया गया. मौके पर मौजूद आश्रमाचार्य रामशरण गिरी बाबा ने बताया कि यहां लगातार नौ दिनों तक भंडारे व रात्रि में भक्ति जागरण किया जाएगा. जिसमें भारी संख्या में लोग मौजूद रहेंगे. इन्होंने कहा कि मां दुर्गे के नौ स्वरूपों को जो भी भक्त सच्चे मन से पूजा करते हैं, मां उन्हें मनोवांछित फल प्रदान करती है.

रजरप्पा में फूलों से सजा मां का दरबार

शारदीय नवरात्र को लेकर देश के प्रसिद्ध सिद्धपीठ रजरप्पा स्थित मां छिन्मस्तिका मंदिर का विशेष श्रृंगार किया गया है. यहां कोलकाता से मंगाए फूलों से मंदिर को सजाया गया है. इस कार्य मे दो दर्जन मजदूर लगे हुए हैं. जिससे छिन्नमस्तिका मंदिर का नजारा काफी अद्भुत व अलौकिक नजर आ रहा था. वहीं विद्युत सज्जा का कार्य भी जोर शोर से किया जा रहा है.

मानदेय की मांग को लेकर धरना- प्रदर्शन

ऊर्जा मित्रों ने राजभवन के समक्ष दिया धरना

राजधानी रांची में राजभवन के समक्ष गुरुवार को अपनी मांगों को लेकर धरना देते ऊर्जा मित्र.

संवाददाता। रांची

बिजली विभाग के सैकड़ों ऊर्जा मित्रों ने पांच सूत्री मांग को लेकर गुरुवार को राजभवन के समक्ष एकदिवसीय धरना दिया. जुलूस में शामिल लोगों ने कहा कि 2017 से बिजली विभाग में ऊर्जा मित्र के रूप में काम कर रहे हैं. आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से सभी को नौकरी दी गई है. पूरे राज्य में 65 सौ ऊर्जा मित्र हैं. एक सब डिवीजन में 20-25 ऊर्जा मित्र हैं. प्रत्येक तीन से चार साल में कंपनी बदलती रहती है. जब एक कंपनी में काम करते हैं. तब महीना में चार से पांच हजार रुपये वेतन दिया जाता है. वह भी पांच महीने बाद मिलता है. समय पर पैसा नहीं दिया जाता है. बकाया पैसा भी नहीं दिया जाता है. आउटसोर्सिंग कंपनी का कार्यकाल जब पूरा हो जाता है, तब कंपनी ऊर्जा मित्रों का पैसा लेकर रफ्फूचक्कर हो जाती है.

गिरिडीह के मुश्ताफ अंसारी और पवन कुमार वर्मा ने कहा कि घर-घर में जाकर बिजली बिल निकालते हैं. कंज्यूमर को बिजली बिल भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं. एकदिन में एक सौ घरों का बिजली बिल निकालने के लिए कहा जाता है. एक महीना में 1500 का टारगेट दिया जाता है. जब पूरा नहीं होता है. तब 25 प्रतिशत वेतन काट लिया जाता है. एक बिल पर चार रुपए दिया जाता है. इसके एवज में हर महीने पांच हजार रुपये दिये जाते हैं. ऊर्जा मित्रों को वेतन देने के लिए 12 हजार रुपये का टेंडर निकलता है. मौके पर अध्यक्ष इंगेश्वर ठाकुर,महावीर साहु, बैजु महतो, संतोष कुमार, प्रमोद मंडल, सागर प्रसाद, सरोज सौरभ, अशोक कुशवाहा, इंद्र नाथ ठाकुर, रामकिशुन राम समेत अन्य शामिल थे.

...तो 30 दिन में तुलसीदामर खदान चालू करवाएंगे

संवाददाता। भवनाथपुर

भवनाथपुर से केतार होते हुए पाचाडुमर मुख्य पथ सुदृढ़ीकरण निर्माण का शिलान्यास गुरुवार को खरौंधी मोड़ के समीप विधायक भानु प्रताप शाही की उपस्थिति में बुजुर्ग चंद्रदेव राउत ने पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़कर तथा शिलापट्ट का अनावरण कर किया. उक्त सड़क का निर्माण पथ निर्माण के तहत करीब 14 करोड़ की लागत से बनाई जायेगी. मौके पर विधायक श्री शाही ने कहा कि इस सड़क को अपने मंत्रित्वकाल में बनवाया था, जो समय के साथ खराब होने लगी थी,

जिसे देखते हुए दुबारा इस चमचमाती सड़क निर्माण के लिए आज शिलान्यास किया हूं. आज कुल कुछ नेताओं का आंख के साथ साथ मानसिक संतुलन खराब होने लगी है. वैसे नेताओं को विधायक भानु द्वारा उनके घर के सामने किया गया विकास दिखाई नहीं दे रहा है. कहा कि अनंत प्रताप देव जनता को गुमराह करते हुए कहते चल रहे है कि सीमेंट फैक्ट्री नहीं लगवा देते तो यहां के युवकों को रोजगार मिलता, अगर विधायक सीमेंट फैक्ट्री लगवा सकता है, तो मंत्री मिथिलेश ठाकुर और सीएम हेमंत सोरेन गढ़वा और बरहेट में पॉवर प्लांट आज तक क्यों नही लगवा सके. उन्होंने कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो वादा करते है, 30 दिनों के अंदर तुलसीदामर खदान को चालू करवाएंगे.

नौ दिन बाद एनजीटी की रोक हटेगी फिर भी गहराया रहेगा बालू का संकट

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में बालू उठाव पर लगी रोक 15 अक्तूबर के बाद से हट जाएगी. रोक हटने के बावजूद प्रदेश में बालू का संकट बना रहेगा. इसकी वजह यह है कि अब तक 444 बालू घाटों में से 328 बालू घाटों के माइनिंग प्लान को मंजूरी नहीं मिल पायी है. वहीं 400 से अधिक बालू घाटों को पर्यावरण स्वीकृति भी नहीं मिल पाई है. नियमतः बिना माइनिंग प्लान मंजूर किए और पर्यावरण स्वीकृति के बिना बालू का उठाव नहीं हो सकता है.

कैसे मिलती है पर्यावरण स्वीकृति: पर्यावरण स्वीकृति लेने से पहले ग्राम सभा से माइनिंग प्लान की मंजूरी लेनी पड़ती है. इसके बाद सिया के पास पर्यावरण स्वीकृति के लिए आवेदन देना होता है. पर्यावरण स्वीकृति मिलने के बाद बालू घाट से बालू उठाव के लिए कंसर्ट टू ऑपरेट (सीटीओ) मिलता है. अब तक सिर्फ 35 बालू घाटों को ही पर्यावरण स्वीकृति मिल पाई है. वहीं कटेगरी टू के बालू घाटों के लिए 256 एमडीओ चयनित किया गया है. 148 एमडीओ के साथ इकरारनामा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है.

खास बातें

- 409 बालू घाटों को अब तक नहीं मिली है पर्यावरण स्वीकृति
- 328 बालू घाटों का माइनिंग प्लान अब तक मंजूर नहीं

अब तक क्या हुई है बालू घाटों देने की प्रगति

- 444 बालू घाटों में से 130 एमडीओ (माइंस डेवलपर ऑपरेटर) की हो चुकी है नियुक्ति
- 41 बालू घाटों का मामला है लंबित
- 242 एमडीओ के चयन की प्रक्रिया कर ली गई है पूरी
- 116 बालू घाटों के माइनिंग प्लान कर लिए गए हैं मंजूर
- 75 बालू घाटों का माइनिंग प्लान डीएमओ के पास मंजूरी के लिए है पड़ा

मंत्री ने बिजली बिल माफी प्रमाण पत्र बांटे

लोहरदगा। विधायक सह मंत्री वित्त विभाग योजना एवं विकास विभाग वाणिज्यकर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग झारखंड सरकार द्वारा लोहरदगा जिलांतर्गत विद्युत शक्ति उपकेंद्र बिजली ऑफिस पतरा टोली में मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना अंतर्गत 30 लाभुकों के बीच बिजली बिल माफी प्रमाण पत्र वितरण किया गया. इस बीच लाभुकों को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा 200 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं के लिए मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाल योजना के तहत बिजली बिल माफी योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत प्रदेश के सभी घरेलू उपभोक्ताओं का बकाया बिजली बिल माफ कर दिया गया है एवं उनके बीच बिजली बिल प्रमाण पत्र का वितरण किया गया है. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार राज्य के विकास के लिए तत्पर है इसी प्रयास के क्रम में लोगों के कल्याण के लिए 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है, जिससे अतिरिक्त आर्थिक भार से मुक्ति मिलेगी.

पेज एक का शेष

हंगामा क्यों है बरपा...

लेकिन उनके स्वयं के निर्वाचन पर भ्रष्टाचार का आरोप चस्पां हो गया. उनका चुनाव रद्द हो गया. उन्होंने इमरजेंसी लगा दी और संविधान में संशोधन कर लोकसभा का कार्यकाल पांच साल के बदले छह साल कर दिया. इसलिए 1977 में चुनाव हुए. इंदिरा गांधी हार गईं. मोरारजी प्रधानमंत्री बने और कांग्रेस की नौ राज्य सरकारों को इस आधार पर बर्खास्त कर दिया कि कांग्रेस जनसमर्थन खो चुकी है. मोरारजी की सरकार दो साल भी नहीं चल पाई. 1980 में चुनाव हुए. फिर इंदिरा गांधी की सरकार बनी. उन्होंने भी मोरारजी का तर्क अपनाते हुए राज्यों की जनता पार्टी की सरकारों को बर्खास्त कर दिया. 1984 में उनकी हत्या हो गयी. चुनाव 1985 में होना था. लेकिन उनकी हत्या से उपजे आक्रोश को कैश कराने के लिए राजीव गांधी ने 1984 में ही चुनाव करा दिया और प्रचंड बहुमत से जीत गये. 1989 में चुनाव हुए. बोफोर्स घोटाले के घटाटोप और वीपी सिंह की बगावत के बीच कांग्रेस हार गई. वीपी सिंह की सरकार बनी. वह चली नहीं और कांग्रेस ने उनकी जगह चंद्रशेखर को प्रधानमंत्री बनाया जरूर, लेकिन चार महीने में ही समर्थन खींच लिया. फिर 1991 में चुनाव हुए. बीच चुनाव राजीव की हत्या हो गयी. नरसिंह राव प्रधानमंत्री बने. उन्होंने तीन तिकड़म-खरीद-फरोख्त से पांच साल सरकार चलाई. उन्होंने अयोध्या में विवादित ढांचे के ध्वंस को आधार बनाकर भाजपा की चार सरकारें बर्खास्त कर दीं. 1996 में किसी को बहुमत नहीं मिला. अटलबिहारी वाजपेयी 13 दिन प्रधानमंत्री रहे. फिर कांग्रेस ने देवगौड़ा और इंद्रकुमार गुजराल को प्रधानमंत्री बनवाया, लेकिन वे दोनों कांग्रेस को खुश नहीं रख सके और 1998 में फिर चुनाव कराना पड़ा. अटल जी फिर प्रधानमंत्री बने. लेकिन 13 महीने बाद एक वोट से सरकार गिर गई. फिर 1999 में चुनाव हुए. तब से आज तक लोकसभा के चुनाव पांच साल के नियमित अंतराल पर हो रहे हैं. विधानसभाएं भी 1994 में बोम्मई केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बर्खास्त नहीं हो रही हैं, लेकिन करीब 90 बार अलग-अलग कारणों से विधासभाएं भंग हो चुकी हैं.

अब यदि 1967 तक का चक्र चलाना है तो कुछ विधानसभाओं का कार्यकाल घटाना-बढ़ाना पड़ सकता है. यह व्यवस्था भी करनी पड़ेगी कि यदि अल्पमत में आ जाने के कारण सरकारें गिरती हैं तो अगली विधानसभा शेष अवधि के लिए ही चुनी जायेगी. यही व्यवस्था लोकसभा के लिए भी करनी होगी. पंचायती राज कानून में यह व्यवस्था है कि पंचायतों के असमय भंग होने की स्थिति में अगली पंचायतों का कार्यकाल बची हुई अवधि तक ही होगा. संसद चाहे तो इसे अपना सकती है. हमारा संविधान मुख्यतः अमेरिका और यूके के मॉडल पर बना है. अमेरिका में चुनाव होनेवाले हैं, नीचे से ऊपर तक. वोट एक ही दिन पड़ेंगे. नवंबर के पहले सोमवार के बाद के मंगलवार यानी इस बार पांच नवंबर को. यूके (ब्रिटेन) में भी नीचे के सभी चुनाव मई के पहले वृहस्पतिवार को ही होते हैं. हालांकि वहां की लोकसभा (हाउस ऑफ कामंस) असीम शक्ति संपन्न है. वहां के प्रधानमंत्री अपनी मर्जी से समय पूर्व चुनाव कराने के लिए विशेष प्रावधान कर-करा लेते हैं.

जहां तक भारत में एक साथ सभी चुनाव कराने की बात है, इसके पक्ष में भी दलीले हैं और विपक्ष में भी. इस पर बहस लंबी खिंचेगी. लेकिन यहां मैं केवल दो विषयों पर ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं. पहला है चुनावों में कालेधन का इस्तेमाल. चुनाव दिन-ब-दिन महंगे होते जा रहे हैं. क्राउड फंडिंग और छोटे चंदों से चुनाव न लड़े जा सकते हैं, न जीते जा सकते हैं. जो भारी भरकम चंदा देते हैं वे सरकारों, प्रतिनिधियों पर अपने फायदे के लिए दबाव बनाते हैं, नीतियां बनवाते हैं. देश में क्रोनी कैपिटल की मूल वजह यही है. एक साथ चुनाव होने से कालेधन के परनाले का प्रवाह कुछ न कुछ कम जरूर होगा. दूसरा यह कि देश में जहां भी चुनाव होते हैं, धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्र के आधार पर विष बुझे बयानों के तीरों से हमारी एकता घायल होती रही है. बार-बार चुनाव से यह जख्म हमेशा हरे रहते हैं और हमारी एकता कमजोर हो जाती है.. एक बार पांच साल के लिए एक साथ चुनाव हो जाये तो कम से कम घावों के भरने के लिए समय मिल जायेगा. कुछ राजनीतिक दल इसलिए इस पहल का विरोध कर रहे हैं कि उनके पास वोट बटोरू नेता नहीं हैं. उन्हें यह भय सता रहा है कि क्षेत्रीय दलों के मुद्दे एक साथ चुनाव होने से गौण हो जायेंगे. लेकिन दिल्ली, आंध्र, तेलंगाना, ओडिशा आदि के उदाहरण भी हैं जो इस आशंका को गलत साबित करते हैं. दरअसल, इससे हमारा लोकतंत्र क्रमशः परिपक्व होगा और राजनीति मुद्दों पर लौट आयेगी. देखिए होता क्या है, विधेयक कब आता है, पास होता है या नहीं और क्या व्यवस्थाएं की जाती हैं. लेकिन तमाम किंतु-परंतु के बावजूद विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव एक साथ होने ही चाहिए. यह देश हित में भी है और समाज के हित में भी.

विकास में यह मील का....

- लेवल एक 6176 वर्गमीटर व लेवल दो 3900 वर्गमीटर का है. ट्रांसपोर्ट नगर में ड्राइवर व खलासी के आराम करने के लिए 180 बेड की डॉरमेट्री और 150 लोगों के बैठने के लिए फूड कोर्ट भी है.
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दो वे ब्रिज, सर्विस स्टेशन, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी, वाई-फाई, लैंड स्केपिंग व मनोरंजन के लिए स्थान उपलब्ध कराया कराया गया है.
- ट्रांसपोर्ट नगर में बड़े-छोटे कुल 424 वाहनों को खड़ा करने का प्रावधान किया गया है.
- लेवल एक प्लेटफॉर्म पर 93 एक्स्ट्रा लार्ज (22 मीटर लंबा), 11 लार्ज टेलर (18 मीटर लंबा) और 27 स्मॉल (16 मीटर लंबा) वाहन खड़ा किये जा सकेंगे.
- लेवल दो प्लेटफॉर्म पर 179 लार्ज और 50 स्मॉल वाहन खड़े किये जाएंगे. वहीं, लेवल तीन के प्लेटफॉर्म पर 64 छोटे वाहन खड़े किये जा सकेंगे.
- बाहर से आनेवाले वाहनों के चालक वेयर हाउस में माल उतार कर मुक्त हो जाएंगे. वहां से ट्रांसपोर्टर छोटे वाहनों के माध्यम से माल जगह तक पहुंचाएंगे.
- ट्रांसपोर्ट नगर तैयार होने के बाद भारी वाहनों को शहर में प्रवेश करने के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा.
- राजधानी के मुख्य मार्गों को दरकिनार करते हुए भारी वाहन रिंग रोड का इस्तेमाल कर ट्रांसपोर्ट नगर तक पहुंच जाएंगे.
- ट्रांसपोर्ट नगर बनने से शहर में यातायात का भार कम होगा. वहीं, व्यापारियों के लिए भी मददगार होगा.
- ट्रांसपोर्ट नगर में जमशेदपुर (राष्ट्रीय राजमार्ग-33), हजारीबाग (एनएच-33), मेदिनीनगर (एनएच-75), गुमला (एनएच-23) और पुरुलिया (राज्य राजमार्ग-01) से रांची आनेवाले वाहन खड़े किये जाएंगे.
- रांची शहर के दक्षिण-पूर्व रेलवे से अच्छी तरह जुड़ा होना भी ट्रांसपोर्ट नगर के लिए लाभकारी होगा.

दूसरे फेज की रहेगी यह विशेषता

- ट्रांसपोर्ट नगर फेज टू में नौ एकड़ भूमि पर 55 .52 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण किया जाएगा.
- इस फेज में 256 वाहनों को खड़ा करने के लिए प्लेटफॉर्म व जलमीनार का निर्माण होगा.
- इसके अलावा डॉरमेट्री में बेड की संख्या भी बढ़ायी जाएगी.
- फिलहाल, ट्रांसपोर्ट नगर में 180 बेड की डॉरमेट्री है. इसे बढ़ा कर 600 बेड का किया जाएगा.
- योजना के लिए 55 .82 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है. वर्ष 2025 में फेज टू पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है.

आज आधारशिला रखे जाने वाले फ्लाईओवर ...

- धनबाद जिले में मटकुरिया फ्लाईओवर का निर्माण (लागत 256 .54 करोड़)
- गोला-मुरी फोर लेन सड़क (लागत 333 .17 करोड़)
- भुईयांडीह लिट्टी चौक से भिलाई पहाड़ी पथ में स्वर्णरेखा नदी पर फोन लेन पुल निर्माण (लागत 77 .77 करोड़)
- अन्य पथों एवं आरओबी निर्माण कार्य (लागत 713 .49 करोड़)

देश की विकास परियोजनाएं...

तलाशी की इस कार्रवाई के बाद विभाग इस नतीजे पर पहुंचा था कि इन एनजीओ ने कथित रूप से वर्ष 2010 के फ़ॉरेन कॉन्ट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) के प्रावधानों का उल्लंघन किया था - विदेशी मुद्रा बैंक खातों के स्टेटमेंट और सालाना रिटर्न में दी गई जानकारी में अंतर, तथा विदेशी मुद्रा के रूप में हासिल धन का दुरूपयोग - बाद में इन सभी एनजीओ के एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिए गए थे, जिसे उन्होंने अदालत में चुनौती दी, जिन पर फिलहाल दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई जारी है.

इंडियन एक्सप्रेस का दावा है कि उसने वर्ष 2023 खत्म होने से पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा इन एनजीओ को जारी किए गए इन्टीमेशन लेटर को रिव्यू किया है. 100-100 पृष्ठों से भी लम्बे इन खतों में एनजीओ के ख़िलाफ़ लगाए गए अहम आरोपों को ट्रैक करने के लिए विभिन्न एग्रीमेंटों, वित्तीय स्टेटमेंट, ईमेल और बोर्ड बैठकों में चर्चा में रही बातों की प्रतियां भी शामिल की गई हैं.

मन की व्यथा 256.69 किलोमीटर लंबी 65 सड़कों का शिलान्यास किया जाएगा

पूर्व विधायक नहीं चाहते पांकी का विकास: डॉ. मेहता

संवाददाता। मेदिनीनगर

पांकी विस क्षेत्र के विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने कहा कि अगले कुछ दिनों में विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनने वाली 256.69 किलोमीटर लंबी 65 सड़कों का शिलान्यास किया जाएगा. इन सड़कों के निर्माण के लिए 160 करोड़ 94 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है. 27 करोड़ रुपये की लागत से 15 अन्य सड़कों के निर्माण की भी प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त है. परंतु पांकी क्षेत्र के पूर्व विधायक और सिलदिलिया कंस्ट्रक्शन के विकास रोकने के लिए लगातार

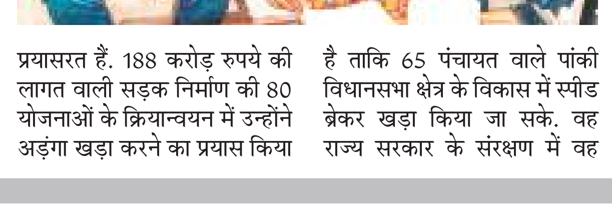

प्रयासरत हैं. 188 करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क निर्माण की 80 योजनाओं के क्रियान्वयन में उन्होंने अड़ंगा खड़ा करने का प्रयास किया है ताकि 65 पंचायत वाले पांकी विधानसभा क्षेत्र के विकास में स्पीड ब्रेकर खड़ा किया जा सके. वह राज्य सरकार के संरक्षण में वह पांकी का विकास रोकने का प्रयास करते आ रहे हैं.

खास बातें

- पांकी के विधायक ने पूर्व विधायक से पूछे सवाल
- विधायक ने कहा- पांकी विकास की ओर अग्रसर है

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास करते रहने और हर अवरोध को उखाड़ फेंकने का संकल्प व्यक्त करते हुए विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने कहा कि पूर्व विधायक केवल और केवल एक ही एजेंडा पर काम करते हैं कि क्षेत्र के विकास योजनाओं का क्रियान्वयन उनकी पार्टनर वाली कंपनी ही मनमाने तरीके से करेगी. विधायक ने गुरुवार को मेदिनीनगर में सहयोगी प्रकाश मेहता और निर्मल मेहता के साथ प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि पूर्व विधायक की पार्टनर वाली कंपनी ने ढूब-छतरपुर के बीच का पुल अधूरा छोड़ रखा है. टाटीदीरी-बोरीदीरी के बीच भी पुल का निर्माण अबतक पूरा नहीं किया है. हुरलौंग की सड़क, सिकनी-कुसमी की सड़क के टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी की शिकायत कर उन्होंने अड़ंगा खड़ा किया है.

लक्ष्य तो चुनावी एजेंडा

चुनाव एलान पूर्व योजनाओं की बौछार के साथ ही पक्ष विपक्ष के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और आरोप प्रत्यारोप तेज हो गए हैं. प्रधानमंत्री ने झारखंड के साथ दिल का रिश्ता बताया है और रोटी, बेटी और माटी के सवाल को बतौर चुनावी एजेंडा प्रस्तुत किया है. दूसरी ओर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है प्रधानमंत्री से उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री झारखंडियों को उनका हक दिलाने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे. लेकिन प्रधानमंत्री ने इस सवाल पर चुप्पी साधे रखी. हेमंत सोरेन ने एक्स पोस्ट पर लिखा है कि हम दूसरे राज्यों की तरह विशेष राज्य का दर्जा नहीं मांग रहे हैं, अपना हक मांग रहे हैं. हेमंत सोरेन के अनुसार इस सवाल पर पूरी भाजपा की चुप्पी झारखंड का हक मारने की साजिश का हिस्सा है. हेमंत सोरेन का आरोप है कि भाजपा नेताओं की चुप्पी बताती है कि प्रधानमंत्री और भाजपा को झारखंड के मूल निवासियों की चिंता नहीं है. वे बड़े कॉरपोरेट घरानों के हितों को झारखंडी हितों से ऊपर रख रहे हैं. भाजपा नेताओं ने झारखंड राज्य के निर्माण के पीछे के मूल उद्देश्य को दरकिनार कर दिया है और सिर्फ अपने हितों के लिए कार्य कर रहे हैं. हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्र भेज कर केंद्रीय कोल कंपनियों पर झारखंड का बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये दिलाने की मांग की है. गांधी जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के हजारीबाग में 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' की शुरुआत की है. इस अभियान में 83300 करोड़ रुपए की योजनाएं देश के 63000 ग्रामों में पांच करोड़ आदिवासियों के उत्थान के लिए लागू की जायेगी. देश के 30 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों के 2740 ब्लॉकों में इस योजना को चलाया जाएगा. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत वर्ष में 10.45 करोड़ अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं और 705 जनजाति समूह इसमें आते हैं. इस अभियान में 25 लक्ष्य तय किए गए हैं और 17 मंत्रालय व विभाग आपस में मिलकर इसमें काम करेंगे. इन 17 मंत्रालय में ग्रामीण विकास, जल शक्ति, ऊर्जा, नवीन ऊर्जा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पेट्रोलियम और नेचुरल गैस, महिला और बाल विकास, शिक्षा, आयुष, टेलीकॉम, स्किल डेवलपमेंट, इलेक्ट्रॉनिक और इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी, कृषि और किसान कल्याण, मत्स्य और पशु पालन विभाग, पंचायती राज, पर्यटन और जनजाति कल्याण विभाग रखे गए है. इसमें 1380 किलोमीटर सड़क, 250 बहुउद्देशीय केन्द्र, 500 आंगनबाड़ी केन्द्र, 10 छात्रावास, 275 मोबाइल मेडिकल यूनिट, 75800 घरों का विद्युतीकरण किया जाना है. दूसरी ओर झारखंड सरकार भी लगातार योजनाओं का उद्घाटन कर रही है. मुख्यमंत्री ने अनेक योजनाओं का भी उद्घाटन-शिलान्यास किया है. इसके साथ ही झारखंड सरकार मईंया सम्मान योजना को अपना मास्टर स्ट्रोक के बतौर पेश कर रही है.

> हेमंत सोरेन ने एक्स पोस्ट पर लिखा है कि हम दूसरे राज्यों की तरह विशेष राज्य का दर्जा नहीं मांग रहे हैं, अपना हक मांग रहे हैं. हेमंत सोरेन के अनुसार इस सवाल पर पूरी भाजपा की चुप्पी झारखंड का हक मारने की साजिश का हिस्सा है.

सुभाषित

अर्था भवन्ति गच्छन्ति लभ्यते च पुनः पुनः।
पुनः कदापि नायाति गतं तु नवयौवनम्।।

प्रयास और परिश्रम करने पर धन मिलता है. धन मिलता है तो वह नष्ट भी हो जाता है. नष्ट होने के बाद फिर धन की प्राप्ति होती है, परंतु यौवन यानी जवानी एक बार निकल हाथ से निकल जाये तो फिर उसकी वापसी नहीं होती, चाहे आप कितना भी जोर क्यों न लगा लें.

दिखावा बना स्वच्छता अभियान

तमाम असहमतियों के बावजूद मैं मोदी जी को कम से कम दो अच्छे काम या अच्छी पहल का श्रेय देता हूं. एक–साफ सफाई या स्वच्छता को महत्व देना और दूसरा घरों में शौचालय निर्माण को प्रोत्साहन और उसके लिए आर्थिक सहायता. हालांकि प्रारंभ में इन दोनों कामों मे जो उत्साह दिखा था, बाद में वह ठंडा पड गया और अंततः भारतीय समाज के संस्कार के अनुरूप वह दिखावा और लगभग कर्मकांड जैसा बन कर रह गया है.

यह महात्मा गांधी को झाड़ू तक सीमित करने का उपक्रम तो नहीं! तमाम असहमतियों के बावजूद मैं मोदी जी को कम से कम दो अच्छे काम या अच्छी पहल का श्रेय देता हूं. एक- साफ सफाई या स्वच्छता को महत्व देने; और दूसरा घरों में शौचालय निर्माण को प्रोत्साहन और उसके लिए आर्थिक सहायता. हालांकि प्रारंभ में इन दोनों कामों मे जो उत्साह दिखा था, बाद में वह ठंडा पड गया और अंततः भारतीय समाज के संस्कार के अनुरूप वह दिखावा और लगभग कर्मकांड जैसा बन कर रह गया है. जैसे कांग्रेसी दो अक्टूबर को चरखा कातने का कर्मकांड करते रहे हैं, अब भाजपाई झाड़ू लगाने का कर्मकांड करते हैं! इसके लिए कहीं न कहीं खुद मोदी जी भी जिम्मेदार हैं, जो हर मौके को 'ईवेंट' बना देने की कला में माहिर हैं. देखादेखी पार्टी के लोग भी वही करने लगे हैं. और अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए पूरा प्रशासन भी इसमें शामिल दिखता है. 'वीआईपी' लोग ऐसी जगहों पर झाड़ू लगाते हुए फ़ोटो खिंचाते हैं, जहां असल में कोई गंदगी होती ही नहीं. ऐसा भी हुआ है कि साहब के लिए बाहर से थोड़ा 'कचरा' लाकर डाल दिया गया, ताकि वे कैमरे में सचमुच 'सफाई' करते दिखें. इस दिखावे की शुरुआत भी प्रारंभ से ही हो गयी थी. एक संस्मरण साझा कर रहा हूं.

दो अक्टूबर, 2014. हम शिमला में थे. कनक (अब दिवंगत) और किरण जी के साथ. विशुद्ध पर्यटन के मकसद से. पहली बार हिमाचल प्रदेश गये थे. प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की ताजपोशी हो चुकी थी. इस कारण मन खिन्न भी था. मगर लगातार सफर, हिमाचल की खूबसूरती, सेब के बगानों और कहीं कहीं कड़कड़ाती ठंड ने मेरे दिमाग को राजनीतिक पचड़े से लगभग दूर रखा था. फिर भी सफर का प्रारंभ ही राजनीति से जुड़े एक रोचक-हास्यास्पद नजारे से हुआ था. हम शिमला सुबह पहुंचे थे. एक होटल में टिके. सुबह नाश्ते के बाद शहर का केंद्रीय आकर्षण स्थल- 'मॉल' (यह अमूमन हर पहाड़ी शहर में होता है) घूमने गये. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधी जयंती को स्वच्छता दिवस के रूप मनाने का ऐलान किया था. शिमला में हेमा मालिनी (सांसद) को उस कार्यक्रम की शुरुआत करनी थी. हमारे 'मॉल' पहुंचने तक कार्यक्रम हो चुका था. लोगों ने बताया कि हेमा मालिनी 'सफाई' कर सकें, इसके लिए कहीं से लाकर वहां कुछ कचरा डाल दिया गया था. इस तरह शिमला की सबसे साफ सुथरी जगह पर 'स्वच्छता अभियान' की औपचारिकता पूरी हुई. अगले दिन के अखबारों में खबर इसी रूप में छपी भी. वहां गांधी की प्रतिमा भी थी. हमने भी उनको नमन किया! तब से लेकर आज तक दिखावे और औपचारिकता का सिलसिला जारी है.

• **देश-काल**

श्रीनिवास

शौचालय निर्माण की योजना कुछ बेहतर चली, काफी हद तक सफल भी हुई. उसमें भी भ्रष्टाचार और खानापूरी का खेल चला. पानी की व्यवस्था नहीं हुई, तो बहुतेरे शौचालय बेमानी भी हो गये. कुछ का उपयोग दुकान, स्टोर या बकरी बांधने में भी होने लगा. वाहवाही लूटने के लिए गांव, प्रखंडों और राज्य तक को 'खुले में शौच से मुक्त' घोषित कर दिया गया, जबकि सच कुछ और है! भाजपा या मोदी का आलोचक होने के नाते नहीं, बिना किसी दुराग्रह के, एक जिम्मेवार नागरिक के तौर पर महसूस करता हूं कि तमाम शोर शराबे और स्वच्छता अभियान की सफलता के दावों के बावजूद समाज में सफाई का संस्कार नहीं बन सका है. कम से कम मेरे शहर (रांची) में तो कोई फर्क नहीं पड़ा है, बल्कि स्थिति बदतर हुई है. राज्य सरकार और नगर निगम सफाई के मामले में अक्षम साबित हुए हैं; और अब नागरिक के स्तर पर भी जागरूकता का कोई एहसास नहीं दिखता. अपने मोहल्ले यहां वहां गंदगी पसरी रहती है, किसी को फर्क नहीं पड़ता. मुझे याद है कि बचपन में गांव (बिहार) में 26 जनवरी और 15 अगस्त को सारे लड़के मिल कर गांव की सफाई करते थे. उसे भी कर्मकांड कह सकते हैं, लेकिन हम पूरी ईमानदारी और मेहनत से सफाई करते थे. अब वह भी बंद है. 2 अक्टूबर, जिसे 'स्वच्छता दिवस' कहा जाता है, को भी सिवाय सरकारी संस्थानों, दफ्तरों में, झाड़ू लगाते राज्यपाल और मुख्यमंत्री आदि के फोटो के अलावा और कहीं स्वेच्छा से अपनी प्रेरणा से सफाई करते हुए लोग नहीं दिखते हैं. इसके साथ एक चिंताजनक बात यह भी है कि प्रधानमंत्री ने गांधी के 'सत्याग्रह' को गैरजरूरी घोषित कर दिया है. अब 'स्वच्छाग्रह' को ही गांधी की पहचान बताने का प्रयास हो रहा है! कहीं यह जानबूझ कर तो नहीं किया जा रहा! क्या सचमुच भारत की स्थिति ऐसी हो गयी है कि देश के किसी समुदाय और तबके को अपनी उचित मांगों के लिए विरोध प्रदर्शन या 'सत्याग्रह' की जरूरत नहीं है? सरकार और उसके समर्थकों का रवैया तो यही है. सरकार और प्रधानमंत्री की आलोचना तक को वे देश का विरोध से बता देते हैं. इन्हीं स्थितियों में तो गांधी और प्रासंगिक हो जाते हैं; और उनका सत्याग्रह भी. झाड़ू तो एक पार्टी का चुनाव चिह्न ही है. गांधी के व्यक्तित्व से सत्य के प्रति निष्ठा और उसका आग्रह हटा दिया जाये, तो गांधी में बचेगा क्या? यह संदेह अकारण नहीं है कि कहीं यह गांधी और गांधीवाद पर झाड़ू फेरने की कोशिश तो नहीं है? साथ के फोटो पर गौर करें. एक में मोदी जी किसी मंदिर में पोछा लगा रहे हैं! जरूरत थी या शौकिया? दूसरे में झाड़ू लगा रहे हैं. यदि सड़क पर ऐसी गंदगी इसलिए पड़ी थी कि प्रधानमंत्री ही साफ करेंगे, तो लानत है इस व्यवस्था पर! कमाल यह भी कि दोनों अवसरों पर कोई उनके साथ नहीं है! इसलिए कि कोई और फोटो में न दिख जाये! **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• **बोधि-वृक्ष** डॉ. मयंक मुरारी

सृष्टि में देवी का अर्थ

बीज आत्मा है, तत्व है मिट्टी. एक है पुरुष, दूसरा है प्रकृति. लेकिन दोनों में एक शक्ति यानी तत्व की प्रधानता है. स्वामी विवेकानंद कहते है कि देवता भी प्रकृति की शक्तियां हैं. प्रकृति की अव्यक्त अवस्था में कोई देवता नहीं था. उस कालावधि में कोई पृथक शक्तियां भी नहीं थी. यह देव के पूर्व का कालखंड है. प्रकृति की शक्तियां ही देवतागण है. समस्त प्रपंचों में विद्यमान एक शक्ति की धारणा को ऋग्वैदिक ऋषियों ने अनुभूत किया था. उस आदिम अवस्था में वात नहीं था मरुत् नहीं थे. मरुत् को कोई पैदा भी नहीं किया था. ये मरुत् इस द्युलोक में स्वधया तदेकं यानी अपनी शक्ति से उत्पन्न हुए थे. इसी प्रकार अन्य शक्तियां भी उत्पन्न हुई. प्राण की भौतिक गति अवरुद्ध थी, परंतु उसका अस्तित्व तो था ही. आज जो भी अस्तित्व में है, वे असत काल में शांत हो जाती है. यह शक्ति है जो कभी प्रकट होकर प्रकृति बनती है और अप्रकट होकर शांत यानी असत् बनी रहती है. सृष्टि में देवी का अर्थ क्या है ? ईश्वर को देवी कहने का भाव है कि जो शक्ति प्रतिपल सृजन, पालन और संहार कर रही है, उसका स्वरूप स्त्रैण है. मैत्री, दाया, करुणा, प्रेम, श्रद्धा के भाव की प्रकृति स्त्रैण होता है. अगर पुरुष में भी इन गुणों का अभाव है तो वह शिखर की ओर आरोहण नहीं कर सकता है. सात्विक स्त्रैण गुण से ही जगत और जीवन में उत्कृष्टता आती है. कला, विद्या, साधना और भावना का रूप स्त्रैण है. अतएव उत्कृष्टता का स्वरूप सृजन में दिखता है, पालन में स्थित रहता है और संहार में विराजता है. जो ब्रह्म है, उसमें सृजन, पालन और संहार की शक्ति के कारण ही महादेवी के रूप में अर्चन किया गया. परमात्मा का स्वरूप देवी का है क्योंकि उसकी शक्ति से सृजन का संसार बनता है. परमात्मा अगर देवी नहीं, तो सृजन के बाद उसका पालन, सेवा और जीव में विद्या और कला का ज्ञान कौन भरता ! शक्ति जब विध्वंस करती है तो ईश्वर अपने देवी स्वरूप को ही प्रकट करते हैं. आखिर शक्ति के बिना शिव भी शव बन जाते है. भारतीय जीवन में देवी की महत्ता अवर्णनीय है. जीवन चक्र का काम त्रिदेव का है लेकिन उसको व्यवस्था देने और नियोजित तरीकें से बढ़ाने का जिम्मा देवियों की शक्ति पर होता है. ब्रह्मा को निर्माण की जानकारी देवी सरस्वती से मिलती है. माता लक्ष्मी का सहचर न मिले, तो विष्णु के लिए पालनकर्म का निर्वहन कठिन हो जाए. शिव इस जगत में संतुलन के लिए संहार की शक्ति एवं प्रेरणा माता गौरी से प्राप्त करते हैं. प्रकृति में ज्ञान का साकार स्वरूप माता सरस्वती है तो प्रकृति में धन, धान्य, रस और संपत्ति का प्रतिरूप माता लक्ष्मी है.

स्वार्थ में अपराधियों का महिमामंडन

• **सियासत**

विश्वनाथ सचदेव

गुरमीत राम रहीम कल तक बाबा राम रहीम के नाम से जाने जाते थे. आज बहुत से लोग उसे सजायाफ्ता अपराधी के रूप में ही पहचानना ज्यादा पसंद करते हैं. पर पंजाब और हरियाणा में आज भी बाबा राम रहीम को दैवीय शक्तियों वाले व्यक्तित्व के रूप में मानने वालों की संख्या कम नहीं है. और यही बात अपने कृत्यों के लिए आजीवन सज़ा भुगत रहे राम-रहीम को इन दोनों राज्यों की चुनावी राजनीति का ताकतवर मोहरा बनाये हुए है. जब तक बाबा को सज़ा नहीं मिली थी, चुनावी राजनीति के नफे-नुकसान के लिए राजनीतिक दलों के नेता खुलेआम उससे 'आशीर्वाद' प्राप्त किया करते थे. अब खुलेआम ऐसा करने से भले ही राजनेता बच रहे हों, पर बाबा के अनुयायियों की लाखों की संख्या देखते हुए वह इस 'प्रभाव' का लाभ उठाने से नहीं चूकते. शायद इसीलिए जब भी चुनाव आते हैं बीस साल की सज़ा भुगतने वाला यह बाबा राजनेताओं के लिए महत्वपूर्ण बन जाता है. हर ऐसे मौके पर बाबा किसी न किसी तरह जेल से बाहर आ जाता है. 'पैरोल' और 'फरलो' पर बाबा के छूटने की कहानी अपने आप में हैरान करने वाली है.

लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले राम रहीम को पचास दिन के पैरोल पर जेल से छोड़ा गया था. फरवरी, 2022 में बाबा को 21 दिन के पैरोल पर छोड़ा गया– पंजाब में चुनाव 14 फरवरी को होने थे. बाबा को 7 फरवरी को जेल से बाहर पहुंचा दिया गया. फिर जून, 2022 में हरियाणा के स्थानीय निकायों के चुनाव थे. इससे ठीक पहले, बाबा को 30 दिन के पैरोल पर रिहाई मिल गयी. फिर 15 अक्तूबर, 2022 को आदमपुर में उपचुनाव से पहले बाबा को चालीस दिन का पैरोल मिला था. इस तरह साल 2022 में राम रहीम 91 दिन जेल से बाहर रहा. साल 2023 में हरियाणा के पंचायत चुनाव से पहले बाबा को 21 जून को चालीस दिन के पैरोल पर छोड़ा गया. नवंबर 2023 में राजस्थान में चुनाव थे. तब भी बाबा 21 दिन जेल से बाहर था. अखबारों में छपे आंकड़ों के अनुसार, 2023 में राम रहीम कुल 91 दिन तक जेल से बाहर था. अब, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, बाबा ने फिर पैरोल पर छूटने के लिए अर्जी दे दी, और वह मंजूर भी हो गयी है.

ज्ञातव्य है कि बाबा अपनी दो शिष्याओं से दुराचार और एक पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के अपराध की सज़ा भुगत रहा है. हैरानी की बात यह है कि हर चुनाव के मौके पर यह दागी जेल से बाहर होता है. यह सही है कि अब ऐसे मौकों पर राम रहीम चुनावी सभाएं नहीं करता, पर सब जानते हैं कि हरियाणा और आसपास के राज्यों में बाबा का प्रभाव रंग दिखाने वाला है. यही रंग राजनेताओं को ऐसे अपराधियों की मदद लेने के लिए ललचाता है. सही यह भी है कि पैरोल या फरलो पर छूटना किसी भी कैदी का अधिकार है और घोषित रूप से यह अधिकार कोई सरकार नहीं, जेल प्रशासन प्रदान करता है. लेकिन सब जानते हैं कि संबंधित राज्य सरकारों की मर्जी पर ही यह छूट मिलती है– और सब यह भी जानते हैं कि जिस पार्टी की सरकार होती है वह अपने राजनीतिक लाभ-हानि के अनुसार ऐसे मामलों का उपयोग करती है. पैरोल के इस ताज़ा मामले में, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, राज्य सरकार ने संबंधित अपराधी की पैरोल पर रिहाई के लिए राज्य के चुनावी अधिकारी से आग्रह किया है कि बाबा को यह छूट दी जाये. सवाल यह उठता है कि चुनावी मौके पर बाबा जैसे अपराधियों को जेल से बाहर निकलने का मौका क्यों मिलता या दिया जाता है? क्या यह मात्र संयोग है कि अक्सर ऐसी छूट चुनाव के आसपास मिलती है? पैरोल पर जेल से बाहर आना किसी भी कैदी का अधिकार है और यह छूट देने का अधिकार जेल-प्रशासन को होता है, पर इस बात को नज़रअंदाज क्यों किया जाता है कि बाबा जैसे कैदी मतदान को प्रभावित कर सकते हैं और इसका लाभ उस वक्त की सरकार को मिल सकता है? अक्सर मिलता भी है. नियम यह कहते हैं कि 'अत्यंत आवश्यक' हो तभी कोई राज्य सरकार किसी कैदी को पैरोल पर रिहाई की सिफारिश कर सकती है. अंतिम निर्णय जेल प्रशासन के हाथ में होता है. संबंधित सरकारें यही तर्क देकर अपना बचाव करती हैं, पर कौन नहीं जानता कि इस नियम और परंपरा का अक्सर उल्लंघन होता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले राम रहीम को पचास दिन के पैरोल पर जेल से छोड़ा गया था. फरवरी, 2022 में बाबा को 21 दिन के पैरोल पर छोड़ा गया– पंजाब में चुनाव 14 फरवरी को होने थे. बाबा को 7 फरवरी को जेल से बाहर पहुंचा दिया गया. फिर जून, 2022 में हरियाणा के स्थानीय निकायों के चुनाव थे.

स्वयं के चुनाव पर निर्भर है हमारी भूमिका

• **प्रवृत्ति**

राजीव थेपड़ा

सभ्यता का विकास मनुष्य की धूर्तता का विकास भी है. कहने को तो इस संसार में मनुष्य नाम के जीव ने स्वयं को धरती के अन्य सभी जीवों की अपेक्षा सबसे सभ्य व विवेकशील जीव घोषित किया हुआ है, किंतु वास्तव में जब हम इस विषय पर विचार करने बैठते हैं तो हम यह पाते हैं कि मनुष्य ने केवल अपनी भौतिक सफलताओं को विकास का मापदंड समझा है. बहुत सारे मायनों में सभ्यता का विकास मनुष्य की धूर्तता, चालाकी और मक्कारियों का विकास है. उसकी कुटिलता का विकास है. भले ही हम अपने आपको इस धरती का सबसे सभ्य जीव मानते हैं. लेकिन स्वयं को यह उपाधि हमने स्वयं ही दी है. किसी अन्य जीव ने नहीं. यह भी सत्य है कि सभ्यता के इस विकास ने हमें जितना लोगों से जोड़ा है, उससे कई गुना लोगों से दूर भी किया है.

सभ्यता के आरम्भ में जिस प्रकार लोग कबीलों में रहा करते थे और संभवतः आपसी भाईचारे के साथ. क्या यह अपने आप में आश्चर्य की बात नहीं है कि आज लाखों वर्ष पश्चात हम अपने घर में भी घर की तरह नहीं रह पाते. दो भाइयों में भी टूट हो जाती है. सच तो यह है कि सभ्यता के विकास ने हमें व्यक्तिगत प्रतिष्ठा नामक अपने आपमें एक विचित्र सीख दी है. यह सीख अपने आपमें हमारे सामूहिक और सामुदायिक जीवन के लिए क्या मायने रखती है, यह तो एक अलग ही शोध का विषय है, किंतु व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत धन की आकांक्षा ने हमें अपने ही लोगों के प्रति बुरी तरह प्रतिस्पर्धी बना डाला है और यह प्रतिस्पर्धा इस कदर है कि समाज के दूसरे लोगों को तो छोड़िए, अपने स्वयं के घर में भी यह प्रतिस्पर्धा लगातार दिखाई देती है. अपने लोगों के साथ में छीना झपटी भी हमारी साभ्यतिक मौलिक और विवेकशील सोच है, जिसका कि कोई दूसरा जोड़ इस संसार में कहीं नहीं मिलता.

और तो और, इस व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत धन की आकांक्षा ने हमारे स्वभाव में ऐसा आमूल चूल परिवर्तन किया है कि हम दर्पण के सम्मुख खड़े होकर अपने आपको पहचान भी नहीं सकते हैं कि हम धरती पर अपना कौन सा किरदार निभाने आए थे और कौन सा किरदार निभा कर जा रहे हैं. एक्चुअली हमें अपने किरदार का, अपनी रूह का, अपनी आत्मा का तनिक भी नहीं पता है और इसके चलते हमने इस धरती पर सबसे बड़ी बात जो पाई है, जिस पर हम गर्व भी करते हैं, वह है अदाकारी.

> एक्चुअली हमें अपने किरदार का, अपनी रूह का, अपनी आत्मा का तनिक भी नहीं पता है और इसके चलते हमने इस धरती पर सबसे बड़ी बात जो पाई है, जिस पर हम गर्व भी करते हैं, वह है अदाकारी. अदाकारी तो एक अलग एवं प्रतिष्ठित कला का नाम है. किंतु हमने अदाकारी नाम की इस कला को भी अपनी मक्कारियों के जाल में फंसा लिया है.

अदाकारी तो एक अलग एवं प्रतिष्ठित कला का नाम है. किंतु हमने अदाकारी नाम की इस कला को भी अपनी मक्कारियों के जाल में फंसा लिया है. हमारी अदाकारी के पीछे छुपी हुई कुटिलता, मक्कारी, धूर्तता और चालाकियां. यह एक अलग ही मुकाम है, जो केवल मनुष्य नामक प्राणी ने व्यक्तिगत तौर पर अर्जित किया है और सफलता वह पड़ाव है, जिस पर पहुंचकर कोई व्यक्ति हीरो बनता है और वर्तमान समय में हीरोइज़्म का पर्याय केवल और केवल भौतिक सफलता हो चुकी है और इस भौतिक सफलता को पाने के लिए कोई भी येन-केण-प्रकारेण शीर्ष पर पहुंचने को व्याकुल है.

वास्तव में अब लोगों की प्रतिस्पर्धा इसी बात पर है कि कौन कितना कुटिल, मक्कार, चालाक और धूर्त हो सकता है. क्योंकि धन कमाने के लिए अब ये विशेष गुण ही अत्यंत आवश्यक हैं. देखा जाए तो ये शब्द भले ही अलग-अलग हैं, लेकिन सबका अर्थ दरअसल एक ही है. तो हम कहां जा रहे हैं? हम क्या कर रहे हैं? हम क्यों कर रहे हैं? हमें क्या करना है? हमें क्या करना चाहिए? लोगों से हमारे जुड़ाव किस तरह के होने चाहिए? लोगों से हमारे संबंध कैसे होने चाहिए? अब इस पर कोई विचार नहीं होता. उपरोक्त बातें अब केवल और केवल दर्शनशास्त्र का विषय भर रह गई हैं. अब इस पर कोई बातें भी करता है तो वह पिछड़ी हुई मानसिकता का समझा जाता है और निःसंदेह दुनिया पिछड़े मानसिकता के लोगों के तो लिए कतई नहीं है. क्योंकि दुनिया को तो प्रगति करनी है ना. विकास करना है ना. इसलिए उसे प्रत्येक दिन प्रति व्यक्ति आय अथवा इसी तरह के अन्य तरह के आंकड़ों के अनुपात में आगे बढ़ते रहना है. अब ये आंकड़े हमारी आत्मा को कितना डुबोते हैं, कितना कुचलते हैं, कितना कचोटते हैं, इस पर विचार करने का हमें तनिक भी समय नहीं है और ना ही इस दिशा में अब हमारी कोई सोच जाती है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

पश्चिम एशिया में बहुपक्षीय युद्ध में तेजी

ईरान द्वारा 1 अक्टूबर को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से किया गया हमला पश्चिम एशिया में बहुपक्षीय संघर्ष में भयानक इजाफे का प्रतीक है. इस हमले में कुछ भी अचरज नहीं है, क्योंकि ईरान पर, घरेलू और क्षेत्रीय स्तर पर, अपने सहयोगियों की तरफ से, बार-बार इजराइली उकसावों का जवाब देने का दबाव था. यह इजराइल ही था जिसने 1 अप्रैल को सीरिया के दमिश्क में ईरान के दूतावास परिसर पर हमला करके युद्ध को सीधे ईरान के खेमे तक ले गया. ईरान ने इसका जवाब 14 दिन बाद इज़राइल पर अपने पहले सीधे हमले से दिया, जिससे इजराइल और उसके सहयोगियों को इसका सामना करने की तैयारी के लिए पर्याप्त वक्त मिल गया. इजराइल की जवाबी प्रतिक्रिया इस्फहान में एक रडार प्रणाली पर एक प्रतीकात्मक, लावारिस हमले के रूप में थी. जुलाई के अंत में, इजराइल ने तेहरान में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानियेह की हत्या करके संघर्ष को फिर से बढ़ा दिया. ईरान ने जवाबी कार्रवाई की कसम खाई, लेकिन संयम दिखाया और गाजा में युद्धविराम होने पर गोलीबारी रोकने का वादा किया. लेकिन इजराइल ने न सिर्फ गाजा के खिलाफ युद्ध जारी रखा, बल्कि उत्तर में हिज्बुल्लाह से भिड़कर युद्ध का विस्तार भी किया. पिछले महीने के अंत में, इजराइल ने लेबनान पर हमलों की झड़ी लगा दी, जिसमें हिज्बुल्लाह के कमांडरों और उसके मुखिया हसन नसरल्लाह की मौत हो गई. अब, इजराइल द्वारा 1 अक्टूबर के हमले का जवाब देने की धमकी के साथ, यह संघर्ष और ज्यादा खतरनाक दौर में पहुंचने वाला है.मौजूदा घमासान में कोई भी पक्ष अपने प्रतिद्वंद्वियों पर हमले से बाज नहीं आ रहा है. इज़राइल की ज्यादा मारक क्षमता ने हमास को 7 अक्टूबर, 2023 को हमला करने से नहीं रोका. इज़राइल की प्रतिशोध की धमकियों ने हिज्बुल्लाह या फिर हौथी विद्रोहियों को इस यहूदी देश पर हमला करने से नहीं रोका. न ही ईरान का 'प्रॉक्सी नेटवर्क' और उसकी मिसाइल क्षमता सीरिया में ईरानी दूतावास परिसर पर बमबारी करके इजराइल को युद्ध का विस्तार करने से रोक सकी. और इजराइल के परमाणु हथियारों ने ईरान को इस देश पर सीधे हमले करने से नहीं रोका. जैसे-जैसे प्रतिरोधक बेअसर होते गए, संकट बढ़ता और व्यापक होता गया. जिस चीज ने हालात को और बदतर बना दिया है वह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा नेतृत्वकारी भूमिका से मुंह मोड़ना है. उन्होंने क्षेत्रीय युद्ध को रोकने के वास्ते अपने राजनयिक संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इजराइल को गाजा में खुली छूट दे रखी है. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा एक के बाद एक खतरे की रेखा को लांघना जारी रखने के बाद भी वह टस-से-मस नहीं हुए हैं. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मुक्त/मुक्ता/मुक्ति

मुक्त, मुक्ता और मुक्ति. ये तीनों शब्द संस्कृत तत्सम हैं और तीनों जबरदस्त प्रचलित हैं. इनका प्रयोग हम अपने दैनंदिन जीवन में बार-बार करते हैं या कहें कि करना पड़ता है. जहां तक संबंध की बात है तो मुक्त शब्द छाया रूप में तीनों में विराजमान है. इसलिए पहले मुक्त को समझना आवश्यक है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार मुक्त शब्द का अर्थ है आजाद, स्वतंत्र, स्वाधीन, निर्बाध, बंधनहीन, उन्मुक्त, स्वामीहीन, स्वेच्छाधारी, पुराण के दृष्टिकोण से मोक्ष प्राप्त, क्षिप्त यानी फेंका हुआ. काव्यशास्त्र के अनुसार जिस काव्य या कविता में प्रबंधकीयता नहीं होती यानी एक छंद में कही गयी बात का दूसरे से तारतम्य नहीं हो, उसे मुक्तक कहा जाता है. वहीं जिसकी आवाज स्पष्ट हो, बेधड़क बोलनेवाला हो, जोर से बोलनेवाला हो उसे मुक्तकंठ कहते हैं. जो उदारतापूर्वक और अधिक मात्रा में दान देता हो उसे मुक्तहस्त या खुले हाथवाला कहा जाता है. वहीं मुक्ता का मतलब है सीपी से निकलनेवाला एक श्वेत रंग का बहुमूल्य रत्न. इसे मोती के रूप में हम अच्छी तरह जानते हैं. मोती को नीरज और मुक्तामणि भी कहते हैं. इस हिसाब से कह सकते हैं कि मुक्त और मुक्ता के बीच कोई अर्थगत संबंध भले ही न हो, लेकिन व्युत्पत्ति पर गौर करें तो मोती मुक्ता इसलिए है कि वह सीपी में जन्म लेता है और जब सीपी से मुक्त होता है, तभी मुक्ता या मोती कहलाता है. हां मुक्त का मुक्ति से सीधा संबंध अवश्य है. मुक्त विशेषण है और मुक्ति संज्ञा स्त्रीलिंग. इसलिए कि मुक्ति का मतलब ही होता है मुक्त होना. जैसे सीपी से मुक्त होने के बाद मोती मुक्ता बन जाता है, उसी प्रकार बंधन आदि से छूटने की अवस्था या भाव को मुक्ति कहते हैं. पुराणों के अनुसार जन्म-मरण रूपी बंधन से छुटकारा मिलने मुक्ति या मोक्ष कहा जाता है. मुक्ति का मतलब ब्रह्म स्वरूप की प्राप्ति, किसी दायित्व से छूटने की क्रिया या भाव, किसी अभियोग, नियम, ऋण आदि से छूटने की स्थिति.

मानव का दिव्यगुण है लेटलतीफी

• **तीर-तुक्का**

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

कौन बनेगा करोडपति (केबीसी) में लाख टके का एक प्रश्न पूछा गया. दुनिया में किस देश के लोग सबसे ज्यादा लेट-लतीफ होते हैं ? चार ऑप्शन दिए गए – ब्रिटेन, ब्राजील, भारत और बंगलादेश. हॉट सीट पर बैठे हुए व्यक्ति का जवाब था, भारत. पूछा गया, आपको यह जवाब कैसे सूझा? उत्तर था, अपने अनुभव से. थोड़ी देर मौन छाया रहा. कुछ देर बात जब मौन टूटा तो बताया गया, मैं भी कुछ ऐसा ही सोचता था, लेकिन यह---"ग़लत" है. दर्शकों को यह सुनकर बड़ा ताज्जुब हुआ. यदि भारत सबसे ज्यादा लेट-लतीफ देश नहीं है तो भला और कौन हो सकता है? बेशक भारत में भी और देशों की तरह समय की पावंदी की ही शिक्षा दी जाती है. बच्चों को कहा जाता है कि वे अपने स्कूल ठीक समय पर पहुंचें. दफ्तरों में उम्मीद की जाती है कि, अफसरान आएं न आएं, सभी कर्मचारी नियत समय पर आ जाएं. लेकिन ऐसा होता नहीं है. हम सब चाहते तो ज़रूर हैं कि लेट न हों लेकिन हो जाते हैं. क्या किया जाए ? एक बार मुझे एक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया. मैं हस्ब-मामूल ठीक समय पर पहुंच गया. लेकिन वहां अभी पंडाल ही लगाया जा रहा था. किसे उम्मीद थी कि मैं वक्त पर पहुंच जाऊंगा? हमारा देश तो एक ऐसा देश है जहां नेता लोग, लेट लतीफी की बात कौन करे, पहुंचना ही भूल जाते हैं. ऐसे में यह सोचना कि लेट-लतीफी में भारत से बढकर कोई दूसरा देश भी हो सकता है, बड़े आश्चर्य की बात लगती है. लेकिन कहा यह जाता है कि भारत नहीं, ब्राजील वह देश है जो अपनी लेट लतीफी के लिए सर्वाधिक विख्यात है. वहां लेट लतीफी को कुछ इस तरह विकसित कर लिया गया है कि यदि कहीं भूले से भी आप समय से पहुंच जाएं तो आपको अनामंत्रित समझ लिया जाएगा. भोजन के लिए आमंत्रित हैं तो फिर तो समय से जाना और भी गलत होगा. आपको भोजन बन जाने तक का इंतज़ार करना पड़ सकता है. और "भुक्खड़" मान लिया जाएगा सो अलग. लेट-लतीफी वहां की संस्कृति का एक हिस्सा है. वहां का आदर्श वाक्य है – "ज़िंदगी एक ठहराव है." जल्दी का काम शैतान का. "आज करे सो कल कर, कल करे सो परसों / हाय हाय क्यों करता है, जीना है बरसों !" लेट आए दुरुस्त आए. लेट-लतीफी, जैसा शब्द से ही प्रतीत होता है, एक बड़ी नायाब चीज़ है. लेट अंग्रेज़ी का शब्द है जिसका अर्थ है, विलम्ब; और लतीफ़ उर्दू का शब्द है. लतीफ़ का मतलब होता है खुश, ज़िंदादिल. यानी लेट होइए और खुश रहिए. जिंदादिली तो लेट होने में ही है. वक्त की पावंदी की बात तो सभी लोग बड़ी गंभीरता से करते ही रहते हैं.

झारखंड की नौ देवियां

हिमकर श्याम

महाशक्ति की आराधना का पर्व है नवरात्रि. नौ दिन तक चलने वाले पर्व नवरात्रि के तीन-तीन दिन तीन देवियों को समर्पित होते हैं. ये तीन देवियां हैं- मां दुर्गा (शौर्य की देवी), मां लक्ष्मी (धन की देवी) और मां सरस्वती (ज्ञान की देवी). झारखंड में शक्ति पूजा की प्रथा अनादि काल से है, जो मूलतः मातृ पूजा का ही एक प्रकार है. मातृ पूजा के प्रमाण और साक्ष्य सिन्धु घाटी की सभ्यता से भी मिले हैं. मान्यतानुसार देवियां अधिक शक्तिशाली मानी जाती हैं. यहां के आदिवासी आदि काल से ही हिंदू देवी-देवताओं की पूजा करते रहे हैं. गांव-गांव में विद्यमान प्राचीनतम देवी-मंडप इसके प्रमाण हैं. झारखंड की नौ प्रमुख देवी मन्दिरों पर लोगों की अपार श्रद्धा है.

रामगढ़ का मां छिन्नमस्तिका मंदिर

रांची से करीब 80 किमी दूर रामगढ़ के रजरप्पा में स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर एक बड़े शक्तिपीठ के रूप में विख्यात है. भैरवी, भेड़ा और दामोदर नदी के संगम पर स्थित यह पीठ तंत्र साधना का भी बड़ा केंद्र है. इसके निर्माण काल को लेकर पुरातात्विक विशेषज्ञों में मतभेद है. किसी के अनुसार इसका निर्माण छह हजार वर्ष पहले हुआ था तो कोई इसे महाभारत युग का मानता है.

रांची-टाटा का दिउड़ी मंदिर

रांची-टाटा रोड पर तमाड़ से तीन किमी दूर स्थित है प्राचीन दिउड़ी मंदिर. यह दो एकड़ में फैला है. यहां सोलहभुजी मां दुर्गा विराजती हैं. इस मंदिर को आदिवासी और हिन्दू संस्कृति का संगम कहा जाता है. इस मंदिर के पुजारी मुंडा पाहन होते हैं. पाहन और ब्राह्मण दोनों पूजा कराते हैं. इस मंदिर की स्थापना पूर्व मध्यकाल में तकरीबन 1300 ई. में सिंहभूम के मुंडा राजा केरा ने की थी. कहते हैं कि सम्राट अशोक इस देवी के दर्शन के लिए आते थे.

लातेहार का उग्रतारा मंदिर

लातेहार के चंदवा प्रखंड के नगर गांव स्थित मां उग्रतारा मंदिर में दुर्गा पूजा का पर्व बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है. यहां सोलह दिनों की नवरात्र साधना होती है. कैथी भाषा में लिखी पांच सौ वर्ष पुरानी पोथी का अनुसरण करते हुए पूजा अनुष्ठान कराया जाता है. मंदिर के निर्माण के संबंध में 'पलामू विवरणिका 1961' में लिखा गया है कि मंदिर बनवाने का श्रेय प्रसिद्ध वीर मराठा रानी अहिल्याबाई को है. यहां दूर-दूर से लोग मां के दर्शन को आते हैं.

दुमका का मौलिक्षा मंदिर

दुमका जिले में शिकारीपाड़ा के पास बसे गांव मलूटी को गुप्त काशी कहा जाता है. यहां पर मौलिक्षा माता का मंदिर है. यहां मां के मस्तक के ही दर्शन किये जा सकते हैं. मंदिर के भीतर गर्भगृह एवं ऊंचे चबूतरा पर मां की सौम्य भव्य प्रतिमा स्थापित है. मां मौलिक्षा, मां तारा की बड़ी बहन के रूप में जानी जाती हैं. यद्यपि मां मौलिक्षा की पूजा देवी दुर्गा के सिंहवाहिनी के रूप में की जाती है.

चतरा का मां भद्रकाली मंदिर

चतरा के इटखोरी प्रखंड मुख्यालय से करीब डेढ़ किमी दूर स्थित भदुली गांव में मां भद्रकाली मंदिर स्थित है. कमल के आसन पर मां भद्रकाली की आदमकद प्रतिमा वरदायिनी मुद्रा में है. मां की चतुर्भुज प्रतिमा करीब साढ़े चार फीट ऊंची और ढाई फीट चौड़ी है. प्रतिमा के चरणों के नीचे ब्राह्मी लिपि में लिखा है कि इसका निर्माण नौवीं शताब्दी में राजा महेंद्र पाल द्वितीय ने कराया था.

गुमला का महामाया मंदिर

गुमला जिला मुख्यालय से से 30 किमी और घाघरा प्रखंड से आठ किमी दूर अवस्थित है हापामुनी गांव. यहां अति प्राचीन महामाया मंदिर है. इस मंदिर की स्थापना विक्रम संवत 965 यानी 908 ई में महाराजा मोहन राय के बेटे गजघंट द्वारा की गई थी. महामाया मां को मंजूषा में बंद करके रखा जाता है. मां को खुली आंख से देखने की परंपरा नहीं है.

गोड्डा का मां योगिनी मंदिर

गोड्डा जिले के पथरगामा प्रखंड में स्थित मां योगिनी मंदिर तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध है. ग्रन्थों के अनुसार यहां पांडवों ने अपने अज्ञात वर्ष के कई दिन बिताए थे. तब यह मंदिर 'गुप्त योगिनी' के नाम से प्रसिद्ध था. मां योगिनी मंदिर के ठीक बायीं ओर से 354 सीढ़ी ऊपर चढ़ने पर मां का गर्भगृह मिलता है. तन्त्र साधना के लिए भी यहां बंगाल से भी काफी भक्त आते हैं.

गढ़वा की गढ़देवी

गढ़वा महाराजा की अधिष्ठात्री कुल देवी हैं गढ़देवी. मंदिर उनके गढ़ के प्रांगण में स्थित है. 1915 के सर्वे में इस मंदिर का प्रमाण मिलता है. गढ़ के महाराज द्वारा इस मंदिर का निर्माण करा देवी की प्रतिमा स्थापित की गयी थी. वर्ष 1914 में गढ़वा के जमींदार सह गढ़ के राजा बाबू अमरदयाल सिंह द्वारा पहली बार बंगाली पद्धति से मां गढ़देवी मंदिर में पूजा की गई थी. इस मंदिर के नाम पर शहर का नामकरण गढ़वा हुआ. यहां भी झारखण्ड, बिहार एवं यूपी के श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं. मां के प्रति अपार श्रद्धा है. भक्तों की हर मनोकामना मां पूर्ण करती हैं.

चतरा का कौलेश्वरी मंदिर

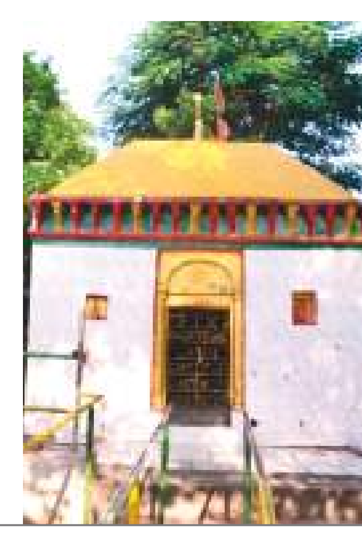

चतरा के हंटरगंज प्रखंड से छः किलोमीटर दूर स्थित मां कौलेश्वरी मंदिर आस्था का केंद्र है. कोल्हुआ पहाड़ की चोटी पर बने इस मंदिर में मां कौलेश्वरी की दिव्य प्रतिमा स्थापित है. इसे दसवीं सदी में बनाया गया था. राजा विराट ने माता की प्रतिमा स्थापित की थी. कौलेश्वरी सिद्धपीठ के रूप में चिन्हित है. वैसे कौलेश्वरी जैन और बौद्ध धर्म के लोगों के लिए भी आस्था का बड़ा केंद्र है.

नवरात्रि में मां विंध्यवासिनी के दर्शन से मिलता सुख-सौभाग्य

आचार्य प्रणव मिश्रा

विंध्याचल त्रिशक्ति पीठ का संगम है. यहां साक्षात माता महालक्ष्मी, महासरस्वती और महाकाली का निवास स्थान है जिसे त्रिकोण कहा जाता है. त्रिकोण यात्रा बहुत ही शुभ माना जाता है. साल में चार नवरात्र में यहां मां का भव्य पूजन होता है. लाखो भक्त पहुंचते हैं और उनकी मनोकामना भी पूर्ण होती है. शिव पुराण में मां विंध्यवासिनी को सती माना गया है तो श्रीमद्भागवत में नंदजा देवी कहा गया है. मां के अन्य नाम कृष्णानुजा, वनदुर्गा भी शास्त्रों में वर्णित हैं. इस महाशक्तिपीठ में वैदिक तथा वाम मार्ग विधि से पूजन होता है. लगभग सभी पुराणों के विंध्य महात्म्य में इस बात का उल्लेख है कि 51 शक्तिपीठों में मां विंध्यवासिनी ही पूर्णपीठ है.

यह है कथा

विन्ध्य पर्वत श्री हरि को अपने तपस्या से प्रसन्न कर वर मांगा. तप की मद में चूर होकर अपना आकर बढ़ाने लगा. अपना आकर इतना बड़ा कर लिया कि वह हिमालय से भी बड़ा हो गया. सूर्य को ढक लिया. इसके बाद पूरे ब्रह्माण्ड में हाहाकार हो गया. सभी देवी देवता भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा जी के पास गए कि विन्ध्य पर्वत को रोकें. पर वह नहीं माना. तब सभी मिलकर विन्ध्य के गुरु अगस्त ऋषि के पास गए. महात्मा अगस्त तैयार हो गए. विन्ध्य पर्वत अपने गुरु को आता देख झुककर प्रणाम किया. तब अगस्त ऋषि ने कहा कि मैं पर्वत के उस पार जा रहा हूं, जब तक नहीं लौटता हूं, तुम ऐसे ही रहना. गुरु आज्ञा मान विन्ध्य पर्वत झुका रहा. बहुत दिन बीत जाने के बाद जब वे वापस नहीं आए तब विन्ध्य पर्वत रोने लगा और गुरु से प्राथना किया कि गुरु जी अपना वचन वापस ले. गुरु अगस्त ने बताया कि तुम्हारे घमण्ड के कारण इस पृथ्वी को कष्ट हो रहा था इसका दंड मिला है. तब विन्ध्य पर्वत ने क्षमा मांगी. तब अगस्त ऋषि ने माता को सशरीर स्थापित किया और आशीर्वाद दिया कि तेरा स्थान हिमालय और गंगा से भी उच्च होगा. तब से आज तक माता विंध्याचली का वहां वास हुआ.

सीता कुंड

मां विंध्याचली के मंदिर से छः किलोमीटर की दूरी पर सीता कुंड है. मान्यता है कि माता सीता ने खुद इसका निर्माण किया था. इसका पानी हमेशा ठंडा व साफ रहता है. भक्त मानते हैं कि इसमें स्नान से रोग दूर होते हैं.

माता रानी को अर्पित करें गुलाब के फूल के साथ लौंग

आचार्य अजय मिश्रा

नवरात्रि चल रही है. तंत्र साधना, टोटकों के लिए ये नौ दिन खास महत्व के होते हैं. आइए, आज हम इन दिनों उपयोग किए जाने वाले कुछ ऐसे टोटके जाने जो सुख, समृद्धि और सौभाग्य के द्वार खोल देंगे.

- एक पीपल के पत्ते पर राम लिखकर उसपर कुछ मीठा रखें और किसी हनुमान मंदिर में चढ़ा आएं. इससे धन संबंधी समस्याएं दूर होने लगती हैं.
- घर में होने वाले कलेश से परेशान रहते हैं तो एक पीले कपड़े में लौंग का एक जोड़ा बांधकर इसे घर के किसी कोने में टांग दें.
- नवरात्रि के दिनों में हनुमान जी की मूर्ति के सामने चमेली के तेल का दीपक जलाएं. इस दीपक में दो लौंग डाल दें. इसके बाद हनुमान और दुर्गा चालीसा का पाठ करना चाहिए. इस टोटके को करने से सारे रुके काम पूरे हो जाते हैं.
- आर्थिक तंगी से परेशान हैं तो माता रानी को गुलाब के फूल और दो लौंग अर्पित करें. एक लाल रंग के कपड़े में 5 लौंग और 5 कौड़ियों बांधकर तिजोरी में रखने से भी लाभ मिलता है.

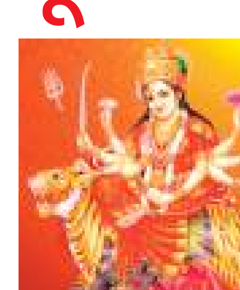

- नवरात्रि के पहले दिन माता दुर्गा की मूर्ति के सामने एक सिक्का रखें और इसमें कुमकुम लगाएं. माता को भी कुमकुम का तिलक लगाएं. इस सिक्के को नौ दिन तक तस्वीर या मूर्ति के पास रखा रहने दें और इसमें रोज कुमकुम लगाएं. कलश के भीतर भी एक सिक्का रखें जिसमें अक्षत और कुमकुम डालें. नवमी तिथि के दिन कलश के सिक्के को और माता के पास रखें सिक्के को उठाकर घर की तिजोरी या अपनी पर्स में रखें.
- कोई आपका हिस्सा या हक खा रहा हो तो एक छोटा सा उपाय करें. नवरात्रि में किसी दिन एक सफेद कौड़ी को जला कर भस्म कर लें. अब इस भस्म को सुविधानुसार संबंधित व्यक्ति के घर में कहीं रख दें. जल्द ही असर नजर आएगा.
- अगर नौकरी की तलाश में हैं, तो नवरात्रि के समय किसी भी दिन ब्रह्म मुहूर्त में बिना दाग वाला नींबू लें. नींबू को जेब में रख लें. इसे दोपहर 12 बजे किसी सुनसान चौराहे पर जाकर चार टुकड़े कर के चारों दिशाओं में दूर-दूर फेंक दें. ध्यान रहे कि इसे फेंकते वक्त कोई देखे नहीं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

2009 में पहली बार हुआ था महिला टी20 विश्व कप, पहला खिताब इंग्लैंड ने जीता था

एजेंसी। नयी दिल्ली

महिला टी20 विश्व कप 2024 की शुरुआत गुरुवार से हो गयी. टी20 विश्व कप का पहला सेशन साल 2009 में हुआ था. इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच पहला फाइनल खेला गया. इसमें इंग्लैंड ने 6 विकेट से मैच जीतकर पहली बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया था. इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करके 86 रन का स्कोर खड़ा किया था. चेज करते हुए कीवी टीम 85 रन पर ही ऑल आउट हो गई थी. टी20 विश्व कप भारत का कैसा रहा है प्रदर्शन? भारत आज तक टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं कर सका है. भारतीय टीम एक बार सिर्फ साल 2020 के विश्व कप फाइनल में पहुंची थी. लेकिन वहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था. ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था.

टीम इंडिया 2020 में फाइनल खेली थी, उपविजेता बनकर करना पड़ा था संतोष

किसने जीता सबसे अधिक बार टूर्नामेंट?

अब तक महिला टी20 विश्व कप के कुल 8 सीजन खेले गए हैं. इसमें 6 बार ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने बाजी मारी है. ऑस्ट्रेलिया ने साल 2010, 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में इस खिताब पर कब्जा जमाया है. जो कि सबसे अधिक है.

विश्व कप में किसने बनाए अधिक रन?

आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड सूजी बेट्स के नाम है. सूजी ने न्यूजीलैंड के लिए खेलते हुए 36 मैचों में 1066 रन बनाए हैं. उनके नाम 8 अर्धशतक है. उनका उच्चतम स्कोर 194 नाबाद का रहा है.

किसने लिए सबसे अधिक विकेट?

टी20 विश्व कप में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका की शबनीम इस्माइल के नाम है. शबनिम ने 32 मैचों में कुल 43 विकेट अपने नाम किए हैं. उन्होंने कुल 656 रन दिए हैं. उनका बेस्ट 5 रन देकर 3 विकेट है.

टीम इंडिया आज खेलेगी अपना पहला मैच, न्यूजीलैंड से होगी भिड़ंत

भारत को पहले खिताब का इंतजार, न्यूजीलैंड दो बार का उप विजेता

एजेंसी। नयी दिल्ली

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की शुरुआत हो चुकी है. भारतीय टीम शुक्रवार को महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के अपने शुरुआती मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी. तो सीनियर स्टार खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की दरकार होगी. अपना आखिरी टी20 विश्व कप खेल रही कप्तान हरमनप्रीत कौर कई बार खिताब के करीब पहुंचकर चूकने और निराशाजनक क्षणों की गवाह रही हैं. हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2020 में मेलबर्न में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार भी शामिल है. अतीत की तरह यह भारतीय टीम भी प्रतिभा से भरपूर है और संभवतः केवल ऑस्ट्रेलिया के पास ही इतनी अच्छी टीम है. लेकिन मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के पास छह टी20 विश्व कप खिताब हैं जबकि भारत को पहले खिताब का इंतजार है.न्यूजीलैंड दो बार का उप विजेता है और उनके खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करनी होगी. भारत के लिए जीत के साथ आगाज करना महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और पाकिस्तान भी हैं. भारत को अपने शीर्ष खिलाड़ी हरमनप्रीत, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा से महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद होगी. शेफाली और मंधाना शानदार फॉर्म में हैं. उन्होंने जुलाई में श्रीलंका में एशिया कप में अपने पिछले इंटरनेशनल मैच में रन बनाए लेकिन भारत फाइनल में मेजबान टीम से हार गया था. मंधाना ने पिछली पांच टी20 पारियों में तीन अर्द्धशतक जड़े हैं. मैच में पूरी संभावना है कि भारत सिर्फ दो तेज गेंदबाजों को खिलाएगा और स्पिनरों पर अधिक निर्भर रहेगा. ऑफ स्पिनर की कमान दीप्ति और श्रेयंका पाटिल, लेग स्पिनर आशा शोभना और बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव के कंधों पर होगी.

टी20 विमेंस वर्ल्ड कप : शारजाह में खेला गया टूर्नामेंट का पहला मैच

बांग्लादेश ने स्कॉटलैंड को हराया

कप्तान कैथरीन ब्राइस ने पहली बड़ी कामयाबी दिलाई.

एजेंसी। शारजाह

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप का आगाज हो गया. टी20 वर्ल्ड कप का पहला मुकाबला बांग्लादेश महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम बनाम स्कॉटलैंड महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बीच शारजाह के शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. लो-स्कोरिंग मुक़ाबले में बांग्लादेश ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए स्कॉटलैंड को 16 रन से हरा दिया. यह बांग्लादेश महिला टीम की टी20 वर्ल्ड कप में एक दशक में पहली जीत है. बांग्लादेश ने स्कॉटलैंड के सामने 120 रनों का मामूली लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में स्कॉटलैंड 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 103 रन ही बना सकी. टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश के टीम का आगाज बेहतरीन रहा और पहले विकेट के लिए दोनों सलामी बल्लेबाजों ने 26 रन बोर्ड पर जड़ दिए. लेकिन फिर बांग्लादेश की टीम लड़खड़ा गयी. स्कॉटलैंड की टीम को कप्तान कैथरीन ब्राइस ने पहली बड़ी कामयाबी दिलाई. स्कॉटलैंड की ओर से सास्किया हॉर्ले ने सबसे ज्यादा तीन विकेट अपने नाम की. सास्किया हॉर्ले के अलावा कैथरीन ब्राइस, ओलिविया बेल, कैथरीन फ्रेज़र ने एक-एक विकेट लिए. बांग्लादेश की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 119 रन बनाए. बांग्लादेश की तरफ से शोभना मोस्टोरी ने सबसे ज्यादा 36 रनों की उम्दा पारी खेली. अपनी इस पारी के दौरान शोभना मोस्टोरी ने 38 गेंदों पर दो चौके भी जड़ें. शोभना मोस्टोरी के अलावा शाति रानी ने 29 रन बनाए. ब्राइस ने खेली नाबाद 49 रन की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही. टीम ने 12 रन के स्कोर पर सस्किया हॉर्ली का विकेट गंवाया दिया. कप्तान कैथरीन ब्राइस 11 रन बनाकर मारुफा अख्तर का शिकार बनीं. ऐलसा लिस्टर भी 11 रन का ही योगदान दे सकीं. इसके बाद तो जैसे विकेटों की झड़ी लग गयी. स्कॉटलैंड की तरफ विकेटकीपर बल्लेबाज सेरा ब्राइस ने नाबाद 49 रन की पारी खेलीं. उन्होंने टीम को जीत दिलाने के लिए आखिर तक लड़ाई लड़ी लेकिन नाकाम रहीं. बांग्लादेश की तरफ से रितू मोनी ने दो विकेट चटकाए.

अजहरुद्दीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलब

एजेंसियां। नयी दिल्ली

▪ ईडी ने कांग्रेस नेता को यह पहला समन जारी किया है

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के वित्तीय घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को तलब किया है. ईडी ने उन्हें गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया है. वे एचसीए के अध्यक्ष रह चुके हैं.

आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को वित्तीय घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है. ईडी ने कांग्रेस नेता को यह पहला समन जारी किया है, जिसके तहत उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होना है.

पूर्व क्रिकेटर पर अपने कार्यकाल के दौरान धन की हेराफेरी का आरोप है. यह हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम के लिए डीजल जनरेटर, अग्निशमन प्रणाली और छतरियों की खरीद के लिए आवंटित 20 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी से जुड़ा मामला है. अजहरुद्दीन सितंबर 2019 में एचसीए अध्यक्ष चुने गए थे. एपेक्स काउंसिल के फंड की हेराफेरी के आरोप में एक्शन लेने के बाद जून 2021 में उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा था.

दक्षिण अफ्रीका के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हटे तबरेज शम्सी

नयी दिल्ली । स्पिनर तबरेज शम्सी ने अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर होने का फैसला किया है. 2016 में दक्षिण अफ्रीका की टीम में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से उन्होंने सभी प्रारूपों में कुल 167 विकेट लिए हैं. क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने एक संयुक्त बयान में बताया कि इस कदम से 34 वर्षीय शम्सी को दुनिया भर की अलग-अलग लीगों में भाग लेने के लिए स्वतंत्रता मिलेगी, जबकि वह सफेद बाल के दोनों प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध रहेंगे.

2024-25 के लिए मेकॉन क्रिकेट टीम का सेलेक्शन ट्रॉयल 15-16 अक्टूबर को

संवाददाता । रांची

मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब द्वारा सत्र 2024-25 के लिये मेकॉन क्रिकेट टीम के चयन के लिए दो दिवसीय चयन ट्रायल का आयोजन किया गया है. 15 और 16 अक्टूबर को आयोजित चयन ट्रायल मेकॉन स्टेडियम में आयोजित होगा. मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के सचिव पी के दास ने बताया कि मेकॉन स्टेडियम में सुबह 9 बजे से चयन ट्रायल होगा, जिसमें महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, जिला और राज्य स्तरीय खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं. खिलाड़ियों की उम्र 16 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए. चयनित खिलाड़ियों को स्टाइपेंड दी जायेगी. ट्रायल में भाग लेने के लिए इच्छुक खिलाड़ियों को 15 अक्टूबर को मेकॉन स्टेडियम में सुबह 8.30 बजे मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के क्रिकेट विंग के सचिव विकास कुमार सिंह को रिपोर्ट करना है.

29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के क्वाफा में विष्णु व माया

नयी दिल्ली । एशियाई खेलों के पदक विजेता विष्णु वर्धन और युवा माया रेवती ने नयी दिल्ली के डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में चल रहे 29वें फेनेस्टा ओपन नेशनल टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. शीर्ष वरीयता प्राप्त और पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन विष्णु को मणिपुर के भिक्की सागोलशेम के खिलाफ अपने दूसरे दौर के मैच में कड़ी मेहनत करनी पड़ी और अंततः उन्होंने 6-3, 5-7, 6-2 से जीत हासिल की. तेलंगाना के खिलाड़ी ने जोरदार शुरुआत की, भिक्की की सर्विस दो बार तोड़कर 5-1 की बढ़त ले ली. भिक्की ने लगातार दो गेम जीतकर वापसी की और पहला सेट जीवंत रखा. हालांकि, विष्णु ने पहला सेट जीतने के लिए अपने अनुभव का इस्तेमाल किया. दूसरे सेट में कड़ी टक्कर देखने को मिली, स्कोर 5-5 से बराबर था, लेकिन भिक्की ने अपने खेल को बेहतर बनाते हुए अगले दो गेम जीतकर मैच को बराबर कर दिया. अंतिम सेट में विष्णु ने दबदबा बनाते हुए 6-2 से जीत दर्ज की.

सफेद गेंद दौरे के लिए जोश बटलर की इंग्लिश टीम में वापसी

एजेंसी। लंदन

वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के लिए नियमित सीमित ओवरों के कप्तान जोस बटलर की इंग्लैंड की टीम में वापसी होगी. इंग्लिश टीम वेस्टइंडीज दौरे पर इस साल अक्टूबर-नवंबर में तीन टी20 और पांच वनडे खेलेगी. बटलर हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 और वनडे मैचों में नहीं खेल पाए थे क्योंकि वे पिंडली की चोट से उबर रहे थे. इंग्लैंड ने टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों को भी शामिल किया है, जिसमें 22 वर्षीय यॉर्कशायर के लेग स्पिनर जाफर चौहान शामिल हैं, जिन्हें सीनियर टीम में पहली बार शामिल किया गया है. वह साउथ एशियन क्रिकेट अकादमी के पहले स्नातक हैं. अन्य दो अनकैप्ड खिलाड़ी जॉन टर्नर और डैन मूसली हैं.

इंग्लैंड ने 14 खिलाड़ियों की शुरुआती टीम चुनी है, और 28 अक्टूबर को रावलपिंडी में होने वाले सीरीज के तीसरे मैच के शुरू होने के बाद पाकिस्तान में टेस्ट टीम से दो और खिलाड़ी शामिल किए जाएंगे. बटलर की जगह ऑस्ट्रेलिया सीरीज में इंग्लैंड की अगुआई करने वाले हैरी ब्रूक टेस्ट टीम का हिस्सा हैं. कैरेबियाई दौरे की शुरुआत वनडे से होगी - पहले दो मैच 31 अक्टूबर और 2 नवंबर को एंटीगुआ में होंगे, उसके बाद 6 नवंबर को तीसरे मैच के लिए बारबाडोस जाएंगे. पांच टी20 मैच 9 से 17 नवंबर के बीच खेले जाएंगे.

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम: जोस बटलर, जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, जाफर चौहान, सैम करन, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, डैन मूसली, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, जॉन टर्नर.

जयविक्रमा पर लगा एक साल का प्रतिबंध

नयी दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के बाएं हाथ के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर एक वर्ष के लिए सभी प्रकार के क्रिकेट से प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें से अंतिम छह महीने निलंबित हैं, क्योंकि उन्होंने वैश्विक संस्था की भ्रष्टाचार रोधी संहिता का उल्लंघन करने की बात स्वीकार की है. अगस्त में आईसीसी ने जयविक्रमा पर संहिता के दो उल्लंघनों का आरोप लगाया. उन्होंने अनुच्छेद 2.4.7 का उल्लंघन करना स्वीकार किया है, जो एसीयू (भ्रष्टाचार निरोधक इकाई) द्वारा की जा रही किसी भी जांच में बाधा डालना या देरी करना, जिसमें किसी भी दस्तावेज या अन्य जानकारी को छिपाना, छेड़छाड़ करना या नष्ट करना शामिल है जो उस जांच के लिए प्रासंगिक हो सकती है.

सीपीएल 2024 के फाइनल में पहुंची सेंट लूसिया किंग्स

वॉरियर्स आज बारबाडोस रॉयल्स से भिड़ेगा

एजेंसी। जॉर्ज टाउन

सेंट लूसिया किंग्स ने प्रोविडेंस के गुयाना नेशनल स्टेडियम में मौसम बाधित मैच में मौजूदा चैंपियन गुयाना अमेज़न वॉरियर्स पर 15 रन की जीत के साथ 2024 रिपब्लिक बैंक कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. वॉरियर्स अब शुक्रवार को बारबाडोस रॉयल्स से भिड़ेगा और उस मैच का विजेता रविवार को किंग्स के साथ फाइनल में भिड़ेगा.

मैच में किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. फाफ डु प्लेसिस ने एक बार फिर अपनी टीम के लिए आगे बढ़कर नेतृत्व किया. उनके और जॉनसन चार्ल्स के बीच 124 रनों की शुरुआती साझेदारी हुई, जिसकी बदौलत किंग्स अपने बीस ओवरों में 198/5 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया. चार्ल्स 45 गेंदों में 79 रन बनाकर मोईन अली की गेंद पर कीमो पॉल द्वारा लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर लपके गए. इसके बाद डु प्लेसिस अपने अच्छे अर्धशतक से चूक गए, किंग्स के कप्तान को शमर जोसेफ की गेंद पर रहमानुल्लाह गुरबाज ने बेहतरीन कैच पकड़कर पवेलियन भेजा.

इसके बाद वॉरियर्स के गेंदबाजों ने बेहतरीन वापसी की और एक समय 200 के पार बढ़ रहे किंग्स के स्कोर को 98 रन पर रोक दिया. मोईन अली ने एक बार फिर गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया, उन्होंने अपने चार ओवरों में 24 रन देकर 2 विकेट लिए.

जवाब में, वॉरियर्स 13वें ओवर की समाप्ति पर 106/4 पर पहुंच गया था, इसके बाद बूंदाबांदी शुरू हो गई जो जल्द ही भारी बारिश में बदल गई बारिश न रुकने पर मैच एक घंटे से अधिक समय बाद रद्द कर दिया गया. जब मौसम ने हस्तक्षेप किया तो वॉरियर्स को शेष 42 गेंदों पर 92 रनों की आवश्यकता थी, शिमरोन हेटमायर 18 गेंदों में 37 रन बनाकर खतरनाक दिख रहे थे और मोइन अली भी उनके साथ शामिल हुए थे.

हेटमायर ने नूर अहमद और रोस्टन चेज़ की गेंदों पर लगातार छक्के लगाए, हालांकि उनकी इस पारी के बावजूद के वॉरियर्स 121 के आवश्यक डीएलएस स्कोर से पीछे थी. वॉरियर्स के पास शुक्रवार शाम को अंतिम एलिमिनेटर मैच में बारबाडोस रॉयल्स की जीत के साथ दोबारा फाइनल में जगह बनाने का मौका होगा. सेंट लूसिया किंग्स रविवार के फाइनल में दोनों टीमों में से किसी एक का इंतजार करेगी, जिसकी नजर उद्घाटन सीपीएल खिताब पर होगी.

संन्यास बाबर आजम के कप्तानी पद छोड़ने के बाद पाक टीम को एक और झटका

पाक के उम्दा गेंदबाज उस्मान ने क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी। कराची

पाकिस्तान के फैंस अभी बाबर आजम के कप्तानी पद छोड़ने के झटके से उबरे भी नहीं थे कि अब उन्हें एक और बड़ा झटका लगा है. दरअसल पाकिस्तान के एक बेहतरीन गेंदबाज ने अचानक अपने ही देश के क्रिकेट से नाता तोड़ दिया है.

बात हो रही है अब्दुल कादिर के बेटे उस्मान कादिर की जिन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर ऐलान किया कि वो अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए नहीं खेलेंगे. वो पाकिस्तान के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट के अलावा घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा नहीं लेंगे. यहां दिलचस्प बात ये है कि उस्मान कादिर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहीं इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने की बात नहीं लिखी है. उन्होंने बस पाकिस्तानी क्रिकेट से अपना नाता तोड़ा है. उस्मान कादिर का प्रदर्शन

उस्मान कादिर ने पाकिस्तान के लिए 25 टी20 और एक वनडे मैच खेला है. उस्मान ने 25 टी20 मैचों में 31 विकेट चटकाए हैं और उनका इकॉनमी रेट 7.95 रन प्रति ओवर रहा. वहीं वनडे में उन्हें एक ही मैच खेलने का मौका मिला. उस्मान कादिर वनडे टीम से 3 साल से भी ज्यादा वक्त से बाहर थे. वहीं टी20 में उन्हें पिछले एक साल से मौका नहीं मिला था, मुमकिन है कि उस्मान ने इसीलिए ये फैसला लिया हो. उस्मान कादिर हाल ही में हुए चैंपियंस कप में भी खेले जिसमें उन्होंने दो मैचों में चार विकेट हासिल किए.

उस्मान कादिर का करियर

उस्मान कादिर के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि पाकिस्तान को एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जिताना रही. साल 2010 में हुए एशियन गेम्स में उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए डेब्यू किया था. उस्मान कादिर इसके बाद ऑस्ट्रेलिया चले गए थे जहां उन्होंने साउथ ऑस्ट्रेलिया में एडिलेड क्रिकेट क्लब के लिए काफी क्रिकेट खेला. सितंबर 2018 में उन्होंने बिग बैश में पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया. 26 सितंबर 2018 के लिए उन्होंने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए भी डेब्यू किया और इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की इच्छा जाहिर की. हालांकि इसके बाद उन्हें पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए सेलेक्ट किया. वो बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के खिलाफ भी टीम में सेलेक्ट हुए. इसके बाद उस्मान कादिर पाकिस्तान के लिए ही खेलने लगे. उनका प्रदर्शन भी ठीक ही रहा लेकिन पिछले एक साल से वो टीम में सेलेक्ट नहीं हो पा रहे थे और अंत में उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट से नाता तोड़ लिया.

डायमंड लीग 2025 : चीन करेगा शुरुआती दो स्पर्धाओं की मेजबानी, ज्यूरिख में होगा फाइनल

एजेंसी। ज्यूरिख

ज्यूरिख अगस्त में 2025 डायमंड लीग के दो दिवसीय सीजन के समापन समारोह का आयोजन करेगा, जबकि प्रतियोगिता की शुरुआत चीन में दो मुकाबलों के साथ होगी. आयोजकों ने बुधवार को उक्त जानकारी दी. आयोजकों ने बुधवार को बताया कि ज्यूरिख अगस्त में 2025 डायमंड लीग के दो दिवसीय सीज़न के समापन समारोह का आयोजन करेगा, जबकि प्रतियोगिता की शुरुआत चीन में दो मीट से होगी. ट्रैक एंड फील्ड की प्रीमियर वन-डे मीटिंग सीरीज़ के 16वें संस्करण के अनंतिम कैलेंडर में 14 देशों और चार महाद्वीपों के 15 मेज़बान शहर शामिल हैं. शंघाई/सूज़ौ से एक हफ़्ते पहले 26 अप्रैल को जियामेन उद्घाटन कार्यक्रम की मेजबानी करेगा. जून में रोम में होने वाली पहली यूरोपीय मीट से पहले मई में दोहा और रबात में मीटिंग निर्धारित हैं. ओस्लो, स्टॉकहोम और पेरिस में होने वाले आयोजनों के बाद, प्रतियोगिता संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित की जाएगी, जहां जुलाई में ओरेगन के यूजीन में प्रीफोंटेन क्लासिक का आयोजन किया जाएगा. मोनाको, लंदन, सिलेसिया, लॉज़ेन और ब्रुसेल्स जुलाई और अगस्त में मुकाबलों की मेज़बानी करेंगे.

2025 डायमंड लीग कैलेंडर

जियामेन – 26 अप्रैल, शंघाई/सूजौ – 3 मई, दोहा – 16 मई, रबात/माराकेच – 25 मई, रोम – 6 जून, ओस्लो – 12 जून, स्टॉकहोम – 15 जून, पेरिस – 20 जून, यूजीन – 5 जुलाई, मोनाको – 11 जुलाई, लंदन – 19 जुलाई, सिलेसिया – 16 अगस्त, लॉजेन – 20 अगस्त, ब्रुसेल्स – 22 अगस्त, ज्यूरिख – 27-28 अगस्त.

ब्रीफ खबरें

वैशाली: युवक ने गंडक नदी में कूदकर दी जान

वैशाली । वैशाली में एक युवक ने नदी में छलांग लगा दी. यह घटना नगर थाना क्षेत्र के पुरानी गंडक पुल के पास की है. युवक की पहचान सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत दौलतपुर देवरिया निवासी दिनेश राय के पुत्र दीपक कुमार के रूप में की गई है. घटना की जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ की दो टीम युवक को ढूंढने के लिए नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दी. वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर युवक के गांव के लोग एवं राहगीर जुट गए. मृतक दीपक के चचेरे भाई ने बताया कि घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था.

हथियार के साथ डांस मामले में चार गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । पहाड़पुर थाना क्षेत्र के बलुआ गांव से पुलिस ने छापेमारी कर आर्केस्ट्रा में हथियार के साथ डांस कर रहे युवक व उसके तीन सहयोगियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने बताया की बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक युवक का बंदूक के साथ आर्केस्ट्रा में डांस करते वीडियो वायरल होने की सूचना मिली थी. फलस्वरूप पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर वायरल वीडियो के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर वीडियो में दिख रहे युवक साहेब सिंह व उसके सहयोगी रंजीत कुमार, हरेन्द्र कुमार दास व दीपक सहनी को गिरफ्तार किया गया.

सड़क के किनारे सिर कटा शव बरामद हुआ

अररिया । फारबिसगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत फारबिसगंज अररिया मुख्य सड़क मार्ग एनएच 57 फोरलेन सड़क के किनारे गुरुवार की सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का सिर कटा शव मिला. स्थानीय लोगों ने सड़क के किनारे सिर कटा शव देख फारबिसगंज थाना पुलिस को इसकी सूचना दी. जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भिजवा दिया. शव को देखने से युवक की उम्र 20 से 25 वर्ष के आसपास लग रही है. मृतक काला फूल पैंट और भगवा कलर का सांडो गंजी पहना हुआ है.

पटन देवी शक्ति पीठ

नवरात्र में लाखों श्रद्धालु आते हैं पूजा करने

पटना । आदिशक्ति की आराधना का पर्व शारदीय नवरात्रि गुरुवार से प्रारंभ हो गया है. सनातन धर्म में नवरात्रि विशेष धार्मिक महत्व रखने वाला पर्व है, जिसे शक्ति की देवी दुर्गा की उपासना के रूप में मनाया जाता है. शारदीय नवरात्र में पटन देवी शक्ति पीठ में पूजा का खास महत्व है. यहां दो विधियों से पूजा होती है. नवरात्र के अवसर पर यहां दूर-दूर से लाखों श्रद्धालु पटन देवी माता मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं. यह एक पौराणिक और ऐतिहासिक मंदिर है. स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्ष 1912 ईस्वी में पटन देवी मंदिर के नाम पर पटना रखा गया था. पटन देवी भारतवर्ष के 51 शक्तिपीठों में से एक है. पौराणिक कथाओं के अनुसार माता सती के पिता दक्ष प्रजापति एक यज्ञ करवा रहे थे. उस यज्ञ के दौरान राजा दक्ष प्रजापति ने अपनी बेटी सती के पति यानी शिव को अपमान कर दिया था. जिससे देवी सती बहुत गुस्सा हुई हवन आग में कूद कर खुद को खत्म कर ली. जब महादेव को इस बात की जानकारी मिली तब उन्होंने क्रोधित होकर सती के मृत शरीर को हाथ में लिया और घमासान तांडव करने लगे थे.

पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद हत्याकांड : सुप्रीम कोर्ट ने सुनायी सजा

पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो को उम्रकैद, पूर्व सांसद बरी

बृज बिहारी प्रसाद (फाइल फोटो)

संवाददाता । नयी दिल्ली/पटना

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की 1998 में हुई हत्या के मामले में सजा का एलान किया. कोर्ट ने पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. जस्टिस संजीव खन्ना, संजय कुमार और आर

निचली अदालत उम्रकैद की सजा सुनाई थी

इससे पहले 24 जुलाई 2014 को हाईकोर्ट ने कहा था कि अभियोजन पक्ष के सबूतों और गवाहों को मद्देनजर रखते हुए सूरजभान सिंह उर्फ सूरज सिंह, मुकेश सिंह, लल्लन सिंह, मंटू तिवारी, कैप्टन सुनील सिंह, राम निरंजन चौधरी, शशि कुमार राय, मुन्ना शुक्ला और राजन तिवारी संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं. कोर्ट ने निचली अदालत के 12 अगस्त 2009 के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्हें दोषी ठहराया गया था और सभी आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी. बता दें कि भाजपा की पूर्व सांसद और बृज बिहार प्रसाद की पत्नी रमा देवी, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने साक्ष्य के अभाव में आरोपियों को बरी करने के फैसले को चुनौती दी थी. उन्होंने कोर्ट के 2014 के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. बता दें कि उच्चतम न्यायालय ने 1998 में हुई पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले में

मुन्ना शुक्ला (दोषी) सूरजभान सिंह (बरी)

पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला सहित दो आरोपियों को दोषी ठहराया. इसके साथ ही कोर्ट ने मुन्ना शुक्ला सहित दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. कोर्ट ने मामले में पटना हाईकोर्ट के आदेश को आंशिक रूप से निरस्त कर दिया. कोर्ट ने दोषियों मंटू तिवारी तथा पूर्व विधायक शुक्ला को 15 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सांसद सूरजभान सिंह और अन्य को संदेह का लाभ देते हुए उन्हें बरी करने के फैसले को बरकरार रखा.

सक्षमता पास 589 शिक्षकों के प्रमाणपत्र की जांच के लिए बनी कमेटी

गोपालगंज । गोपालगंज में सक्षमता पास 589 शिक्षकों की नौकरी पर तलवार लटक गई है. इन सभी शिक्षकों के प्रमाणपत्र पर विभाग को शक है. ऐसे में गोपालगंज के डीईओ योगेश कुमार ने इसे गंभीरता से लेते हुए जिला स्तर पर पुनः प्रमाणपत्रों की जांच करने के लिए एक समिति का गठन किया है. इस संबंध में डीईओ की ओर से पत्र जारी किया गया है. गुरुवार से 17 अक्टूबर तक प्रमाणपत्रों की जांच की जाएगी. अगर प्रमाणपत्रों में गड़बड़ी की पुष्टि हो गई तो इन शिक्षकों पर कार्रवाई हो सकती है. डीईओ की ओर से कहा गया है कि सत्यापन के दौरान सक्षमता पास कुछ शिक्षकों के प्रमाणपत्रों को संदिग्ध पाया गया है. यह सत्यापन एक अगस्त से 13 सितंबर के बीच डीआरसीसी बसडीला में किया गया था. अब शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर जिला स्तर पर एक संयुक्त त्रि-सदस्यीय समिति का गठन किया गया है. समिति में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी जमालुद्दीन, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ब्रजेश कुमार पाल और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी राजन कुमार शामिल हैं.

नर्सिंग होम में प्रसव के दौरान जच्चा और बच्चा की हुई मौत

- आक्रोशित लोगों ने नर्सिंग होम में जमकर हंगामा किया, तोड़फोड़ की

संवाददाता । नवादा

नवादा जिले के पकरीबरावां में संचालित निजी नर्सिंग होम पटना क्लीनिक में गुरुवार को प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत हो गई. मृतका 26 वर्षीय शोभा देवी पकरीबरावां थाना क्षेत्र के एरुरी गांव मनीष कुमार मांझी की पत्नी थी. घटना के बाद भड़के लोगों ने उक्त क्लीनिक में तोड़फोड़ किया. सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल की. बताया जाता है कि प्रसव पीड़ा के बाद परिजन महिला को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पकरीबरावां पहुंचे थे. उस समय ड्यूटी पर तैनात एएनएम एवं आशा ने बताया कि यहां बच्चा हो जाएगा. ढ़ाई घंटे के बाद उसे बताया गया कि उसकी पत्नी को नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है. इसके बाद उसे पटना क्लीनिक में भर्ती कराया गया.

परिजन के अनुसार उक्त नर्सिंग

होम में ऑपरेशन से बच्चा निकालने के लिए 50 हजार रुपए एवं ब्लड की डिमांड की गई. ऑपरेशन के दौरान ही जच्चा-बच्चा की मौत हो गई. इसके बाद नर्सिंग होम के कर्मी उसे नवादा इलाज के लिए ले जाने के बहाने शव को नर्सिंग होम से हटा दिया. परिवार वालों द्वारा महिला के बारे में पूछे जाने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर गुस्साए लोगों ने नर्सिंग होम में तोड़- फोड़ शुरू कर दिया. सूचना मिलने के बाद थानाध्यक्ष अजय कुमार एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे. मामले की जांच-पड़ताल की गई. बाद में शव को डुमरावां पेट्रोल पंप के पास से बरामद किया गया. शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा लाया गया है.

सीएम ने कृष्णा घाट और अप रैंप संपर्कता का किया लोकार्पण

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को अशोक राजपथ के पास कार्यक्रम स्थल से जेपी गंगा पथ के कृष्णा घाट संपर्कता का फीता काटकर लोकार्पण किया तथा गायघाट में आयोजित कार्यक्रम स्थल से जेपी गंगा पथ के गायघाट अप रैंप संपर्कता का फीता काटकर लोकार्पण किया. इससे अशोक राजपथ पर लगनेवाले जाम में कमी आयेगी. गाड़ियां अब कृष्णा घाट लिंक पथ से जेपी गंगा पथ का उपयोग कर सकेंगी साथ ही गायघाट में भी अप रैंप बनने से लोगों को जेपी गंगा पथ पर आवागमन में सहूलियत होगी. मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ से लौटने के क्रम में गांधी घाट पर रूककर गंगा नदी के घटते जलस्तर का जायजा लिया. इसके पश्चात् सीएम ने पटना सिटी में नवनिर्मित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के भवन का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया. साथ ही मुख्यमंत्री ने सात निश्चय-2 के अन्तर्गत कुल 87 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के अन्तर्गत भवन निर्माण के लिए 408.75 करोड़ की योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया.

मॉर्निंग वॉक के दौरान किया हमला

राजद नेता पंकज यादव को मारी गोली, अस्पताल में भर्ती

संवाददाता । मुंगेर

बेखौफ बदमाशों ने राजद नेता पंकज यादव को मुंगेर में गोली मार दी है. पंकज यादव पार्टी में प्रदेश महासचिव थे. वह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे. इसी दौरान उनपर फायरिंग कर दी गई. स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उनकी हालत काफी गंभीर बनी हुई है. घटना के पीछे की वजह अभी साफ नहीं हुई है. शुरुआती जानकारी जो सामने निकलकर आई है उसके अनुसार पंकज यादव को तीन गोली छाती में लगी है. जब वे मॉर्निंग वॉक पर निकले थे तो बदमाश आए और घटना को अंजाम देकर फरार हो गए. यह घटना सफियासराय थाना क्षेत्र की है. पुलिस ने इस पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है. अभी पुलिस की ओर से कोई बयान नहीं आया है.

घटना को लेकर राजद ने सरकार पर बोला हमला : अब राजद नेता पर हुई फायरिंग के मामले पर पार्टी ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है. राजद प्रवक्ता एजाज

अहमद ने कहा कि यह किस तरह का शासन है? किस तरह का सुशासन है? विपक्षी दलों के नेताओं को गोली मारी जा रही है. उत्तर प्रदेश और बिहार के हालात में अब ज्यादा फर्क नहीं है. बिहार में अपराध और अपराधियों का बोलबाला है. सरकार का इकबाल समाप्त हो गया है वह स्पष्ट रूप से दिख रहा है. बिहार में अपराध और अपराधी मस्त हैं, शासन प्रशासन पस्त है. सबसे बड़ी बात है सरकार के अंदर बैठे लोग मलाई काटने में व्यस्त हैं.

उधर, इस घटना को लेकर बीजेपी नेता नीरज कुमार ने कहा कि मुंगेर में जो हुआ वो दुखद है लेकिन योगी के भय से यूपी में अपराधियों का क्या हाल है किसी से छुपा नहीं है.

बीजेपी नेता मिथिलेश तिवारी ने राजद सांसद सुधाकर को भेजा नोटिस

बक्सर । राजद सांसद सुधाकर सिंह को बीजेपी नेता मिथिलेश तिवारी ने लीगल नोटिस भेजा है. बीते बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए बीजेपी के प्रदेश सचिव मिथिलेश तिवारी ने कहा कि अगर वो (सुधाकर सिंह) माफी नहीं मांगेंगे तो कोर्ट में घसीट कर ले जाएंगे. दरअसल सुधाकर सिंह ने मिथिलेश तिवारी पर आरोप लगाया था कि बक्सर में 12 करोड़ की उन्होंने जमीन खरीदी है. एक स्कूल के अध्यक्ष पद पर रहते हुए उन्होंने 50 लाख का गबन भी किया था. ऐसे में बिना वसूली किए इतना पैसा कहां से आ रहा है? अब मिथिलेश तिवारी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर बक्सर से राजद के सांसद को झूठा बताते हुए उन्हें लीगल नोटिस भेजकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए कहा है. मिथिलेश तिवारी ने कहा कि मेरे बारे में अगर किसी ने भी यह साबित कर दिया कि बक्सर में एक रुपये की भी जमीन हमने खरीदी है तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा. बीजेपी नेता ने कहा कि सुधाकर सिंह बार-बार कहते हैं कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर हमने कृषि मंत्री से इस्तीफा दे दिया था.

कारोबार

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की बिक्री 25% बढ़ी

नयी दिल्ली । सितंबर में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की बिक्री सालाना आधार पर 25% बढ़ी है. कुल ईवी रजिस्ट्रेशन 1.49 लाख रहे. बीते साल सितंबर में 1.19 लाख ईवी रजिस्टर्ड हुई थी. इस साल में में यह आंकड़ा 1.47 लाख रहा था. मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में 19% वृद्धि दर्ज की गई. इस दौरान कुल 8.37 लाख ईवी रजिस्टर्ड हुए. बीते साल समान अवधि में 7.02 लाख वाहन रजिस्टर्ड हुए थे. वाहन पोर्टल के मुताबिक, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की बिक्री 43,120 यूनिट रही.

2000 रुपये के 98% नोट वापस आए

नयी दिल्ली । जब आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने का ऐलान कर दिया तो उसके बाद से 2000 रुपये के नोट वापस आने का सिलसिला जारी है. आरबीआई ने प्रेस रिलीज 2 सितंबर 2024 को जारी की थी और इसमें अब नया अपडेट जारी किया गया है. इसके बाद समय-समय पर आरबीआई ने 2000 रुपये के नोटों के बारे में बताया कि उसके पास कितने नोट वापस आ गए और कितने रुपये के नोट बाकी हैं. 3 जून को बताया था कि 2000 रुपये के 7755 करोड़ रुपये के नोट नहीं आए हैं.

आईटी में इस साल गईं 1,24,000 नौकरियां

नयी दिल्ली । वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और देशों के बीच तनाव से सूचना प्रौद्योगिकी यानी आईटी क्षेत्र पर बुरा असर पड़ रहा है. इसका परिणाम यह हुआ कि इस साल वैश्विक स्तर पर 384 कंपनियों ने कुल 1.24 लाख को नौकरी से निकाल दिया है. चिंताजनक यह है कि कंपनियां अब दूसरी छमाही में दूसरे चरण की छंटनी की तैयारी कर रही हैं. हेल्थटेक स्टार्टअप डोजी ने घाटे को कम करने के लिए भारत में 40 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है. वीट्रांसफर ने कर्मचारियों की संख्या में 75% की कटौती की है. प्राइस वाटर हाउस कूपर्स यानी पीडब्ल्यूसी ने लगभग 1,800 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है.

हुंडई मोटर 14 अक्टूबर को लॉन्च कर सकती है अबतक का सबसे बड़ा आईपीओ

कंपनी आईपीओ से 25000 करोड़ रुपये जुटाने की है तैयारी

एजेंसी । नयी दिल्ली

दक्षिण कोरिया की ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ 14 अक्टूबर को खुलने की उम्मीद है. कंपनी आईपीओ के जरिए 25000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है. सरकारी क्षेत्र की इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी (एलआईसी) के 21000 करोड़ रुपये के भी बड़ा हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ होगा जो कि भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ साबित होगा. शेयर बाजार की रेगुलेटर सेबी ने मार्केट शेयर के हिसाब से देश की दूसरी सबसे बड़ी पैसेंजर कार कंपनी हुंडई मोटर को आईपीओ लाने की मंजूरी दे दी है.

हुंडई मोटर को सेबी ने ऑब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया है. हुंडई मोटर का आईपीओ 14 अक्टूबर सोमवार को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 16 अक्टूबर तक निवेशक आईपीओ में आवेदन कर सकेंगे. अगले 18-20 बिलियन डॉलर वैल्यूएशन मिलने की उम्मीद : हुंडई मोटर ने रेगुलेटर के पास जो ड्रॉफ्ट पेपर दाखिल किया था उसके मुताबिक कंपनी पूरी तरह ऑफर फॉर सेल के

जरिए आईपीओ में पैसे जुटाएगी. इस ऑफर फॉर सेल में 142,194,700 शेयर्स प्रमोटर कंपनी हुंडई मोटर कंपनी की ओर से ऑफर किया जाएगा. आईपीओ प्राइस के हिसाब से हुंडई मोटर इंडिया को 18-20 बिलियन डॉलर वैल्यूएशन मिलने की उम्मीद है. 28 बिलियन डॉलर तक आंका जा रहा है. पैसेंजर गाड़ियां बेचने के मामले में मारुति सुजुकी के बाद हुंडई मोटर इंडिया दूसरे स्थान पर रही थी. इस सेगमेंट में कंपनी के पास करीब 15 फीसदी मार्केट शेयर है. प्रस्तावित आईपीओ को लेकर जो वैल्यू आंका जा रहा है उसके मुताबिक हुंडई मोटर इंडिया घरेलू शेयर बाजार में दूसरी लिस्टेड ऑटोमोबाइल कंपनियां महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, हीरो मोटोकॉर्प, आईशर मोटर्स से भी आगे निकल जाएगी. ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के बाद हुंडई दूसरी ऑटोमोबाइल कंपनी है जो 2024 में अपना आईपीओ लेकर आ रही है. हालांकि हुंडई मोटर अपना आईपीओ तब लॉन्च करने जा रही है जब ईरान-इजरायल के बीच तनाव के चलते दुनियाभर के शेयर बाजारों में तेज गिरावट देखी जा रही है. भारतीय शेयर बाजार में भी गुरुवार 3 अक्टूबर को तेज गिरावट देखने को मिली है और सेंसेक्स 1770 अंक या 2.10 फीसदी और निफ्टी 550 अंक या 2.12 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

इंटरनेट, 4जी व 5जी से होगा फायदा

2028 तक एक ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनेगी

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार की डिजिटल पहल के साथ, भारत के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ा बदलाव आया है. आस्क कैपिटल की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि गहरी इंटरनेट पहुंच, कुशल और सस्ती 4 जी और 5 जी सेवाओं और डिजिटल क्षेत्र में सरकार की पहल से भारत 2028 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है. भारत वास्तविक समय के भुगतान का एक वैश्विक उदाहरण बन गया है, जो यूपीआई जैसे घरेलू तकनीकी नवाचारों से लाभान्वित हो रहा है. भारत का डिजिटल परिवर्तन आर्थिक विकास के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा. पिछले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण के साथ-साथ स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग ने कैशलेस लेनदेन और ऑनलाइन खरीदारी को बढ़ावा दिया है. भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (आईसीआरआईईआर) के अनुसार, डिजिटल कौशल पर भारत का स्कोर डिजिटलीकरण के समग्र स्तर पर जापान, यूनाइटेड किंगडम

और जर्मनी जैसे विकसित देशों से आगे निकल गया है. प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) जैसी सरकारी पहलों ने देश में सार्वभौमिक पहुंच और वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में मदद की है. मोबाइल और ब्रॉडबैंड की बढ़ती पहुंच वित्तीय समावेशन को और गहरा करेगी और नई डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देगी.

भारत में डिजिटल मनोरंजन, ऑनलाइन शिक्षा, टेली-मेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य, डिजास्टर रिस्पॉन्स और जीवन रक्षक सेवाएं बेहतर मोबाइल व इंटरनेट सेवाओं का लाभ उठा रही हैं. किफायती डेटा, स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या और ई-कॉमर्स में वृद्धि भारत के डिजिटल परिवर्तन को गति दे रही है. मार्च 2024 तक, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों से पता चला है.

सेबी ने फ्यूचर्स और ऑप्शन ट्रेडिंग के नियम किए सख्त

अब ट्रेडर्स को खर्च करने होंगे अधिक पैसे

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से फ्यूचर्स और ऑप्शन (एफएंडओ) ट्रेडिंग के नियमों को सख्त कर दिया गया है. अब इस सेगमेंट में कारोबार करने के लिए ट्रेडर्स को पहले के मुकाबले अधिक पैसे खर्च करने होंगे. बाजार नियामक द्वारा अब इंडेक्स डेरिवेटिव में कॉन्ट्रैक्ट साइज की न्यूनतम वैल्यू को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दिया गया है. साथ ही साप्ताहिक एक्सपायरी को प्रति एक्सचेंज एक इंडेक्स तक सीमित कर दिया है. ऐसे में अब एक एक्सचेंज की ओर से सप्ताह में एक ही एक्सपायरी देखने को मिलेगी. सेबी की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया कि डेरिवेटिव्स में उच्च जोखिम को देखते हुए और मार्केट की वृद्धि के अनुरूप कॉन्ट्रैक्ट के साइज में पुनर्संयोजन यह सुनिश्चित करेगा कि प्रतिभागियों के लिए अपेक्षित मानदंड बने रहें.

जेमिनी एआई हिंदी सहित 8 अन्य भारतीय भाषाओं में लॉन्च

गूगल-पे पर अब गोल्ड लोन भी मिलेगा

नयी दिल्ली । टेक कंपनी गूगल का गुरुवार को 'गूगल फॉर इंडिया' इवेंट हुआ. ये इस इवेंट का 10वां साल है. इस इवेंट में जेमिनी एआई के हिंदी और 8 अन्य भारतीय भाषाओं में मिलने की घोषणा की गई. देशभर में गूगल-पे यूजर्स के लिए अब से गोल्ड लोन उपलब्ध होगा. इसके लिए गूगल ने मुथूट फाइनेंस के साथ पार्टनरशिप की है. लोन के लिए क्या प्रोसेस होगी अभी इसकी जानकारी कंपनी ने हीं दी है. गूगल पे ने अपनी लोन लिमिट को भी 5 लाख रुपए तक बढ़ा दिया है. गूगल ने भारत में अपने सस्टेनेबिलिटी गोल्स को अचीव करने के लिए अडाणी ग्रुप और क्लियरमैक्स के साथ पार्टनरशिप करने की घोषणा की है. इन पार्टनरशिप्स के तहत गुजरात के खावड़ा में 61.4 मेगावाट का सोलर-विंड हाइब्रिड प्लांट, राजस्थान में 6 मेगावाट का सोलर प्लांट और कर्नाटक में 59.4 मेगावाट का विंड प्लांट लगाया जाएगा.

परेशानी आदमी की जेब पर बढ़ेगा बोझ, सरकारी नियंत्रण के बावजूद गेहूं के दामों में बढ़ोतरी जारी

दशहरा-दिवाली, शादियों में आटा हो सकता है महंगा

एजेंसी । नयी दिल्ली

देश में आज से नवरात्रि के पर्व के शुरू होने के साथ ही त्योहारी सीजन की शुरुआत हो जाएगी. 12 अक्टूबर को दशहरा मनाया जाएगा. वहीं माह के आखिरी में दीपावली का त्योहार मनाया जाएगा. इसके बाद से ही शादियों का सीजन भी शुरू हो जाएगा. लेकिन इस त्योहारी सीजन में गेहूं के बढ़ते दाम परेशान कर सकते है. दरअसल, देश में सरकारी नियंत्रण के बावजूद गेहूं के दामों में बढ़ोतरी जारी है. सरकार ने अपरोक्ष रूप से गेहूं पर स्टॉक लिमिट लगाई हुई है. कारोबारियों को नियमित रूप से सरकार को गेहूं के स्टॉक की जानकारी देनी होती है. बावजूद

इसके दो महीनों में गेहूं के दाम 200 रुपये क्विंटल से अधिक बढ़े हैं. दिल्ली की थोक मंडी में गेहूं के दाम 3100 रुपये क्विंटल पार कर गए हैं. ऐसे में यह भी आशंका जताई जा रही है कि गेहूं और आटे से बनने वाले सभी प्रोडक्ट जैसे ब्रेड, मफ़िन, नूडल्स, पास्ता, बिस्किट, केक, कुकीज की कीमतों पर इसका असर दिख सकता है.

अनाज कारोबारियों का कहना है कि श्राद्ध पक्ष से ही गेहूं के दाम में बढ़ोतरी देखी जा रही हैं. आने वाले दिनों में यह और तेज होगा. अगर बाजार में गेहूं की आवक नहीं बढ़ी तो दीपावली तक गेहूं के दाम 3500 रुपये क्विंटल के पार कर जाएंगे. हालत ऐसे ही बने रहे तो शादी के सीजन में गेहूं के दाम 4000 रुपये क्विंटल के पार कर जाएंगे, क्योंकि गेहूं की नई आवक आने में अभी समय है.

कारोबारियों का कहना है कि, गेहूं के दामों को नियंत्रित करने के लिए सरकार को ओपन मार्केट सेल स्कीम जरिए गेहूं बेचना चाहिए. ओपन मार्केट सेल के जरिए गेहूं एक निश्चित दाम में बाजार में आएगा तो इससे गेहूं के दामों में जारी उछाल में कमी आएगी. अभी नई फसल आने में अभी पूरे 6 महीने हैं. ऐसे में पूरे साल गेहूं के दामों में नियंत्रण के लिए कम से कम 100 लाख टन गेहूं की ओपन मार्केट सेल के जरिए बाजार में उतारने की जरूरत है.

155 लाख मीट्रिक टन गेहूं का स्टॉक ज्यादा है : देश में गेहूं के स्टॉक की बात करे तो 1 अप्रैल को करीब 75 लाख मीट्रिक टन गेहूं था. जो बफर स्टॉक से थोड़ा सा अधिक था. जबकि इस साल 266 लाख मीट्रिक टन गेहूं की सरकारी खरीद हुई है. अगर इन्हें जोड़ें तो 340 लाख मीट्रिक टन गेहूं का स्टॉक सरकार के पास सरकारी खरीद खत्म होने के बाद था.जबकि सरकारी राशन में वितरण के लिए 185 लाख मीट्रिक टन गेहूं अलग रखा जाना है. इसके बाद सरकार के पास 155 लाख मीट्रिक टन गेहूं का स्टॉक अतिरिक्त है.

इजराइल-ईरान युद्ध से सहमा बाजार

क्रूड ऑयल की कीमत 4% बढ़ी

एजेंसी । नयी दिल्ली

ईरान के इजराइल पर हमले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 4 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है. ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 74.50 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है. वहीं दूसरी ओर अमेरिकी क्रूड ऑयल की कीमत में भी 4 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. ईरान ने इजराइल पर पलटवार करते हुए एक साथ 102 बैलेस्टिक मिसाइलें दागी हैं. जिसके बाद मिडिल ईस्ट की टेंशन अपने चरम पर पहुंच गई हैं. जिसका असर कच्चे तेल की कीमतों में देखने को मिल रहा है. इस खबर के आने के बाद खाड़ी देशों का कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड ऑयल और अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई की कीमतों

में 4 फीसदी से ज्यादा तेजी देखने को मिल रही है. ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 74 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं. इससे पहले इजराइल के एयर स्ट्राइक से हिजबुल्लाह चीफ की मौत होने की खबर आई थी. जिसकी पुष्टि इजराइल के अलावा हिजबुल्लाह ने भी की थी. उसके बाद ईरान के प्रमुख को सेफ हाउस भेजने का प्रबंध किया गया था. कयास यही लगाए जा रहे थे कि ईरान इसका जवाब जरूर देगा. इसके लिए ईरान लेबनान के हिजबुल्लाह बाकी संगठनों के संपर्क में था.

अमेरिका में हेलेन तूफ़ान से तबाही, अब तक 180 लोगों की मौत; सैकड़ों की संख्या में लोग अब भी लापता

अमेरिका में हेलेन तूफ़ान से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 180 हो गई है. इससे दक्षिण-पूर्वी अमेरिकी राज्य प्रभावित हैं. राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है. तूफ़ान से हुई तबाही देखने के लिए बाइडन हेलीकॉप्टर से उत्तरी और दक्षिणी कैरोलिना गए. जबकि हैरिस बुधवार को जॉर्जिया गईं. सैकड़ों की संख्या में लोग अब भी लापता हैं. खोज और बचाव दल को दूरदराज के इलाकों तक पहुंचने में दिक्कतें आ रही हैं. तूफ़ान से प्रभावित छह राज्यों में 6000 नेशनल गार्ड मेंबर्स और 4800 फेडरल एड वर्कर्स की मदद के लिए बाइडन ने 1000 सक्रिय सैनिकों को भेजा है. दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है. बीते गुरुवार को हेलेन तूफ़ान आया था. ये श्रेणी चार का तूफ़ान है. -एजेंसी

▼ न्यूज अपडेट

जेएंडके में पंचायत व निकाय चुनाव होंगे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पंचायत और शहरी निकाय चुनाव साल के अंत से पहले होने की संभावना है. जम्मू-कश्मीर में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के सफल समापन के बाद, अधिकारियों का कहना है कि स्थानीय चुनाव दिसंबर तक होंगे. अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में पंचायत और शहरी निकाय चुनावों के लिए तैयारियां चल रही हैं. विधानसभा चुनावों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए तैनात सुरक्षा बल नगर पालिका और पंचायत चुनाव संपन्न होने तक जम्मू-कश्मीर में ही रहेंगे.

आठ रेलवे स्टेशनों को उड़ाने की धमकी

अजमेर। राजस्थान के आठ रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद सभी स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई. स्टेशनों की गहन जांच की गई. यह धमकी एक लिफाफे में बंद पत्र के जरिए मिली थी. इस पत्र पर हनुमानगढ़ पोस्ट ऑफिस की 30 सितंबर की मोहर लगी हुई थी. अजमेर के जीआरपी सब इंस्पेक्टर को मंगलवार को बम की धमकी मिली थी. रेलवे के सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण ने बताया, "हनुमानगढ़ के रेलवे अधिकारी को एक अक्टूबर की शाम को एक पत्र मिला था.

दो कॉलेजों, आठ स्कूलों को उड़ाने की धमकी

चेन्नई। तमिलनाडु में त्रिची जिले के दो कॉलेजों और आठ स्कूलों को फोन कॉल और ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है. पुलिस धमकियों की जांच कर रही है. स्निफर डॉग्स और स्पेशल बम स्क्वायड को कार्रवाई के लिए लगाया गया है. जिला पुलिस ने बताया कि सेंट जोसेफ कॉलेज में बम की धमकी मिली है. यह कॉलेज 180 साल पुराना है. पुलिस की कई टीमें जांच कर रही हैं. हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह धमकी झूठी लग रही है.

मृत बाघों में बर्ड फ्लू वायरस की हुई पुष्टि

हनोई। वियतनाम में मृत बाघों से लिए गए दो नमूनों में एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि हुई है. डोंग नाय प्रांत के मैंगो गार्डन इको-रिसॉर्ट में सितंबर की शुरुआत से अब तक 20 बाघ और एक तेंदुए की मौत हो चुकी है. रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय कंपनी ने जानवरों को खाने के लिए चिकन का मांस और सिर उपलब्ध कराया था, जिसे खाने के बाद वह बीमार पड़ गए. ऐसी संभावना है कि मृत बाघों ने संक्रमित चिकन का मांस खा लिया, जिस वजह से जानवर एच5एन1 वायरस से संक्रमित हुए हों.

ईशा फाउंडेशन की पुलिस जांच पर रोक

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ईशा फाउंडेशन के ख़िलाफ दायर याचिका को मद्रास हाई कोर्ट से ट्रांसफर कर लिया है. अब सुप्रीम कोर्ट ही इस मामले की सुनवाई करेगा. साथ ही तमिलनाडु पुलिस को दिए गए जांच के आदेश पर रोक लगा दी है. ईशा फाउंडेशन के फाउंडर जग्गी वासुदेव हैं. ईशा फाउंडेशन के खिलाफ एक शख़्स ने मद्रास हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिका दायर की थी. शख़्स का आरोप है कि आश्रम में उनकी दो बेटियों को बंधक बनाकर रखा गया है.

दिल्ली में बायो डी-कंपोजर का छिड़काव

नयी दिल्ली। दिल्ली में पराली को गलाने के लिए बायो डी-कंपोजर के छिड़काव की शुरुआत की गई. यह शुरुआत गुरुवार को दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र पल्ला से आरंभ हुई. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के मुताबिक दिल्ली सरकार इस साल पांच हजार एकड़ से ज्यादा खेतों में निशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव करेगी. बायो डी-कंपोजर के छिड़काव के लिए 11 टीमों का गठन किया गया है. बासमती और गैर बासमती धान के सभी खेतों में सरकार की तरफ से निशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव किया जाएगा.

अपनी ही पार्टी के खिलाफ बोले जद एस नेता

मैसूर। जनता दल (सेक्युलर) से विधायक जीटी देवगौड़ा ने गुरुवार को कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अपनी ही पार्टी और केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी की आलोचना की. जीटी देवगौड़ा ने कहा कि जब किसी पर एफआईआर होती है तो उसको किसी पद पर नहीं रहना चाहिए. इसमें भाजपा, जनता दल और कांग्रेस के लोग भी शामिल हैं, अगर उनपर भी एफआईआर होती है, तो उनको भी पद पर नहीं बने रहना चाहिए.

तिरुपति प्रसाद केस की सुनवाई स्थगित

नयी दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को तिरुपति के लड्डुओं में पशु चर्बी के कथित इस्तेमाल से जुड़े विवाद की अदालत की निगरानी में जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 4 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी. पीठ ने सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध पर सुनवाई शुक्रवार सुबह तक स्थगित करने का फैसला किया. पिछली सुनवाई में एसजी से यह निर्देश प्राप्त करने को कहा गया था कि क्या पुलिस द्वारा एसआईटी को विवाद की जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए या जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी को सौंपी जानी चाहिए.

उत्तर प्रदेश में अपराधी बेलगाम : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अन्याय, अत्याचार चरम पर है. वहीं कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है. उन्होंने कहा कि, प्रदेश सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन निर्दोष लोगों को झूठे मामलों में फंसाकर कार्रवाई कर रही है. सूबे में दोषियों को बचाने का काम किया जा रहा है. चाहे हाथरस में दलित बेटी का जबरन दाह संस्कार हो या बीएचयू में गैंगरेप का मामला, इस सरकार में उन्हें न्याय नहीं मिला.

पिछले 24 घंटों में 46 लोगों की मौत, हिज़्बुल्लाह के 15 सदस्य भी मारे गए

लेबनान में इजराइली हवाई हमलों ने मचाई भारी तबाही

एजेंसियां। बेरूत/तेल अवीव/ तेहरान

लेबनान में इजरायली हवाई हमलों ने भारी तबाही मचाई है. लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में एयर स्ट्राइक में मरने वालों की संख्या 46 हो गई, जबकि 85 लोग घायल हुए हैं. वहीं इसराइली सेना ने कहा है कि उसने लेबनान में बिंत जेबिल ज़िले समेत कई जगहों पर हमले किए हैं. इन हमलों में हिज़्बुल्लाह के 15 सदस्य मारे गए हैं. उसने यह दावा भी किया कि गाजा पट्टी में हमास सरकार के प्रमुख रावी मुश्ताहा की मौत तीन महीने पहले एयर स्ट्राइक में हो चुकी है. इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिका और यूरोप की उपस्थित को पश्चिमी एशिया की समस्याओं का मूल कारण बताया है.

लेबनानी मंत्रालय ने कहा कि बालबेक-हर्मेल प्रांत में पांच लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए. नबातिह प्रांत में 23 लोग मारे गए और 41 अन्य घायल हो गए. मंत्रालय ने यह भी बताया कि दक्षिण प्रांत में 11 लोग मारे गए और 21 अन्य घायल हो गए. मंत्रालय के मुताबिक बेका क्षेत्र में छह लोगों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए, जबकि माउंट लेबनान में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया. वहीं आईडीएफ़ ने बताया कि उसने लेबनान में हिज़्बुल्लाह के करीब 200 ठिकानों पर हमला किया, जिनमें हथियार रखने के लिए इस्तेमाल होने वाले स्थान और निगरानी करने वाली चौकी शामिल हैं. इस बीच यहूदी राष्ट्र ने बुधवार को लेबनान में अपने आठ सैनिकों की मौत की पुष्टि की. वहीं ईरान समर्थित हिज़्बुल्लाह ने कहा कि उसने जमीनी लड़ाई के दौरान इसराली टैंकों को नष्ट कर दिया है और इस बात का ध्यान रखा है कि उसके पास इसराइली सेना को पीछे धकेलने के लिए पर्याप्त सैनिक और गोला-बारूद है. इजरायली हवाई हमलों के कारण लेबनान में विस्थापित लोगों की कुल संख्या लगभग 12 लाख हो गई है.

234,023 सीरियाई व 76,269 लेबनानी सीरिया जाने को हुए मजबूर : लेबनानी मंत्रिपरिषद की डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट यूनिट की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, विस्थापित लोग अन्य क्षेत्रों में अपने परिवार के साथ रहने को मजबूर हैं. वे, मकान किराए पर ले रहे हैं या सार्वजनिक या निजी जगहों पर शरण ले रहे हैं. वहीं हजारों अन्य लोग सीरिया में प्रवेश कर गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 23 सितंबर से 29 सितंबर तक 234,023 सीरियाई और 76,269 लेबनानी नागरिकों ने सीरियाई क्षेत्र में प्रवेश किया. रिपोर्ट में कहा गया कि लेबनान में विस्थापित लोगों को रखने के लिए 867 केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 643 अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुंच चुके हैं. 23 सितंबर से, इजरायल ने लेबनान में हवाई हमले तेज कर दिए. उसका कहना है कि यह कार्रवाई लेबानानी संगठन हिजबुल्ला के खात्मे के लिए की जा रही है. पिछले शुक्रवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगर में एक महत्वपूर्ण हमले में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह और उसके कई सहयोगी मारे गए. वहीं इस हफ्ते इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में जमीनी सैन्य अभियान भी शुरू कर दिया. इजराइली हमलों में अब तक 1000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए हैं. बता दें कि 8 अक्टूबर, 2023 को हिजबुल्लाह ने गाजा में हमास के प्रति एकजुटता जाहिर करते हुए इजरायल पर रॉकेट दागने शुरू किए थे. नवीनतम घटनाक्रम इसी संघर्ष का विस्तार है.

लेबनान में हिज़्बुल्लाह के खिलाफ जमीनी लड़ाई में अपने आठ सैनिकों की मौत की पुष्टि की आईडीएफ ने

अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों की उपस्थिति पश्चिमी एशिया में समस्याओं का मूल कारण : ईरानी सर्वोच्च नेता

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने कहा-क्षेत्र को छोड़ें अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश हम खुद को नियंत्रित करने में पूर्ण सक्षम

इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया में समस्याओं का मूल कारण इस क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों की उपस्थिति है. उनके कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार, उन्होंने राजधानी तेहरान में ईरानी अभिजात वर्ग और वैज्ञानिक प्रतिभाओं के एक समूह के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की, जबकि उन्होंने क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा की. खामेनेई ने कहा कि यदि संयुक्त राज्य अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश इस क्षेत्र को छोड़ देते हैं, तो 'संघर्ष, युद्ध और झड़पें पूरी तरह से बंद हो जाएंगी.' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय राज्य खुद को नियंत्रित करने में सक्षम हैं और शांति और समृद्धि में सह-अस्तित्व में रह सकते हैं. उनकी टिप्पणी ईरान द्वारा मंगलवार शाम को इजरायल में टारगेट्स पर लगभग 180 बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण के बाद आई. तेहरान का दावा है कि यह हमला इजरायल द्वारा हमास नेता इस्माइल हनीयेह, हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह और वरिष्ठ आईआरजीसी कमांडर अब्बास निलफोरुशन की हत्याओं के साथ-साथ अमेरिकी समर्थन से लेबनानी और फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ इजरायल द्वारा बढ़ते 'दुर्भावनापूर्ण कृत्यों' के प्रतिशोध में किया गया था.

गाजा में 'मानव निर्मित' भुखमरी, पूरी आबादी मदद पर है निर्भर : संरा

गाजा। यूएन अधिकारी फिलिप लाजारिनी ने चेतावनी दी कि इजरायल के लगातार हमलों के बीच गाजा में भुखमरी फैल रही है. उन्होंने बुधवार को एक्स पर लिखा, 'अगस्त में गाजा में 10 लाख से अधिक लोगों को खाद्यान्न राशन नहीं मिला और सितंबर तक यह संख्या बढ़कर 14 लाख से अधिक हो गई.' लाजारिनी, नियर ईस्ट में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूनाइटेड नेशन रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के कमिश्नर जनरल हैं. उन्होंने कहा कि असुरक्षा, क्षतिग्रस्त सड़कों और कानून-व्यवस्था के टूटने की वजह से गाजा में 100,000 मीट्रिक टन से अधिक खाद्य आपूर्ति बाधित हो गई है. लाज़ारिनी ने कहा कि गाजा में भूख "पूरी तरह से मानव निर्मित है लगभग 70 प्रतिशत फसलें नष्ट हो गई हैं. पूरी आबादी को केवल मानवीय सहायता पर निर्भर रहना पड़ता है."

हरियाणा में थमा विधानसभा चुनाव प्रचार, अब पांच अक्टूबर का इंतजार

एजेंसी। चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार गुरुवार शाम को थम गया. अब सूबे की जनता को पांच अक्टूबर का इंतजार है. जब मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सभी राजनीतिक दलों के दिग्गज नेताओं ने प्रदेश के अलग-अलग जगहों में रैली और जनसभाएं की.

अब 90 सीटों के लिए पांच अक्टूबर को मतदान होगा. वहीं, आठ अक्टूबर को चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे. मतदान को लेकर पोलिंग पार्टियां शुक्रवार को मतदान केंद्रों पर रवाना होंगी. राज्य में कुल 20,632 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. सबसे ज्यादा केंद्र फरीदाबाद सीट पर 1650 केंद्र हैं, जबकि सबसे कम डबवाली विधानसभा क्षेत्र में 400 केंद्र हैं. इसके बाद पंचकूला में 455 मतदान केंद्र हैं. चुनाव के लिए रिजर्व इवीएम सहित कुल 27,866 ईवीएम (बैलेट यूनिट) का उपयोग होगा. इसके साथ 26,774 वीवीपैट मशीनों का उपयोग किया जाएगा. 24,719 कंट्रोल यूनिट भी बनाए गए हैं.

हरियाणा के लोग भाजपा को फिर आशीर्वाद देने वाले हैं : मोदी

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा है कि बीते कुछ दिनों में मैंने पूरे राज्य की यात्रा की है. मैंने लोगों में जो उत्साह देखा है, उसे देखकर मुझे ये पक्का विश्वास है कि हरियाणा के लोग भाजपा को फिर अपना आशीर्वाद देने वाले हैं. हरियाणा के देशभक्त लोग, कांग्रेस की विभाजनकारी, नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे.

बांग्लादेश ने भारत से उच्चायुक्त को वापस बुलाया

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत में अपने उच्चायुक्त समेत पांच देशों से अपने राजनयिक वापस बुला लिए हैं. इन्हें ढाका वापस आने को कहा गया है. भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बेल्ज़ियम, पुर्तगाल और संयुक्त राष्ट्र से राजनयिकों को वापस बुलाया गया है. भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में हाल में ही बड़ा राजनीतिक बदलाव हुआ है. कई हफ्तों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद यहां नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनी. विरोध प्रदर्शनों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख़ हसीना को 5 अगस्त को इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ना पड़ा था. वो भारत आ गई थीं. इससे पहले बांग्लादेश ने ब्रिटेन से अपने उच्चायुक्त सईदा मुना तस्नीम को वापस बुलाया था. हाल में ही अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस अमेरिका दौरे पर भी गए थे.

क्या होता है वोट जिहाद? फडणवीस के बयान पर भड़क उठे संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने उप मुख्यमंत्री से पूछा- क्या आप लोग फिर से इस देश को तोड़ने का ख्वाब देख रहे हैं

एजेंसी। मुंबई

महराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की घोषणा में अगले कुछ दिनों में होने वाली है. ऐसे में राजनीतिक सरगर्मी तेज होती जा रही है. इसी कड़ी में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार को उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि आखिर आप मुझे बताइए कि ये वोट जिहाद क्या होता है? आपको यह पता होना चाहिए, इस देश में मुस्लिम, पारसी, जैन, हिंदू सभी वोट करते हैं और आपको सभी के वोट का सम्मान करना चाहिए.

उन्होंने कहा कि अगर लोग आपको (भाजपा) वोट करेंगे, तो ठीक है, नहीं तो... चलिए, अब आप वोट जिहाद की बात करते हैं, तो मेरा आपसे सीधा-सा सवाल है कि आखिर आप मुस्लिम महिलाओं के लिए तीन तलाक का कानून लेकर क्यों आए. अब हमें पता लगा है कि महाराष्ट्र में गुजरात के लोग बीजेपी को वोट देते हैं, तो अब मैं आपसे पूछना चाहूंगा कि इस मामले में आपका क्या रुख रहेगा, ना महज गुजराती बल्कि अन्य समाज के लोग भी आपको वोट देते हैं. उन्होंने कहा कि आखिर इस देश में क्या चल रहा है. क्या आप लोग फिर से इस देश को तोड़ने का ख्वाब देख रहे हैं. आपको पता होना चाहिए यह गांधी का देश है. कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी पर बहुत बड़ा प्रवचन दिया. ये लोग (भाजपा) दावा करते हैं कि आप लोग गांधी विचारधारा से अलग हो गए हैं. अगर हम लोग गांधी विचारधारा से अलग हो गए हैं, तो आप कहां गांधी विचारधारा में रहे. आप भी तो गांधी विचारधारा से अलग हो चुके हैं. वोट जिहाद इन लोगों के दिमाग का कचरा है. बता दें कि देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में बीजेपी को लगे झटके पर कहा था कि कुछ लोगों (मुस्लिम समुदाय) को लगता है कि भले ही हमारा संख्या बल कम है. हमारे लोग कम हों, लेकिन हम एकजुट होकर हिंदूवादी विचारधारा को पराजित कर देंगे, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि उनका यह ख्वाब किसी भी कीमत में पूरा होने वाला नहीं है.

लोकप्रियता हालांकि एक रिपोर्ट के अनुसार, एक्स पर मस्क के अधिकांश फॉलोअर्स नकली हैं

मस्क 200 मिलियन फॉलोअर्स वाले पहले शख्स बने

एजेंसी। नयी दिल्ली

टेक अरबपति एलन मस्क गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 200 मिलियन फॉलोअर्स तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति बन गए. उन्होंने अक्टूबर 2022 में 44 बिलियन डॉलर में इसका अधिग्रहण किया था.

एक्स के मालिक को 131.9 मिलियन फॉलोअर्स के साथ पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और 113.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ प्रसिद्ध फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो फॉलो करते हैं. लोकप्रिय गायक जस्टिन बीबर 110.3 मिलियन फॉलोअर्स के साथ चौथे स्थान पर हैं और रिहाना 108.4 मिलियन फॉलोअर्स के साथ पांचवें स्थान पर हैं. भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में दुनिया में 100 मिलियन का आंकड़ा पार किया है. जिसकी मस्क ने सराहना की थी. अब उनके 102.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं. मस्क ने हाल ही में कहा कि एक्स के अब 600 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता (एमएयू) और लगभग 300 मिलियन दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता (डीएयू) हैं.

हाल ही में सामने आई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मस्क के अधिकांश फॉलोअर्स नकली हैं और लाखों नए निष्क्रिय अकाउंट्स की वजह से यह संख्या बढ़ गई है. हालांकि, दावे को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. टेस्ला और स्पेस एक्स के मालिक के मुताबिक, एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पृथ्वी के लिए एक ग्रुप चैट बन गया है, जिस पर दुनिया भर से सबसे ज्यादा ट्रैफिक आता है.

प्रधानमंत्री मोदी के 102.4 मिलियन फॉलोअर्स

एक्स पृथ्वी के लिए ग्रुप चैट है : एलन मस्क

एलन मस्क ने पोस्ट किया था, "एक्स पृथ्वी के लिए ग्रुप चैट है." टेक अरबपति का लक्ष्य इसे एक "एवरीथिंग ऐप" बनाना है, जहां लोग फिल्में और टीवी शो पोस्ट कर सकें और डिजिटल भुगतान भी कर सकें. मस्क ने यह भी दावा किया कि अमेरिका में एक्स का उपयोग अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है. इस सप्ताह की शुरुआत में, वैश्विक निवेश फर्म फिडेलिटी ने मस्क द्वारा संचालित एक्स (पूर्व में ट्विटर) में अपनी हिस्सेदारी के मूल्य में 78.7 प्रतिशत की कटौती की. इसका अर्थ है कि एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का मूल्य केवल 9.4 बिलियन डॉलर होने की संभावना है.

'ब्राह्मण वीर सावरकर भी गोमांस खाते थे' कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के बयान पर बवाल

एजेंसी। नयी दिल्ली

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने वीर सावरकर पर बयान देकर विवाद खड़ा कर दिया है. मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, वीर सावरकर ब्राह्मण थे, लेकिन गोमांस खाते थे. इस बयान पर राजनीति के गलियारों में हलचल तेज हो गई है. भाजपा ने इस बयान पर पलटवार किया है. भाजपा ने कहा कि जिनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है, वह इस तरह के बयान देते हैं. देश में अच्छे-अच्छे स्वास्थ्य केंद्र हैं, जहां से उन्हें इलाज कराने की जरूरत है. वहीं, कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव के बयान का दिल्ली कांग्रेस नेता उदित राज ने समर्थन किया है.

- उदित राज ने बयान का किया समर्थन, भाजपा का पलटवार

उदित राज ने गुरुवार को आईएएनएस से कहा कि वीर सावरकर गाय को जानवर मानते थे. जानवर तो जानवर ही होता है. कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने वही बात कही है, जो वीर सावरकर कहते थे. वहीं 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक के मुख्यमंत्री आवास छोड़कर लुटियंस दिल्ली के बंगले में रहने की बात पर उदित राज ने कहा, अरविंद केजरीवाल शुरू से ही बंगलों के खिलाफ थे, लेकिन, बाद में यूटर्न लिया. अब वह एक बंगले को छोड़कर दूसरे बंगले में जाएंगे. उनके यूटर्न के बारे में पूरी मीडिया जानती है. हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ ड्रग्स सिंडिकेट के मास्टरमाइंड तुषार गोयल का नाम जुड़ा है. इस पर उदित राज ने कहा, वो एक बड़ी शख्सियत हैं, वह रोजाना कई लोगों के साथ मिलते हैं. सबकी जांच तो नहीं कर सकते हैं, लेकिन, तुषार गोयल दोषी है, तो उसे सजा मिलनी चाहिए. इसी तरह जम्मू में भाजपा के माइनॉरिटी सेल में तालिब हुसैन था, वह तो लश्कर-ए-तोयबा का आतंकवादी था. भाजपा इस पर जवाब दें. बता दें कि दिल्ली पुलिस ने एक बड़े ड्रग स्कैंडल का खुलासा किया है. पुलिस ने भारी मात्रा में कोकीन बरामद की है. मार्केट में इसकी कीमत पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - दीपक कुमार अम्बष्ठ*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)